1300 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित होंगी 13 परियोजनाएं - 12

शेयरों में मुनाफावसूली से सेंसेक्स 123 अंक टूटा, निफ्टी 24,200 के नीचे बंद- 12

ईरान युद्ध : यूरोप में बढ़ा संकट, सिर्फ छह सप्ताह के लिए बचा विमान ईंधन - 13

आर वैशाली ने फिडे विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर रचा इतिहास - 14

आज का मौसम
39.0° अधिकतम तापमान
24.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.45
सूर्यास्त 06.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या 05:21 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 142, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

महिला आरक्षण: विरोध किया तो चुकाएंगे कीमत

प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान (131वां) संशोधन, परिसीमन और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर रखे विचार | बोले- इस विषय को राजनीति के तराजू से नहीं तौलना चाहिए और इसका श्रेय वह विपक्षी दलों को भी देने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में परिसीमन के अनुपात में कोई बदलाव नहीं होने का आश्वासन देते हुए गुरुवार को लोकसभा में सभी राजनीतिक दलों से महिला आरक्षण अधिनियम संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने की अपील की और कहा कि जो भी इसका विरोध करेंगे, उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। मोदी ने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 व संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर अपने विचार रखते हुए यह भी कहा कि इस विषय को राजनीति के तराजू से नहीं तौलना चाहिए और इसका श्रेय वह विपक्षी दलों को भी देने को तैयार हैं।

उन्होंने कहा, हमारे देश में जबसे महिला आरक्षण को लेकर चर्चा शुरू हुई है और जब-जब चुनाव आया है, जिस दल ने महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का विरोध किया है, देश की महिलाओं ने उन्हें माफ नहीं किया। मोदी ने कहा, 2024 के चुनाव में ऐसा नहीं हुआ क्योंकि सब ने (2023 में) सहमति से इसे (महिला आरक्षण विधेयक) पारित किया था। किसी का राजनीतिक फायदा नहीं हुआ, किसी का नुकसान नहीं हुआ। अगर हम सब साथ में रहेंगे तो इतिहास गवाह है कि यह किसी के राजनीतिक पक्ष में नहीं जाएगा, देश के लोकतंत्र और सामूहिक निर्णय के पक्ष में जाएगा। जिन्हें इसमें राजनीति की बू आ रही है। वे खुद के 30 साल के परिणामों को देख लें। उनका इसमें ही फायदा है। नुकसान से बच जाएंगे। राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं। जो विरोध करेंगे उन्हें लंबे समय तक इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने महिला आरक्षण व परिसीमन के लिए विधेयक एक साथ लाने पर और कुछ राज्यों के साथ भेदभाव होने संबंधी कुछ विपक्षी सदस्यों की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा, संविधान ने हमें यहां बैठकर देश को टुकड़ों में सोचने का अधिकार ही नहीं दिया है। न टुकड़ों में सोच सकते हैं, ना टुकड़ों में निर्णय ले सकते हैं। निराधार बात है, इसमें रत्ती भर सचाई नहीं है। केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए बवंडर खड़ा किया जा रहा है। मैं बड़ी जिम्मेदारी से आज सदन में कहना चाहता हूं कि दक्षिण हो, उत्तर हो, पूरब हो पश्चिम हो, छोटे या बड़े राज्य हों निर्णय प्रकिया किसी के साथ भेदभाव नहीं करेगी।

- संसद में महिला सशक्तीकरण की दिशा में देश ऐतिहासिक कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार : मोदी
- कांग्रेस ने कहा- सरकार महिला आरक्षण रोकने के लिए परिसीमन बिल लाई

परिसीमन अनुपात पर गारंटी शब्द चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं

मोदी ने कहा, अतीत में जो सरकारें रहीं, जिनके कालखंड में परिसीमन हुआ और जो अनुपात उस समय से चला आ रहा है, उसमें कोई बदलाव नहीं होगा और वृद्धि भी उसी अनुपात में होगी। जब तमिलनाडु की एक सांसद ने गारंटी देने की बात कही तो मोदी ने कहा, अगर गारंटी शब्द चाहिए तो मैं गारंटी देता हूं, वादा शब्द चाहें ते इसका इस्तेमाल करता हूं। तमिल में कोई अच्छा शब्द हो तो उसका इस्तेमाल करता हूं। नीयत साफ है तो शब्दों का खेल करने की कोई जरूरत नहीं है। जब 25-30 साल पहले महिला आरक्षण का विचार आया था तभी इसे लागू कर दिया जाना चाहिए था। हम सब भाग्यवान हैं कि हमें आधी आबादी को इस राष्ट्र निर्माण की नीति निर्धारण प्रक्रिया में हिस्सा बनाने का सौभाग्य मिला है।

कोई भी अहंकार में न रहे कि हम नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम सभी को इस अहंकार में नहीं रहना चाहिए कि हम नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं। यह उसका अधिकार है। उन्होंने कुछ विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि समय-समय पर सभी ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का समर्थन तो किया लेकिन किसी न किसी बहाने से इसे रोकने का प्रयास करते रहे। उन्होंने कहा तरह-तरह की बहानेबाजी और चीजों को उलझाना अब नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, यहां कुछ लोगों को लगता है कि इसमें मोदी का राजनीतिक स्वार्थ है। अगर आप इसका विरोध करेंगे तो स्वाभाविक है कि मुझे इसका राजनीतिक लाभ होगा। लेकिन साथ चलेंगे तो किसी को इसका लाभ नहीं होगा।

प्रधानमंत्री बोले- मुझे श्रेय नहीं चाहिए पारित होते ही मैं विज्ञापन देकर सबका धन्यवाद देकर, सबकी तस्वीर छपवाने को तैयार हूं

उन्होंने विपक्षी दलों से कहा, हमें इसका श्रेय नहीं चाहिए। जैसे ही यह पारित हो जाए तो मैं विज्ञापन देकर सबका धन्यवाद देकर, सबकी तस्वीर छपवाने को तैयार हूं। सामने से श्रेय का ब्लैंक चैक आपको दे रहा हूं। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, राष्ट्र जीवन में कुछ महत्वपूर्ण पल आते हैं और उस समय की समाज की मनस्थिति और नेतृत्व की क्षमता उस पल को कैद करके एक राष्ट्र की अमानत बना देते हैं, एक मजबूत धरोहर तैयार कर देते हैं। मैं समझता हूं कि भारत के संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में यह वैसा ही पल है। उन्होंने कहा, हम सभी सांसद इस महत्वपूर्ण अवसर को जाने न दें। मुझे विश्वास है कि इस मंथन से जो अमृत निकलेगा, वो देश की राजनीति के रूप-स्वरूप को तो तय करेगा ही, देश की दशा और दिशा भी तय करने वाला है।

नए परिसीमन पर शाह बोले- दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा, बल्कि बढ़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नए परिसीमन के बाद दक्षिणी राज्यों का संसद में प्रतिनिधित्व कम होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए गुरुवार को कहा कि उनकी हिस्सेदारी कम नहीं होगी, बल्कि बढ़ेगी और 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सभी चुनाव मौजूदा व्यवस्था के तहत ही होंगे। महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित विधेयक, 2026 पर चर्चा में कुछ विपक्षी सदस्यों की विभिन्न आशंकाओं और आपत्तियों को खारिज करते हुए शाह ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि वह विधेयकों पर चर्चा का जवाब शुक्रवार को विस्तार से देंगे, लेकिन कुछ भ्रांतियों को अभी दूर करना चाहते हैं। शाह ने कहा कि ऐसी धारणा पैदा की जा रही है कि इन तीनों विधेयकों के पारित होने से दक्षिण राज्यों की संख्या लोकसभा में बहुत कम हो जाएगी और उन्हें बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने इसे खारिज करते हुए कहा कि कर्नाटक में अभी 28 लोकसभा सीट हैं जो कुल 543 सीट का 5.15 प्रतिशत हैं, लेकिन ये विधेयक पारित होने के बाद कर्नाटक के सदस्यों की संख्या 42 हो जाएगी जो कुल 816 सीटों का 5.14 प्रतिशत होगी। शाह ने कहा कि आंध्र प्रदेश में अभी 25 लोकसभा सीट हैं और उसका प्रतिनिधित्व 4.6 प्रतिशत है जो परिसीमन के बाद 38 (4.65 प्रतिशत) हो जाएंगी।

- गृह मंत्री ने कहा- 2029 के लोस चुनाव से पहले सभी चुनाव मौजूदा व्यवस्था के तहत ही होंगे

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में मौजूदा सीट की संख्या 17 (3.13 प्रतिशत) है, जो बाद में 26 (3.18 प्रतिशत) हो जाएंगी। शाह ने कहा, मैं तमिलनाडु की जनता को आश्वस्त करना चहता हूं कि उनके प्रतिनिधित्व में भी कोई कमी नहीं आएगी और राज्य को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अभी राज्य के 39 सदस्य (7.18 प्रतिशत) हैं जो परिसीमन के बाद 59 (7.23 प्रतिशत) हो जाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

गूगल ने बीते वर्ष भारत में 48.3 करोड़ से अधिक विज्ञापनों को हटाया

नई दिल्ली। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने अपने एआई मंच जैमिनी की मदद से वर्ष 2025 में भारत में नीति का उल्लंघन करने वाले 48.37 करोड़ विज्ञापनों को हटाया है। साथ ही 17 लाख विज्ञापनदाता खातों को निलंबित किया गया। गूगल ने गुरुवार को जारी 2025 विज्ञापन सुरक्षा रिपोर्ट में बताया कि उसने पिछले साल वैश्विक स्तर पर 8.3 अरब से अधिक विज्ञापनों को हटाया और 2.49 करोड़ विज्ञापनदाता खातों को निलंबित किया। कंपनी ने कहा कि उसके जैमिनी एआई मॉडल के एकीकरण ने तत्काल गलत तत्वों का पता लगाने और उन्हें रोकने की उसकी क्षमता में बहुत अधिक सुधार किया है।

प्रधानमंत्री मोदी और मैक्रों ने होर्मुज में नौवहन की स्वतंत्रता पर बात की

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान में शांति वार्ता के विफल होने के बाद होर्मुज को समुद्री जहाजों के लिए खोले जाने के लिए अलग-अलग स्तर पर किए जा रहे प्रयास के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति पर बातचीत की। मोदी ने मैक्रों के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति मैक्रों का फोन आया। हमने प. एशिया पर चर्चा की और होर्मुज में सुरक्षा तथा नौवहन की स्वतंत्रता को शीघ्र बहाल करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

गाजियाबाद में आग से 300 झुग्गियां जलीं, सिलेंडर फटे

गाजियाबाद, एजेंसी

गाजियाबाद जिले के एक गांव में गुरुवार दोपहर भीषण आग लगने से 300 से अधिक झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में उस जगह पर भीषण आग लगने की सूचना मिली, जहां कबाड़ के निस्तारण और पुनर्चक्रण का काम होता है। आग लगने के तुरंत बाद झुग्गियों में रखे रसोई गैस सिलिंडर एक-एक करके फटने लगे। इन धमाकों की आवाज से पूरा क्षेत्र दहल उठा और लोगों में दहशत फैल गई।

जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मंदार के मुताबिक, झुग्गियों के जलने से कई परिवार बेघर हो गए हैं। दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया है, लेकिन पूरे इलाके में धुएं का गुबार है। मंदार के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बात की पुष्टि करने के लिए इलाके में सर्वेक्षण कराया जा रहा है कि कोई व्यक्ति लापता तो नहीं है। चिकित्सकों की एक टीम मौके पर है और आसपास के अस्पतालों को भी अलर्ट कर दिया गया है। आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं है, हालांकि अधिकारियों को संदेह है कि अवैध बिजली कनेक्शन में शॉर्ट सर्किट या गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण चिंगारी भड़की होगी। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित परिवारों को अस्थायी आश्रयों में ले जाया गया है और उन्हें राहत सामग्री उपलब्ध कराने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस के अनुसार, मौके पर शीतलन प्रक्रिया पूरी होने के बाद घटना की गहन जांच शुरू की जाएगी। कनवानी गांव में लगी आग के दौरान बड़ी संख्या में निवासी अपने काम पर गए हुए थे। इस दौरान कई परिवारों के छोटे बच्चे झुग्गियों में ही मौजूद थे।

- कनवानी गांव में भीषण आग के कारण आसपास की कई इमारतें खाली कराई गईं

लखनऊ की झुग्गी बस्ती में आग लगने से दो बच्चों की मौत

लखनऊ। यहां के विकास नगर स्थित एक झुग्गी बस्ती में बुधवार को लगी भीषण आग में दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) दीक्षा शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों बच्चों (जिनकी उम्र लगभग दो साल थी) के शव बुधवार देर रात एक बड़े तलाशी अभियान के बाद बरामद किये गये। उन्होंने बताया, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एलपीजी जमाखोरी के खिलाफ 2500 छापे 63 वितरक निलंबित

नई दिल्ली। एलपीजी की जमाखोरी और काला बाजारी के खिलाफ बुधवार को देशभर में अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत देश भर में 2500 से अधिक छापे मारे गए। गुरुवार को मंत्रालय ने बताया कि मंत्रालय कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला में संभावित बाधाओं से निपटने के लिए निरंतर कदम उठा रहा है। तेल विपणन कंपनियों ने 238 एलपीजी वितरकों पर दंड लगाया गया और अनियमितताओं के कारण 63 को निलंबित किया। उसने हितधारकों के साथ व्यापक बातचीत की है।

शादी समारोह से एक साल के मासूम का अपहरण

संवाददाता, इस्लामनगर (बदायूं)

अमृत विचार: सहसवान रोड स्थित बरातघर में आयोजित शादी समारोह के दौरान अज्ञात महिला ने एक साल के बच्चे का अपहरण कर लिया। पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना होने पर परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस आरोपी महिला की तलाश में जुटी है।

थाना क्षेत्र के मईकला निवासी व्यक्ति की बेटी की शादी समारोह में संभल जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के गांव सिरसा निवासी शांति पत्नी भूकन अपने एक साल के बेटे सौरव के साथ शामिल होने आई थीं। जयमाला कार्यक्रम के दौरान शांति अपने बच्चे को हॉल के एक कमरे में सुलाकर कार्यक्रम में चली गईं। इसी दौरान मेहमान बनी संदिग्ध महिला ने मौके का फायदा उठाते हुए कमरे से मासूम को उठाकर ले गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला काफी देर तक बरातघर में घूमती रही, लोगों से बातचीत करती रही और खुद को वधू पक्ष का करीबी बताकर भरोसा जीतती रही। उसने बच्चे की बुआ से भी बातचीत कर दोस्ती की और उसके मोबाइल से फोटो खींचने के बहाने अपना संपर्क स्थापित किया। बाद में उसने व्हाट्सएप पर फोटो भेजकर अपना नंबर भी डिलीट कर दिया, जिससे उसकी पहचान छिपी रहे।

सीसीटीवी में कैद बच्चे को ले जाती महिला।

- जयमाला कार्यक्रम के दौरान हुई वारदात, संदिग्ध महिला सीसीटीवी में बच्चा ले जाते समय कैद
- मेहमान बनकर समारोह में आई महिला ने घुल-मिलकर की वारदात पुलिस कर रही जांच

अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 13 जहाजों को वापस लौटाया

वाशिंगटन/बेरूत। अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि अगर उसने पीस डील नहीं मानी, तो फिर से जंग शुरू हो सकती है। वहीं उसने होर्मुज से 13 जहाजों को वापस लौटा दिया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि ईरान के पास समझौता करने का मौका है, लेकिन अगर उसने इसे ठुकराया तो अमेरिका दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करेगा।

उन्होंने बताया कि अमेरिकी फोर्सेस पूरी तरह तैयार हैं और किसी भी समय कॉम्बैट ऑपरेशन शुरू कर सकती हैं। अमेरिकी सेना राष्ट्रपति के आदेश का इंतजार कर रही है और निर्देश मिलते ही कार्रवाई शुरू की जा सकती है। हेगसेथ ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी जारी रखेगा। यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी, जब तक अमेरिका अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल नहीं कर लेता। वहीं अमेरिकी जनरल डैन केन ने बताया कि अब तक 13 जहाज नाकाबंदी के चलते वापस लौट चुके हैं।

- अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले-ईरान ने डील नहीं मानी तो फिर जंग होगी
- लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ ने नेतन्याहू से बातचीत करने से किया इनकार

अकासा एयर और स्पाइसजेट विमानों के पंख टकराए, जांच शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार दोपहर अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमानों के पंखों के टकराने से दोनों विमानों को नुकसान पहुंचा। उड्डयन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद दोनों बोइंग 737 विमानों को हवाई अड्डे पर ही रोक दिया गया है।

डीजीसीए ने कहा कि जांच लंबित रहने तक एक वायु यातायात नियंत्रक और स्पाइसजेट के पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया गया है। यह घटना अपराह्न हुई जब अकासा का विमान टैक्सीवे पर उड़ान भरने के लिए निकलने वाला था और स्पाइसजेट का विमान पार्किंग की तरफ जा रहा था। अकासा का विमान दिल्ली से हैदराबाद के लिए उड़ान क्यूपी-1406 संचालित करने वाला था, जबकि स्पाइसजेट का विमान उड़ान लेह से आया था।

- डीजीसीए ने वायु यातायात नियंत्रक व स्पाइसजेट के पायलटों को ड्यूटी से हटाया

अनिल अंबानी की याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने उद्योगपति अनिल अंबानी की बंबई हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं को गुरुवार को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने तीन बैंकों द्वारा उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खातों को फर्जी घोषित करने के लिए शुरू की गई कार्यवाही को जारी रखने की अनुमति दी थी।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने साथ ही अंबानी को बैंकों के कारण बताओ नोटिस के खिलाफ उच्च न्यायालय की एकल पीठ के समक्ष अपनी याचिका जारी रखने की अनुमति दी। पीठ ने एकल पीठ से अनुरोध किया कि वह इन बैंक द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के खिलाफ अंबानी की याचिका पर शीघ्र निर्णय करे। उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश अंबानी द्वारा दायर तीन अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया, जिनमें उन्होंने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 23 फरवरी के आदेश को चुनौती दी थी। खंडपीठ ने एकल पीठ के उस अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खिलाफ खातों को फर्जी घोषित करने की कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी। इसके साथ ही खंडपीठ ने तीन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और ऑडिट कंपनी बीडीओ इंडिया एलएलपी द्वारा दिसंबर 2025 में एकल पीठ के अंतरिम आदेश के खिलाफ दायर अपीलों को स्वीकार कर लिया था। एकल पीठ के आदेश में इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा की जा रही वर्तमान और भविष्य की सभी कार्रवाइयों पर रोक लगाई गई थी।

अदालत ने कहा था कि यह कार्रवाई कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण फॉरेंसिक ऑडिट पर आधारित है और भारतीय रिजर्व बैंक के अनिवार्य दिशानिर्देशों का उल्लंघन करती है। अंबानी ने एकल पीठ के समक्ष इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस को चुनौती दी थी।

- अंबानी ने बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को दी थी चुनौती

बदलाव | गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र में 9.18 करोड़ से बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों का उद्घाटन, सीएम ने कहा, सुशासन की पहली शर्त सुरक्षा

समय पर भर्ती-ट्रेनिंग से बदली पुलिस की तस्वीर : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद पुलिस विभाग में समय पर भर्ती, समय पर ट्रेनिंग और अवस्थापना सुविधाओं के विकास से पुलिसकर्मियों के कार्य की गति बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर माहौल बना और सुशासन का बेहतरीन मॉडल खड़ा हुआ।

वे गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इन भवनों में मंदिर सुरक्षा से जुड़े अपर पुलिस अधीक्षक व पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, कंट्रोल रूम, पुलिस स्टोर रूम और मेंटिनेंस वर्कशाप बनाई गई है। इसके निर्माण पर 9.18 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा भवनों में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन भी किया। कहा कि सुरक्षा, सुशासन की पहली शर्त होती है। हर व्यक्ति को सुरक्षा चाहिए। इसके लिए सरकार के स्तर पर प्रयास किए जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पुलिस भर्ती, ट्रेनिंग और सुविधाओं की अनदेखी होती थी, जिससे युवाओं का रुझान भी कम था। लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

गोरखपुर : आधुनिक सुरक्षा भवन का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी।

पुलिस किसी भी स्थिति में असहाय नहीं

सीएम ने कहा कि अब पुलिस असहाय नहीं है। अपराधियों को पकड़ने और थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संसाधन और बल मौजूद है। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती से कार्रवाई करेगी। अब अपराधी भाग नहीं सकता, क्योंकि उसे थाने में ही रोककर रखने की सुविधाएं दी गई हैं। अब कोई थाने पर हमला नहीं कर सकता, क्योंकि थाने में पुलिस कार्मिकों के लिए अलग से बेहतरीन सुविधाओं से युक्त बैरक बनाए गए हैं। हर समय, हर थाने में पर्याप्त संख्या में पुलिस कार्मिक उपलब्ध होंगे।

पहले नहीं थी अच्छी आवासीय सुविधा

योगी ने कहा कि पहले थाना हो, चौकी हो, पुलिस लाइन हो या पीएसी वाहिनी, कहीं भी पुलिसकर्मियों के लिए अच्छी आवासीय सुविधा और अच्छे बैरक नहीं थे। पुलिसकर्मी किराए पर रहकर जैसे-तैसे जीवन व्यतीत करता था। होता यह था कि उसके बच्चे की परीक्षा है और उसी समय मकान मालिक घर खाली करने को कह देता। इस पर वह झल्ला कर कहता, घर नहीं खाली करेंगे। आज ये सारी शिकायतें समाप्त हो गई हैं, । सरकार ने हर पुलिस लाइन में आवासीय सुविधा दी है, बैरक बनवाए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

95.60 प्रतिशत पाकर अर्पिता रही कॉलेज में अव्वल

मझोला, अमृत विचार : एसके पब्लिक स्कूल का सीबीएसई 10वीं का परीक्षाफल शत-प्रतिशत रहा। प्रबंधक जगजीत सिंह ने विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्य मोहन चन्द्र तिवारी समेत स्टाफ का आभार ज्ञापित किया। शैक्षणिक निदेशक राजेन्द्र सिंह ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की। 10वीं के मेधावियों में अर्पिता अग्रवाल 95 .60 प्रतिशत, एनहददीप सिंह ने 94 .00 , पावनी गुप्ता ने 92 .40 और मयंक सिंह ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

विवादित पोस्ट करने की दी तहरीर

पीलीभीत, अृत विचार : बाबा साहब को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पूरनपुर के वार्ड नंबर एक के रहने वाले अधिवक्ता प्रदीप सागर की ओर से माधोटांडा थाने में शिकायत की गई। जिसमें एक पॉलिटेक्निक के छात्र पर विवादित पोस्ट करने का आरोप लगाया गया है।

विरोध प्रदर्शन कर की नारेबाजी

पीलीभीत, अमृत विचार : शराब भट्ठी के विरोध में बूंदीभूड़ गांव की कुछ महिलाओं ने गुरुवार सुबह एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि गांव में शराब की दुकान खुलने से माहौल खराब होगा। इसका नकारात्मक असर पड़ेगा। शांति व्यवस्था भी भंग होगी। गांव में शराब की दुकान न खोलने की मांग की गई। मौके पर शशिकला, सरिता, गुड्डी, सुधा आदि थी।

लापरवाही से जुड़े फोटो वायरल, खलबली

पीलीभीत, अमृत विचार : सोशल मीडिया पर अपराधियों को ले जाते वक्त लापरवाही बरतने से जुड़ा फोटो वायरल हो रहा है। एक फोटो में हाथ में हथकड़ी पहने युवक के साथ पुलिसकर्मी दिखाई दे रहा है। मगर, दूसरे फोटो में पुलिसकर्मी नदारद और अपने ही हाथ में बंधी हथकड़ी पकड़े युवक बैठा हुआ है। फोटो जिला अस्पताल परिसर के बताए जा रहे हैं। जिम्मेदार मामले से अनभिज्ञता जताते रहे।

युवती को अगवा करने की रिपोर्ट की दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी 24 वर्षीय पुत्री को 14 अप्रैल को बरेली जिले के शीशगढ़ कस्बा निवासी शोएब फुसलाकर ले गया। उसने अपनी पुत्री की काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

आबादी में छुट्टा पशुओं से हादसे का खतरा

शहरी क्षेत्र में एक भी गोशाला नहीं, पालिका ने पौने दो करोड़ से मीरापुर में बनवाई है कान्हा गोशाला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर के गेट पर खड़ा छुट्टा सांड़। ● अमृत विचार

आवास विकास कॉलोनी में आयकर दफ्तर के पास छुट्टा पशुओं का झुंड। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गोवंश संरक्षण मुहिम पर करोड़ों खर्च के बावजूद सड़कों पर छुट्टा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीण अंचलों में करोड़ों रुपये खर्च कर तमाम गोशालाएं बनवाई जा चुकी हैं, जोकि ओवरलोड हो चुकी है। उससे अधिक संख्या में पशु सड़कों पर विचरण कर रहे हैं। शहरी क्षेत्र में हालात और भी बदतर बनते नजर आ रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों पर छुट्टा पशुओं के झुंड हादसे का सबब बन चुके हैं। कई बार हादसे में लोग जान भी गंवा चुके हैं, आए दिन लोग घायल भी हो रहे। पशुओं का भी संरक्षण नहीं हो पा रहा है। जिसकी वजह से हालात बदतर हैं।

शहरी क्षेत्र की बात करें तो कोई गोशाला नहीं है। ढाई लाख से अधिक आबादी वाले शहर की शायद ही कोई रास्ता ऐसा हो, जहां पर दिन-रात छुट्टा पशुओं के झुंड न दिखाई दें। शहर से सटी नगर पंचायत नौगवां पकड़िया में गोशाला का निर्माण कराकर संचालन भी कराया जा चुका हैं, लेकिन वहां की क्षमता से अधिक पशु सड़कों पर रहते हैं। गोशाला की क्षमता से कहीं अधिक पशु तो सिर्फ मंडी समिति परिसर में ही डेरा जमाए हैं। इधर, नगर पालिका पीलीभीत क्षेत्र में एक भी गोशाला नहीं हे। जिसमें छुट्टा पशुओं को रखा जा सके। हालांकि पालिका की ओर से कान्हा गोशाला का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

इसके लिए गांव मीरापुर में जमीन चिन्हित कर करीब पौने दो करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। 200 पशुओं की क्षमता की गोशाला होगी। इसके संचालन में अभी समय है। इतना ही नहीं, क्षमता के सापेक्ष कई गुना अधिक पशु वर्तमान समय में ही सड़कों पर विचरण कर रहे हैं। पालिका क्षेत्र के आम गली मोहल्ले ही नहीं, बाजार, टनकपुर हाईवे के हिस्से में दिनभर छुट्टा पशुओं के झुंड रहते हैं।रात के वक्त तो और बदतर तस्वीर हो जाती है। मेडिकल कॉलेज परिसर, मुख्य बाजार, गांधी स्टेडियम रोड समेत कई ऐसे स्थान हैं, जहां पर लोगों की आवाजाही के बीच छुट्टा पशुओं का झुंड हमलावर भी हो जाता है। कई बार आपस में पशुओं के लड़ने पर नजदीक से गुजरने वाले शिकार हो जाते हैं। इस समस्या के समाधान के लिए कई बार मांग की जा चुकी हैं, लेकिन स्थायी समाधान नहीं है। जिम्मेदार खुद इस समस्या के आगे बेबस दिखाई दे रहे हैं। कई बार अभियान चलाए गए और पशुओं को पकड़वाया गया लेकिन उन्हें रखने की समस्या खड़ी हो गई। अधिकांशतः शहर से पकड़े गए छुट्टा पशुओं को देवीपुरा गोशाला भिजवाया जाता है। वह जिला मुख्यालय से करीब पांच किमी की दूरी पर है। मगर, वहां पर हालात पहले भी बेहाल है। क्षमता से कई गुना अधिक पशु आश्रित हैं। पालतु पशु भी दिए जाते हैं छोड़ इस समस्या का एक पहलु और है। शहर में आबादी के बीच कई डेररियां संचालित हैं। वहीं, घरों पर भी पाालतु पशु हैं। दूध दूहने के बाद दिन के वक्त कई बार देखा गया है कि पालतु पशुओं को भी लोग छुट्टा छोड़ देते हैं। पिछले समय में इसे लेकर नगर पालिका की ओर से सख्ती भी की गई थी। जिसके बाद ऐसे पशुओं को पकड़वाया गया और फिर उनके स्वामियों से जुर्माना वसूला गया। इसमें भी वसूली से जुड़ी शिकायतें होने लगी और मुहिम पस्त पड़ गई।

लड़ते -लड़ते व्यापारी की कार में घुस गए छुट्टा सांड

छुट्टा पशुओं के झुंड के बीच हादसे की संभावना रहती है। अभी बुधवार को ही दिल्ली से काम के सिलसिले में पीलीभीत आए गाजियाबाद के व्यापारी अभिनय व उसके कार सवार दोस्त इसका शिकार हो गए। शहर में काम निपटाकर वापसी करते वक्त टनकपुर हाईवे पर छतरी चौराहा के पास पहुंचते ही थे कि सड़क पर मौजूद छुट्टा सांड़ आपस में अचानक लड़ गए। वह कार को साइड में कर रही रहे थे कि आपस में भिड़ते हुए सांड़ कार से टकराने लगे और कार पर भी सींग चलाए। जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीन लोगों ने उतरकर खुद को किसी तरह बचाया। कार में काफी नुकसान हुआ।

अब स्कूलों में अंग्रेजी में होगी प्रार्थना, टूटेगी झिझक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- सप्ताह में एक दिन प्रार्थना सभा अंग्रेजी में कराने का फैसला

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा विभाग ने छात्रों में अंग्रेजी को लेकर झिझक दूर करने के लिए नई पहल की है। अब जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन प्रार्थना सभा पूरी तरह अंग्रेजी भाषा में आयोजित की जाएगी। इससे छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उनकी संवाद क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने नए शैक्षिक सत्र से एक अहम बदलाव लागू किया है। इसके तहत अब राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्तविहीन विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन प्रार्थना सभा पूरी तरह अंग्रेजी माध्यम में संचालित की जाएगी। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि शैक्षिक कैलेंडर में निर्धारित विशेष दिन पर प्रार्थना सभा की सभी गतिविधियां—जैसे प्रतिज्ञा, समाचार वाचन और अन्य प्रस्तुतियां अंग्रेजी में ही कराई जाएंगी।

जिले के 35 राजकीय, 22 सहायता प्राप्त और 132 वित्तविहीन विद्यालयों में इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र विषय ज्ञान में दक्ष होने के बावजूद अंग्रेजी में संवाद करने में संकोच करते हैं। अब नई व्यवस्था से छात्रों की शब्दावली मजबूत होगी और वे सार्वजनिक मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख सकेंगा।

क्विज विजेताओं को किया पुरस्कृत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

विजेताओं को पुरस्कृत करते प्राचार्य डॉ .दुष्यंत कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उपाधि महाविद्यालय में गुरुवार को रसायन विज्ञान विभाग की ओर से एक क्विज कांटेस्ट आयोजित किया गया। इस दौरान बीते साल हुए नवप्रवाह प्रोग्राम के दौरान विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने वाले विजेता भी पुरस्कृत किए गए।

36 विद्यार्थियों द्वारा क्विज कांटेस्ट में प्रतिभाग के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया गया। दो टीम बनाकर इसे संपन्न कराया गया। संचालन रसायन विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. विजय कुमार अग्रवाल ने की। दोनों टीमों के बीच पहले राउंड में 14-14 अंक प्राप्त कर टाई होने पर दो- दो अतिरिक्त प्रश्न प्राचार्य डॉ. दुष्यंत कुमार द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुसार पूछे गए। पुनः टाई होने पर दो-दो अन्य अतिरिक्त प्रश्न दोबारा पूछे गए। पुनः एक-एक अतिरिक्त प्रश्न टाई ब्रेकर के रूप में टीमों के सामने रखा गया। मॉडल प्रदर्शनी में बीएससी थर्ड ईयर जेबीसी की छात्रा गरिमा सक्सेना ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। सेकेंड ईयर जेडबीसी के मोहम्मद साहिल ने द्वितीय और तृतीय स्थान पर सामूहिक रूप से बीएससी फर्स्ट ईयर के छात्र छात्राएं पुष्पेंद्र, दीक्षा गंगवार, सलोनी, शीतल और अनुपम शर्मा रहे।

इसके अलावा भी कई पुरस्कृत किए गए। इस मौके पर डॉ. सत्येन्द्र नारायण, डॉ. प्रणव शास्त्री,डॉ. दुर्गेशधर द्विवेदी, डॉ. गोपाल दीक्षित, डॉ. केपी सिंह, डॉ. विशाल सक्सेना,डॉ. मनोज गुप्ता , डॉ.अमित कुमार, डॉ. कविता कनौजिया आदि मौजूद रहे।

जनगणना : खुद कर सकेंगे अपनी गणना

- 07 से 21 मई तक चलेगा स्व जनगणना का विशेष अभियान
- डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने अधीनस्थों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनगणना-2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं। 22 मई से पहला चरण शुरू होगा। इस बार लोग स्वयं पोर्टल के माध्यम से मकान और जनगणना का ब्योरा भर सकेंगे। मकानों की गणना शुरू होने से 15 दिन पहले पोर्टल खुलेगा। इसको लेकर 07 मई से जनपद में स्व जनगणना को लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। जनगणना को लेकर जनपद के18 प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रगणकों व सुपरवाइजरों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जिले में डिजिटल जनगणना की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जनपद को 15 जोन में बांटा गया है। एडीएम वित्त/जिला जनगणना अधिकारी प्रसून द्विवेदी के मुताबिक जनगणना कार्य को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए सीएमएसएस पोर्टल पर 4116 प्रगणकों और 688 सुपरवाइजरों की ड्यूटी लगाई गई है, जिसमें 10 प्रतिशत कर्मचारी रिजर्व रखे गए हैं। इन सभी को जनपद के 18 प्रशिक्षण केंद्रों पर मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। स्व जनगणना का कार्य 07 से 21 मई के बीच चलेगा। यदि परिवार के सदस्य चाहे तो वे आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in पर अपना विवरण दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद मकान गणना का कार्य किया जाएगा, जो 22 मई से शुरू होकर 20 जून तक चलेगा।

एसई आईडी का रखना होगा रिकॉर्ड

पोर्टल पर डेटा सबमिट करने के बाद प्रत्येक परिवार को 11 अंकों की एक विशिष्ट स्व-गणना आईडी (एसई आईडी) प्राप्त होगी, जो अग्रेजी के एच अक्षर से शुरू होगी। यह आईडी एसएमएस और ईमेल के जरिए भेजी जाएगी। जब प्रगणक घर का दौरा करेंगे, तब यह आईडी उन्हें दिखानी होगी, जिसे वे एचएलओ मोबाइल ऐप के माध्यम से सत्यापित करेंगे।

आशा और एएनएम घर-घर जगाएंगी अलख

सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने सभी आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया है कि वे मई के प्रथम पखवाड़े में अपने नियमित दौरों के दौरान महिलाओं को इस पोर्टल के प्रति जागरूक करें। सीएमओ ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को 21 मई तक अपनी स्व-गणना पूरी करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं।

परामर्श केंद्र में पत्नी से की अभद्रता

पीलीभीत,अमृत विचार : माधोटांडा थाना क्षेत्र के ग्राम शाहगढ़ निवासी शिवानी पुत्री हरीशंकर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पति ने परिवार परामर्श केंद्र में प्रार्थना पत्र दिया था। इसके बाद वह परामर्श केंद्र में उपस्थित हुई। वह परामर्श केंद्र में बैठी हुई थी, तभी उसका पति उमेश कुमार शर्मा उर्फ सोनू पुत्र रोशन लाल निवासी ग्राम खरुआ थाना जहानाबाद वहां आया और उसके साथ गाली गलौज करने लगा। उस दौरान वहां पर काउंसलर भी बैठे हुए थे। काउंसलरों ने यह हरकत देखकर उसके पति का प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया। जिस कारण पति उमेश नाराज हो गया। परामर्श केंद्र से बाहर निकलकर वह अपने पिता के साथ घर जा रही थी। तभी उमेश ने उसके साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट का प्रयास किय।

कार्यशाला में दी गई ड्रोन के बारे में जानकारी

कार्यशाला में ड्रोन के बारे में जानकारी देते अफसर। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: सशस्त्र सीमा बल 49वीं वाहिनी के न्यू लोकेशन में गुरुवार को एक कार्यशाला हुई। पुलिस द्वारा ड्रोन संचालन एवं प्रबंधन विषय पर करासई गई इस कार्यशाला में वर्तमान में तकनीक युग में क्रांति की तरह उभरे ड्रोन के बारे में बताया गया। कहास कि ये विकास की रफ्तार और बढ़ाएगा। डिजिटल इंडिया का असली साथी अब ड्रोन है। ड्रोन सेल के कार्मिकों द्वारा ड्रोन परिचालन, बनावट, कल-पुर्जे, आदि के बारे में जानकारी साझा की गई। एसएसबी जवानों ने भी प्रतिभाग किया। पुलिस की तकनीकी विशेषज्ञता और एसएसबी के जमीनी अनुभव के मेल से सीमाएं और सुरक्षित होंगी।

बाबा साहब ने सर्वसमाज को समानता का दिलाया अधिकार

- डा. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत हुआ कार्यक्रम
- बाबा साहब ने सर्वसमाज को समानता दिलाने का काम किया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

कार्यक्रम में युवक को सम्मानित करते मुख्य अतिथि व जिलाध्यक्ष भाजपा। ● अमृत विचार

करोड़ गांव में कार्यक्रम की शुरुआत कराते राकेश मिश्र अनावा व अन्य भाजपाई।

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत गुरुवार को सदर विधानसभा क्षेत्र का सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि एमएलसी एवं पूर्व राज्यमंत्री बहोरन लाल मौर्य रहे। बाबा साहब के विचारों, उनके संघर्षों एवं समाज के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण किया गया।

मुख्य अतिथि बहोरन लाल मौर्य ने कहा कि बाबा साहब ने सिर्फ पिछड़े और दलित समाज के उत्थान के लिए काम नहीं किया बल्कि सर्वसमाज को समानता का अधिकार मिले इसको प्रमुखता से ध्यान में रखते हुए संविधान में इसके लिए नियम बनाया। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने कहा कि संगठन के निर्देशानुसार बाबा साहेब की जयंती पर बूथ स्तर तक गोष्ठी के उपरांत विधानसभा स्तर तक ये सम्मेलन आयोजित हो रहे हैं। जिसमें अपने अपने क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले अनुसूचित वर्ग को सम्मानित करने का कार्यक्रम भी किया जा रहा है। संचालन जिला मंत्री विकास वाल्मीकि ने किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष लेखराज भारती , विकास श्रीवास्तव , नमन प्रताप राजपूत , रेखा सिंह परिहार, पंकजा तिवारी , नागेन्द्र प्रताप सिंह , शांति स्वरूप सोनकर , अक्लीम अहमद मालिक , अभिमन्यु गंगवार , प्यारे लाल , अनुरिता सक्सेना , राजाराम , अनूप वाल्मीकि , हर्षित चौधरी आदि मौजूद रहे।

बरखेड़ा क्षेत्र के करोड़ गांव में हुआ कार्यक्रम

बरखेड़ा, अमृत विचार : भाजपा की ओर से संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ .भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत बरखेड़ा क्षेत्र में करोड़ गांव में कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री राकेश मिश्र अनावा रहे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान रचना के समय जिस दूरदर्शी सोच के साथ काम किया उसी सोच का परिणाम है कि हम धार्मिक स्थानों पर बिना भेदभाव के जा पाते हैं। भारत की आजादी के समय देश बहुत सारी कुरीतियों से घिरा हुआ था ऐसे में यदि संविधान सभा में बाबा साहेब जैसी दूरदर्शी सोच के व्यक्तित्व न होते तो भारत की गुलामी के समय से भी ज्यादा खराब स्थिति होती। कई लोगों को सम्मानित भी किया गया। बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने भी विचार रखे।

डॉक्टर बनना चाहते हैं मेधावी संकल्प

पीलीभीत, अमृत विचार: बेनहर पब्लिक स्कूल के 10वीं के छात्र संकल्प मिश्रा ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। उनके बेहतर परिणाम को देख परिवार में हर्ष है। संकल्प मूल रुप से जहानाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम कुकरीखेड़ा के रहने वाले अधिवक्ता महेंद्र मिश्र के पुत्र हैं। उनके ताऊ वरिष्ठ धीरेंद्र मिश्र जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं भाजपा नेता हैं। चाचा प्रखर मिश्र मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के एक बेसिक स्कूल में पीटीआई हैं। संकल्प ने बताया कि वह एमबीबीएस डॉक्टर बनना चाहते हैं। उन्होंने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता,गुरुजनों और परिवार को दिया है।

संकल्प मिश्रा।

होनहार मेधावी छात्र

- 97 .0 प्रतिशत — सनोवर प्रीत कौर — बेनहर गुरुकुल
- 92 .0 प्रतिशत — अक्षत त्रिपाठी — बेनहर गुरुकुल
- 92 .0 प्रतिशत — मयंक कुमार पांडेय — बेनहर गुरुकुल
- 92 .0 प्रतिशत — श्रेया रस्तोगी — बेनहर गुरुकुल
- 90 .60 प्रतिशत — रूबल प्रीत कौर — बेनहर गुरुकुल
- 97 .80 प्रतिशत — तनुष राय — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 97 .40 प्रतिशत — मयूरा — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 97 .2 प्रतिशत — केशव कुमार गंगवार — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 97 .20 प्रतिशत — शिफा नूर — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 96 .40 प्रतिशत — मोहम्मद अली — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 96 .40 प्रतिशत — सानवी गुप्ता — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 96 .20 प्रतिशत — निहाल सिंह गंगवार — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 96 .0 प्रतिशत — मोहम्मद सुभान रजा — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 95 .80 प्रतिशत — सुभवनी अग्रवाल — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 95 .40 प्रतिशत — मोहम्मद यवर अराफत — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 95 .20 प्रतिशत — आर्कित राज — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 95 .20 प्रतिशत — ज्योति शुक्ला — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 95 .0 प्रतिशत — आर्यन गंगवार — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 95 .0 प्रतिशत — संकल्प गंगवार — बेनहर पब्लिक स्कूल
- 97 .0 प्रतिशत — रिद्धि प्रजापति — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 96 .0 प्रतिशत — हर्ष वर्मा — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 93 .5 प्रतिशत — मोहम्मद वासिफ — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 92 .0 प्रतिशत — आध्या सिंघल — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 91 .2 प्रतिशत — अभिषेक सिंह — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 90 . 2 प्रतिशत — समृद्धि — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 90 .0 प्रतिशत — सिद्धि लाल — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 90 .0 प्रतिशत — मानस — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 88 .2 प्रतिशत — रुम्मान कादरी — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 88 .0 प्रतिशत — ईरम सुल्तान — स्प्रिंगडेल कॉलेज
- 96 .6 प्रतिशत — कार्तिक शर्मा — लिटिल एंजेल्स
- 96 .2 प्रतिशत — शौर्य पांडे — लिटिल एंजेल्स
- 95 .4 प्रतिशत — श्लोक सिंघल — लिटिल एंजेल्स
- 95 .4 प्रतिशत — अदिति अग्रवाल — लिटिल एंजेल्स
- 95 .4 प्रतिशत — एवलिन — लिटिल एंजेल्स
- 95 .4 प्रतिशत — अक्षत — लिटिल एंजेल्स
- 95 .0 प्रतिशत — उज्जवल भगवानी — लिटिल एंजेल्स
- 94 .8 प्रतिशत — आर्यन गंगवार — लिटिल एंजेल्स
- 94 .8 प्रतिशत — आयुष रस्तोगी — लिटिल एंजेल्स
- 95 .60 प्रतिशत — आरुष भारती — ज्ञान इंटरनेशनल
- 93 .60 प्रतिशत — अभिनव शर्मा — ज्ञान इंटरनेशनल
- 93 .20 प्रतिशत — आयुष शर्मा — ज्ञान इंटरनेशनल
- 92 .40 प्रतिशत — मन्नया पांडेय — ज्ञान इंटरनेशनल
- 92 .40 प्रतिशत — मोहम्मद उजैर — ज्ञान इंटरनेशनल
- 91.60 प्रतिशत — आस्था राजपूत — ज्ञान इंटरनेशनल
- 91 .40 प्रतिशत — अर्चित गंगवार — ज्ञान इंटरनेशनल
- 91 .20 प्रतिशत — रुवेंद्र सिंह — ज्ञान इंटरनेशनल
- 90 .40 प्रतिशत — वंशिका सिंह — ज्ञान इंटरनेशनल
- 90 .20 प्रतिशत — जमन — ज्ञान इंटरनेशनल

जागरुकता पदयात्रा में शामिल छात्राएं। ● अमृत विचार

छात्राओं ने निकाली जागरुकता पदयात्रा

पीलीभीत, अमृत विचार : डिवाइन कॉलेज की ओर से नारी वंदन अधिनियम के समर्थन एवं महिलाओं के सम्मान, अधिकार एवं राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला पदयात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं एवं अन्य शिक्षणेत्तर महिलाओं ने भाग लिया। इसकी शुरुआत प्राचार्य डॉ .नीरज कुमार जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर कराई। पदयात्रा के दौरान छात्राओं ने जागरुकता नारे, बैनरों एवं पोस्टर पर लिखे संदेशों के माध्यम से समाज में महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। मुख्य वक्ता डॉ. हरचरन लाल ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 महिलाओं को राजनीति में एक अधिकार प्रतिनिधित्व देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

शहर में आज

- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- शेरोवाली मठिया ब्रहमदेव बाबा मंदिर में श्रीमद भागवत कथा शाम 06 बजे से।
- मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम सुबह 09 बजे से।
- स्प्रिंगडेल कॉलेज में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम शाम 5.30 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

युवक की मौत मामले में एफआईआर

बीसलपुर, अमृत विचार : पांच दिन पूर्व शाहजहांपुर मार्ग पर खनंका चौकी के पास बाइकों की टक्कर में युवक की मौत के मामले में कार्रवाई की गई। ग्राम रोहनिया निवासी उमा चरण की पत्नी बसंती देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 अप्रैल को उसका पुत्र गोविंद बाइक से खनंका गांव से काम निपटाकर वापस आ रहा था। दोपहर के वक्त खालसा ढाबे के पास पहुंचते ही सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। दूसरी बाइक का चालक ग्राम खनंका उचसिया निवासी अरुन कुमार पुत्र रामकुमार लापरवाही से वाहन चला रहा था। हादसे में पुत्र गोविंद की मौत हो गई थी। पुलिस ने आरोपी अरुन कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

पीलीभीत, अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला की मौत हो गई। उसके जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी करने की आशंका जताई जा रही है। घटना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम नौगवां पकड़िया की है। गांव की रहने वाली 60 वर्षीय कुसुम की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बुधवार रात अचानक तबियत बिगड़ने पर चीख पुकार मची तो परिवार वाले कमरे में पहुंचे तो महिला बेसुध मिली। उसे परिजन अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में ही मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सुनगढ़ी पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। इस दौरान महिला के जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी करने की आशंका जताई गई।

सड़क हादसे की रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : शाहजहांपुर जनपद के थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम कटैया उस्मानपुर के निवासी प्रिंस कुमार पुत्र राकेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार अप्रैल को उनकी पत्नी किरन देवी अपने मायके ग्राम बसई पुरैना से लौट रही थी। पैनिया रामकिशन गांव के पास पहुंचते ही ट्रैक्टर ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी समेत अन्य परिवार वाले घायल हो गए। पुलिस ने मामले में ट्रैक्टर चालक पैनिया रामकिशन गांव निवासी पंकज के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता की मौत बेटी गंभीर

बिलसंडा, अमृत विचार : करेली थाना क्षेत्र के गांव मीरपुर गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पिता मौत हो गई जबकि पीछे बैठी बेटी के सिर में चोट लगने से गंभीर घायल हो गई। हादसा गुरुवार देर शाम हुआ। बाइक चालक मृतक की पहचान 48 वर्षीय देवेंद्र सिंह के रूप में हुई, जोकि ग्राम अजमतपुर थाना बंडा जिला शाहजहांपुर का रहने वाला है। वह अपनी बेटी अन्नू के साथ अपनी बहन के घर करेली थाना क्षेत्र के गांव पंडरी मरौरी से घर लौट रहे थे। तभी गांव मीरपुर के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक चालक की मौत हो गई। वहीं बेटी सिर में चोट लगने के कारण गंभीर घायल हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पीटीआर में शिकारियों से मुठभेड़, फरार

जंगली सुअर का शव और बाइक बरामद, दो नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ केस

- बीती रात बराही रेंज की फैजुल्लागंज में हुई घटना, पुलिस को भी दी जा रही तहरीर
- शिकारियों ने वन कर्मियों पर पांच राउंड फायरिंग की, अंधेरे का फायदा उठाकर भागे

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

बराही रेंज में शिकारी यही बाइक छोड़ कर भाग गये। • अमृत विचार

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल में एक बार फिर शिकारियों की दस्तक हुई। बराही रेंज में घुसे शिकारियों से वनकर्मियों की मुठभेड़ हो गई। शिकारियों ने वनकर्मियों पर करीब पांच राउंड फायर किए। इसके बाद खुद को घिरता देख तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। मौके पर एक बाइक और मृत जंगली सुअर का शव बरामद किया गया है। इस मामले में विभागीय केस दर्ज करने के बाद अब शिकारियों के खिलाफ माधोटांडा थाने में भी तहरीर दी गई है।

घटना बराही रेंज के फैजुल्लागंज सेक्शन की सिमरा बीट में बुधवार रात करीब 11.30 बजे के आसपास हुई। बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव को सूचना मिली थी कि सिमरा बीट में शिकारियों द्वारा वन्यजीव का शिकार किया जा रहा है। क्षेत्रीय वनाधिकारी के निर्देश पर सिमरा वन चौकी पर तैनात वन दरोगा कपिल कुमार, पुष्पेंद्र, वनरक्षक अनिल कुमार ने बीट वॉचरों के साथ संबंधित क्षेत्र में पहुंचकर घेराबंदी कर दी। टीम ने पाया कि कुछ शिकारियों द्वारा जंगली सुअर पर हमलाकर मार दिया है। वनकर्मियों ने शिकारियों को दबोचने का प्रयास किया। इस पर शिकारियों ने पकड़े जाने के डर से अवैध असलहों से टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। दोनों ओर से करीब पांच राउंड गोलियां चलीं। हालांकि वनकर्मी इस हमले में बाल-बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई करते हुए वनकर्मियों ने घेराबंदी तेज की तो शिकारी बिना नंबर प्लेट की बाइक और जंगली सुअर का शव छोड़कर घने जंगल में भाग निकले। टीम ने मौके से बरामद बाइक आदि को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय पहुंचाया। मौके पर मिली के बाइक के आधार पर हजारा थाना क्षेत्र के ग्राम राघवपुरी निवासी हरजिंदर सिंह पुत्र कक्का सिंह, बलजीत सिंह पुत्र रतन सिंह को नामजद करते हुए अन्य अज्ञात के खिलाफ वन्यजीव अधिनियम के तहत विभागीय केस दर्ज किया गया है। इसके साथ ही शिकारियों के के विरुद्ध कार्रवाई के लिए माधोटांडा थाने में भी तहरीर दी गई है। जिसके आधार पर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

बार-बार शिकारियों की दस्तक से सुरक्षा बंदोबस्त पर भी सवाल

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के जंगल में शिकारियों की दस्तक पहले भी होती रही है। पीटीआर की माला रेंज में दो साल पहले 30 अगस्त 2024 को बाइक पर सवार होकर शिकारी जंगल में घुसे थे और दो चीतलों का शिकार कर लिया था। वनकर्मियों पर फायरिंग की गई थी। इसके अलावा वनरक्षक की बंदूक भी छीन ले गए थे। थाना गजरौला में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस की पांच और वन विभाग की तीन टीमें लगाई गई। जिसके बाद खुलासा हुआ तो गिरफ्तार किए गए शुरुआती छह लोगों में एक सिपाही भी शामिल निकला था। उसे भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पिछले साल 12 सितंबर को चीतल के शिकार के साथ माला रेंज में चार शिकारी पकड़े गए थे जबकि तीन भाग गए थे। इसके छह दिन बाद ही माला रेंज की गढ़ा सेक्शन में तालाब से मछलियों का शिकार करते दो शिकारी पकड़े गए थे। उनके पास से प्लास्टिक जाल एवं शिकार के लिए 10 कांटे बरामद किए गए थे। इसके बाद एक अक्टूबर को महोफ रेंज की टीम ने दो शिकारियों को पकड़ा और चीतल का मांस बरामद किया गया था। पूछताछ में सामने आया था कि ये दोनों जंगल में शिकार करते थे और फिर मांस बेचा करते थे। इनकी धरपकड़ को गुडवर्क बताया गया, लेकिन सवाल ये है कि सख्त सुरक्षा इंतजाम के बीच ये शिकार करके वापस भी आ गए थे। इसके बाद घरों से धरपकड़ की गई थी। इसके अलावा भी कई मामले उजागर हो चुके हैं।

> सूचना के आधार पर टीम ने घेराबंदी की थी। आरोपी रात का फायदा उठाकर भाग गए। इस मामले में दो नामजद आरोपियों समेत अज्ञात के खिलाफ विभागीय केस दर्ज कराया गया है। माधोटांडा थाने में भी रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है।
>
> **-मनीष सिंह,** डिप्टी डायरेक्टर, पीटीआर

निजी स्कूल में मिलीं निजी प्रकाशक की किताबें

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बीसलपुर के निजी स्कूल में डीआईओएस ने छापामारी के बाद दिया नोटिस

अमृत विचार : एनसीआरटी को दरकिनार कर निजी पब्लिकेशन की किताबों को संचालित कर रहे निजी स्कूलों पर प्रशासन ने कुछ सख्ती की है। शिकायतों के बाद गठित की गई कमेटी की जांच में खामियां मिलने पर एक निजी स्कूल पर एक लाख रुपये जुर्माना लगाया गया था। इसके बाद अब निजी पब्लिकेशन की बिक्री पर रोक नहीं लग सकी। अब बीसलपुर के एक स्कूल में निजी पब्लिकेशन की किताबें मिली है। जिसके बाद डीआईओएस की ओर से इस विद्यालय को भी नोटिस जारी करते हुए जवाब तलब किया गया है। लगातार हो रही कार्रवाई के बाद स्कूलों में खलबली मची है।

बता दें कि नए शैक्षिक सत्र में शासन ने निर्देश दिए थे कि स्कूलों में एनसीआरटी की किताबों को ही वरीयता दी जाएगी। मगर इसके बावजूद कई निजी स्कूलों में एनसीआरटी की किताबें न चलाकर निजी पब्लिकेशन की किताबें चलाई जा रही थी। इस पर कई शिकायतें सामने आने के बाद डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देश पर डीआईओएस राजीव कुमार सिंह की ओर से छापेमारी के लिए तहसील स्तरीय एक कमेटी गठित की गई थी। जिसके तहत सबसे पहले डीआईओएस ने स्वयं डीपीएस में छापा मारा था। जहां निजी पब्लिकेशन की किताबों के अलावा स्कूल से बिक्री होती पाई गई। इस पर डीआईओएस की ओर से प्रबंधन पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके बाद अब बीसलपुर तहसील क्षेत्र के निजी स्कूल में दो दिन पहले गठित कमेटी जांच करने के लिए पहुंची थी तो वहां निजी पब्लिकेशन की किताबें चलाने का मामला सामने आया। इस पर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर डीआईओएस ने स्कूल के प्रबंधक को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए हैं। डीआईओएस राजीव कुमार सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान टीम को स्कूल में निजी प्रकाशन की किताबें संचालित मिली थी। उसी आधार पर स्कूल प्रबंधन को नोटिस दिया गया है। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि वह अपना जवाब भेज चुके हैं।

बीडीसी ने करेली एसओ की शिकायत कर लगाए आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एडीजी से हुई शिकायत, एएसपी कार्यालय में दर्ज हुए बयान

अमृत विचार: करेली के ग्राम पंचायत सदस्य ने एडीजी बरेली से शिकायत कर थानाध्यक्ष करेली व गांव के ही कुछ लोगों की शिकायत की है। उनकी तहरीर पर कार्रवाई न करने और दूसरे पक्ष से झूठा मुकदमा दर्ज कराने व थाना परिसर में मारपीट करने का आरोप लगाया है।

ब्लॉक बिलसंडा क्षेत्र के ग्राम करेली के रहने वाले वार्ड नंबर 12 के ग्राम पंचायत सदस्य कृष्ण कुमार शर्मा ने एडीजी बरेली से शिकायत की। जिसमें बताया कि गांव के ही एक व्यक्ति ने नई परती की जमीन पर कब्जा कर मकान बनवाया था। जिसकी पूर्व में शिकायत की गई थी। न्यायालय तहसीलदार बीसलपुर द्वारा उक्त व्यक्ति को दोषी मानते हुए भूमि से बेदखल किए जाने के साळा ही जुर्माना डाला गया। इसके बाद उक्त व्यक्ति की पुनः एक शिकायत गलत तरीके से प्लाट क्रय करने के बारे में की गई। इस प्लाट में नियम विरुद्ध तरीके से दुकानें बनवाई गई। इसकी जांच में भी दोषी पाए गए। जिसकी वजह से पीड़ित से रंजिश मानते हैं। एक बार आरोपियों ने हमला किया तो पुलिस ने ही बचाकर घर तक पहुंचाया था। इसकी तहरीर देने के बाद भी करेली थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। आरोप है कि वह कोर्ट की शरण में पहुंचे तो इसकी भनक लगने पर आरोपियों ने थानाध्यक्ष करेली से साठगांठ कर उनके खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज कर शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने एएसपी के कार्यालय में पहुंचकर अपना बयान भी दर्ज करा दिया है।

ट्रेन की चपेट में आने वाले वृद्ध की हुई शिनाख्त

बरखेड़ा, अमृत विचार: एक दिन पूर्व भोपतपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आकर जान गंवाने वाले वृद्ध की दूसरे दिन शिनाख्त हुई। व्हाट्सएप पर फोटो देखने के बाद पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे परिवार वालों ने शव देख शिनाख्त की। हादसे के बाद परिवार में चीख पुकार मची रही।

हादसा बुधवार को हुआ था। रेलवे स्टेशन भोपतपुर के समीप रेलवे क्रासिंग के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक वृद्ध की मौत हो गई थी। उनकी पहचान उस वक्त नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, शव की शिनाख्त पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे उमराखान सिंह गांव के भगवान दास ने अपने पिता पूरनलाल के रूप में की। उन्होंने बताया कि वह अपने साढ़ू की पुत्री की लगन में गए हुएथे।

कॉरिडोर से जुड़े गांवों को मिलेगा 1200 क्विंटल बीज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को दी गन्ने की उन्नत खेती की सीख
- डब्ल्यूडब्ल्यूएफ ने पीटीआर के सहयोग से आयोजित किया बीज वितरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम

किसानों को निशुल्क गन्ना बीज वितरित करती डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की टीम। • अमृत विचार

अमृत विचार: लालपुर- गढ़ा कॉरिडोर की उपयोगिता बरकरार रखने के लिए पीलीभीत टाइगर रिजर्व एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की ओर से गन्ना बीज वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों को निशुल्क गन्ना बीज वितरित किया गया। वहीं कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को गन्ने की उन्नत खेती के तौर तरीकों की जानकारी दी।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के साझा प्रयासों से गढ़ा-लालपुर कॉरिडोर न केवल वन्यजीवों के लिए सुरक्षित रास्ता बन रहा है, बल्कि स्थानीय किसानों की आय बढ़ाने का जरिया भी साबित हो रहा है। इसी कड़ी में सीमावर्ती गांव लालपुर, विधिपुर और दंगड़ी में किसानों को गन्ने की खेती के प्रति जागरूक करने के लिए गुरुवार को गन्ना बीज वितरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को बीज वितरण के साथ वैज्ञानिक पद्धति से बुवाई के गुर सिखाए गए। इस दौरान डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि इस वर्ष कॉरिडोर से जुड़े गांवों के लिए 1200 क्विंटल गन्ना बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से अब तक 160 क्विंटल बीज किसानों को दिया जा चुका है। शेष बीज का वितरण आगामी पांच चरणों में पूरा किया जाएगा, ताकि हर जरूरतमंद किसान तक उन्नत किस्म का बीज पहुंच सके। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक एसएस ढाका ने कहा कि केवल बीज बोना पर्याप्त नहीं है, बल्कि खेत की तैयारी और बुवाई की विधि पैदावार में बड़ा अंतर पैदा करती है। उन्होंने बुवाई के पूर्व मिट्टी का उपचार, सही गहराई पर बीज डालना और बुवाई के बाद बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वन एवं वन्यजीव प्रभाग पूरनपुर रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी सोवरन लाल ने किसानों से पर्यावरण संरक्षण की अपील की। इस मौके पर इको विकास समिति के अध्यक्ष बनवारी लाल, सचिव रामभरत यादव, परियोजना अधिकारी कंधई लाल, फील्ड ऑफिसर राजेंद्र कुमार, राहुल कुमार, बाघ मित्र सर्वजीत और महेंद्र पाल समेत कई किसान मौजूद रहे।

जब्त सामान मांफी मांगने पर लौटाया

- दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम
- तहसील के पीछे मार्ग से ईदगाह तक चलाया अभियान

संवाददाता, बीसलपुर

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम। • अमृत विचार

अमृत विचार: एसडीएम के निर्देश पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने के लिए दूसरे दिन गुरुवार को भी टीम पहुंची। तहसील के पीछे वाले मार्ग से ईदगाह तक अभियान चलाया। नगर पालिका द्वारा कई दुकानदारों का सामान जब्त कर लिया गया। हालांकि बाद में भविष्य में अतिक्रमण न करने का लिखित आश्वासन देने पर चेतावनी देकर सामान वापस कर दिया गया।

एसडीएम नागेंद्र पांडेय के निर्देश पर नायब तहसीलदार अवधेश कुमार के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद के आरजी प्रभारी जकील अहमद टीम के साथ गुरुवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत पहुंचे।

एक दिन पूर्व चेतावनी देने के बावजूद कई दुकानदार सड़क तक सामान सजाए बैठे थे। इस पर सख्ती करते हुए तहसील के पीछे वाले मार्ग पर फुटपाथ पर लगे जूता, चप्पल कपड़े आदि की दुकान के दुकानदारों का सामान जप्त कर लिया गया। इसके पश्चात अभियान ईदगाह चौराहे तक चला। जिसके अंतर्गत कई दुकानदारों का सामान मार्ग से जब्त किया गया। फिर दुकानदारों ने गलती मानी और दोबारा अतिक्रमण न करने की बात लिखित में दी। इस पर चेतावनी देकर सामान वापस कर दिया गया। अभियान के दौरान कुछ सख्ती होने पर खलबली मची रही।

छेड़छाड़ के विरोध पर हमला, घर में घुसकर पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में किशोरी से छेड़छाड़ के विरोध पर परिजनों से मारपीट की गई। घर में घुसकर आरोपियों ने हमला किया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की। मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री के साथ मोहल्ला देशनगर निवासी सर्वेश पुत्र वीरपाल गंगवार ने छेड़छाड़ की। इस दौरान किशोरी के चचेरे भाई ने विरोध किया तो आरोपी नाराज हो गया। आरोप है कि इसके बाद सर्वेश अपने कुछ साथियों के साथ चचेरे भाई के घर में घुस आया और मारपीट करने लगा। मारपीट में युवक घायल हो गया।

निरीक्षण में नदारद मिले प्रभारी निलंबित

- पूरनपुर मंडी समिति का मामला, एआर कोऑपरेटिव ने की कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गेहूं खरीद को लेकर शासन और प्रशासन की सख्ती के बावजूद केंद्र प्रभारियों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है। ताज़ा मामला पूरनपुर मंडी का है, जहां निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी ड्यूटी से नदारद मिले। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता ने गैरहाजिर केंद्र प्रभारी को निलंबित कर दिया है।

डीएम के निर्देश पर जनपद के गेहूं क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में एडीसीओ चंद्रिका प्रसाद ने गुरुवार को शिवनगर सहकारी संघ लिमिटेड एट पूरनपुर मंडी द्वितीय क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। पूर्वान्ह करीब 11.50 बजे तक केंद्र प्रभारी अचल सिंह न तो केंद्र पर मौजूद मिल और न ही उन्होंने अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की थी। जांच में यह भी सामने आया कि केंद्र प्रभारी पिछले कई दिनों से बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित चल रहे है। उनका मोबाइल फोन भी अक्सर स्विच ऑफ रहता है।

केंद्र प्रभारी की इस लापरवाही के चलते किसानों को अपना गेहूं बेचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। गैरहाजिर केंद्र प्रभारी को निलंबित करने की संस्तुति की गई। इस पर सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता डॉ. प्रदीप कुमार ने केंद्र प्रभारी अचल सिंह को निलंबित कर दिया।

अभी भी नहीं सुधरे जिम्मेदार

पूरनपुर मंडी समिति में गेहूं खरीद के दौरान अभी हाल ही में एक बड़ा प्रकरण चर्चित रहा था। एक किसान नेता ने कई दिन बाद भी गेहूं खरीद न होने पर डीएम के सीयूजी नंबर पर कॉल की थी। कई बार कॉल करने के बाद भी डीएम के बैठक में व्यस्त होने के चलते जब बात नहीं हो सकी तो कॉल रिसीव कर रहे डीएम के पीए को ही अपशब्द कहे और डीएम से मारपीट करने की धमकी तक दे दी गई थी। हालांकि इसके बाद किसान नेता ने मांफी मांगते हुए वीडियो भी वायरल किया था। इस मामले में किसान नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी और जेल भी भेजा गया था।

शातिर गोमांस तस्कर गिरफ्तार, जेल भेजा

- गोकशी की दो घटनाओं में वांछित युवक फरार चल रहा था

संवाददाता, बीसलपुर

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

अमृत विचार: कोतवाली पुलिस ने बीते माह दो स्थानों पर हुई गोकशी की घटनाओं में फरार चल रहे शातिर गोमांस तस्कर को धर दबोचा। उसके पास से अवैध असलहा बरामद हुआ। इसकी अलग से रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

कोतवाली संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि मोहल्ला ग्यासपुर निवासी शानू उर्फ तहसीम पुत्र मोहम्मद हनीफ गोकशी के दो मुकदमों में वांछित था। उसकी कई दिन से तलाश चल रही थी। पीलीभीत मार्ग पर उसके खड़े होने की सूचना मिली। इस पर दबिश दी गई। जिसके बाद ग्राम दुकसी जाने वाले रास्ते पर पुलिस को देख आरोपी भागने लगा। उसके पीछा कर कुछ ही दूरी से पकड़ लिया। उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। चालान कर कोअर् में पेश करके आरोपी को जेल भेज दिया है। आरोपी शानू उर्फ तहसीम पर गोकशी, गैंगस्टर एक्ट आदि के कई मुकदमे हैं।

करगैना बाजार में दो पक्षों में मारपीट क्रॉस रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : करगैना बाजार में खरीदारी के दौरान शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते दो पक्षों के बीच मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने दोनों की तहरीर पर क्रॉस रिपोर्ट दर्ज की है। थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम चखा निवासी नेतराम पुत्र ओमप्रकाश ने थाना अमरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल की शाम करीब सात बजे वह करगैना बाजार में खरीदारी करने पहुंचे थे। इसी दौरान थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम सकुटिया निवासी तोताराम, उसकी पत्नी गायत्री तथा पुत्र राजू और बंटी ने उनके साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

आईडी हैक करके सात करोड़ की खरीदारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- लोन दिलाने का झांसा देकर जीएसटी आईडी व पासवर्ड किया गया हासिल
- हैंडपंप लगाने और मरम्मत का काम करने वाले व्यापारी के पास आया था फोन

अमृत विचार : लोन दिलाने के नाम पर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें जालसाज ने कारोबारी की जीएसटी आईडी और पासवर्ड हासिल कर करोड़ों रुपये का फर्जी कारोबार दिखा दिया। मामले की जानकारी तब हुई, जब विभाग से नोटिस मिला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला छोटा खुदागंज निवासी मोहम्मद नईम पुत्र सकील अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह शाहजी इंटरप्राइजेज के नाम से फर्म संचालित करते हैं और इंडिया मार्का हैंडपंप लगाने व सर्विस का कार्य करते हैं। उनके अनुसार, कुछ समय पहले उनके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई।

कॉल करने वाले ने अपना नाम अजमल उर्फ समीर राणा बताते हुए खुद को लोन दिलाने वाला बताया और आईसीआईसीआई बैंक से आसानी से ऋण दिलाने का भरोसा दिया। झांसे में आकर उन्होंने 12 जनवरी 2026 को अपनी जीएसटी आईडी, पासवर्ड और आधार कार्ड से जुड़ी जानकारी साझा कर दी। करीब दो माह बाद 13 मार्च को उन्हें जीएसटी कार्यालय से कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि उनकी जीएसटी आईडी के माध्यम से करीब सात करोड़ रुपये की खरीदारी दर्शाई गई है और संबंधित रिटर्न भी दाखिल नहीं किया गया है। ऐसा न होने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

इस जानकारी से घबराकर जब उन्होंने आरोपी से संपर्क किया तो उसने गालीगलौज करते हुए अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद पीड़ित ने जीएसटी कार्यालय जाकर जानकारी की, जहां पता चला कि उनकी फर्म के नाम पर कई लोगों और एक कंपनी द्वारा फर्जी बिलों के माध्यम से खरीदारी दर्शाई गई है। अपनी कंपनी को केन्द्र बनाकर की गई ठगी की जानकारी पर व्यापारी भी हैरान है।

पीड़ित ने पूरे मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की। कोतवाल सत्येंद्र कुमार ने बताया कि विवेचना कराई जा रही है। तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

तिलागिरी गांव में आग से पांच बीघा गेहूं जला

संवाददाता, बिलसंडा

आग में जली गेहूं की फसल।

अमृत विचार: गांव नगरिया तिलागिरी में आग लगने से किसान का पांच बीघा गेहूं जलकर राख हो गया। बमुश्किल आग पर काबू किया गया लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था।

गांव के ही महेश कुमार बाहर रहकर मजदूरी करते हैं। उनका पांच बीघा खेत है। गुरुवार को उसकी पत्नी गुड्डी देवी अपने बेटों के साथ गेहूं की कटाई कर रही थी। दोपहर को खाने के लिए सभी घर चले गए। वापस आने पर देखा कि गेहूं की फसल में आग लग गई थी। शोर शराबा सुनकर आसपास के ग्रामीण जमा हो गए। किसानों ने कृषि उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों के अनुसार दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन कॉल रिवीव नहीं हुई। फिर एसडीएम को कॉल कर सूचना दी गई। इसके बाद दमकल टीम मौके पर पहुंची। पड़ोस के ही अवतार सिंह और मेजर सिंह ने ट्रैक्टर और प्रेशर टैंक की मदद से आग पर काबू पा लिया। सूचना पर हल्का लेखपाल ने मौके पर पहुंच कर मुआयना कर नुकसान का आकलन किया।

पूरनपुर-मरौरी में 3 सफाई कर्मचारी निलंबित

संचारी रोग अभियान में फिसड्डी रहने पर कई सचिवों और एडीओ का भी जवाब तलब

- निरीक्षण में मिले थे गैरहाजिर, सफाई व्यवस्था भी मिली थी बेपटरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः संचारी रोग नियंत्रण अभियान को ठेंगा दिखाने वाले लापरवाह कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। डीपीआरओ ने पूरनपुर व मरौरी ब्लाक में गैरहाजिर मिले तीन सफाई कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। एक महिला कर्मचारी को कड़ी चेतावनी देते हुए स्पष्टीकरण तलब किया गया है। इन सभी को एडीओ पंचायत के निरीक्षण के दौरान मिली गंदगी और ड्यूटी से नदारद रहने पर कार्रवाई की गई है।

विकास भवन। ● अमृत विचार

जनपद में पहली अप्रैल से संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। गांवों में साफ-सफाई के साथ फॉगिंग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव करने के निर्देश दिए गए हैं। एडीओ पंचायत को मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई है। इधर पूरनपुर ब्लाक की ग्राम पंचायत खमरिया पट्टी में एडीओ पंचायत के निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मचारी धनवीर ड्यूटी से गायब मिले। साथ ही गांव में गंदगी का अंबार लगा पाया गया। इसी तरह ग्राम पंचायत चाट फिरोजपुर की सफाई कर्मचारी वीना देवी भी मौके से अनुपस्थित मिलीं। ग्राम पंचायत ढकिया केसरपुर में तैनात सफाई कर्मचारी रोहित कुमार के पिछले कई महीनों से बिना किसी सूचना के गायब रहने की जानकारी मिली। इस तीनों मामलों में डीपीआरओ रोहित भारती ने कड़ा रुख अपनाते हुए तीनों सफाईकर्मियों को निलंबित कर दिया। इसके अलावा मरौरी ब्लाक की ग्राम पंचायत पिपरिया अगरू में एडीओ पंचायत के निरीक्षण के दौरान सफाई कर्मचारी आशा कुमारी नदारद मिलीं। इस लापरवाही पर डीपीआरओ ने आशा कुमारी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

पंचायत सचिवों और एडीओ पर भी गिरी गाज

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की निगरानी एजेंसी द्वारा मॉनिटरिंग की जा रही है। निगरानी एजेंसी की रिपोर्ट के आधार पर बिलसंडा ब्लाक की ग्राम पंचायत भितेरा, रामपुर बसंत, ललौरीखेड़ा की मीरपुर, पूरनपुर की हरीपुर मुस्तकिल फुलहर, माधौटांडा और अमरिया ब्लाक की ग्राम पंचायत खमरिया दलेलगंज और विसेन के पंचायत सचिवों, सफाई कर्मचारियों और संबंधित एडीओ पंचायत को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

> सफाई व्यवस्था में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो कर्मचारी बिना सूचना के गायब हैं या सफाई कार्य में लापरवाही बरत रहे हैं, उन पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। तीन सफाई कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।
> **-रोहित भारती**, डीपीआरओ।

बरखेड़ा में अज्ञात वाहन की टक्कर से राहगीर की मौत

बरखेड़ा। पीलीभीत - बीसलपुर मार्ग पर पैदल जा रहे राहगीर को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार कर घायल कर दिया। राहगीर को सीएचसी ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कस्बा बरखेड़ा से बीसलपुर की तरफ गांव मोहम्मद गंज अमखिडिया के समीप बारात घर के पास गुरुवार की रात अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे व्यक्ति को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर होने के बाद चालक वाहन को लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सक ने उसकी पहले ही मौत हो जाना बताया। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि दुर्घटना में मौत हुई व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी जेब से पीलीभीत से बीसलपुर तक का रेलवे टिकट निकला है।

स्मार्ट मीटर बना मुसीबत, एडवांस बिल चुकाने के बाद भी बत्ती गुल

- कलेक्ट्रेट पहुंचकर चीख-चीखकर सुनाया दुखड़ा, बोले: कोई सुनने वाला ही नहीं
- वीडियो वायरल होने के बाद मची खलबली, डीएम की फटकार के बाद सप्लाई चालू

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं की मुसीबत बढ़ती जा रही है। एक तरफ अचानक बढ़ते बिल के साथ ही बिजली गुल हो रही है। पावर कॉरपोरेशन के अधिकारियों के द्वारा उचित सुनवाई नहीं हो पा रही। इसी से गुस्साए एक उपभोक्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और काफी देर तक उनकी कोई सुनवाई न हो सकी तो उन्होंन जोर-जोर से चीखकर अपनी पीड़ा को बयां किया।बाद में मामला संज्ञान में आते ही डीएम सख्त हुए और संबंधित जिम्मेदारों की फटकार लगाई। जिसके बाद चंद घंटे के भीतर संबंधित उपभोक्ता के घर की सप्लाई चालू हो गई।

कलेक्ट्रेट पहुंचा पीड़ित उपभोक्ता।

इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल अधिक आ रहा है। अचानक बिजली भी गुल हो जा रही है। शहर से सटे राजीव कॉलोनी बरहा के रहने वाले सर्वेश कुमार स्मार्ट मीटर को लेकर चली आ रही अपनी समस्या लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। आरोप है कि दो घंटे इंतजार करने के बाद भी उनकी जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो वह आहत होकर चीखकर पीड़ा बयां करने लगे। कहा उनका परिवार पिछले चार दिनों से अंधेरे में है। उनके घर की बिल जमा होने के बावजूद बिजली काट दी गई है। जबकि 7500 रुपये का बिल के साथ ही एडवांस में भी रकम जमा कर दी गई थी। इसके बाद आंबेडकर जयंती के दिन मेसेज से पता चला कि चार हजार बिल बकाया है। बताते हैं कि बाद में डीएम ने संज्ञान लेते हुए एडीएम एफआर को मामले की जांच के निर्देश दिए और मातहतों की फटकार भी लगाई।

करियर काउंसलिंग सत्र में दिए गए टिप्स

पीलीभीत, अमृत विचारः बेनहर पब्लिक स्कूल में कक्षा 11 कॉमर्स स्ट्रीम के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग सत्र गुरुवार को आयोजित किया गया। करियर काउंसलर सीए नेहा अरोड़ा ने करियर विकल्पों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कॉमर्स स्ट्रीम के विद्यार्थियों को उनके करियर के प्रति जागरूक करना और सही दिशा में मार्गदर्शन देना रहा। छात्रों को उनकी रुचि एवं योग्यता के अनुरूप कैरियर चयन करने की सलाह दी। उन्होंने प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी जानकारी साझा की। प्रधानाचार्या करिश्मा सैहमी ने कहा कि इस प्रकार के मार्गदर्शन सत्र विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करते हैं।

सफर के दौरान टेंपो में रखी अटैची से जेवरात चोरी

- जहानाबाद से नवाबगंज जाते वक्त हुई घटना, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : विवाह समारोह में शामिल होने जा रही महिला टेंपो यात्रा के दौरान चोरी का शिकार हो गई। शातिरों ने अटैची का ताला तोड़कर उसमें रखे जेवर और नकदी समेट लिए। विरोध करने पर चालक वाहन लेकर भाग गया।

उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर के थाना सितारगंज क्षेत्र के वार्ड नंबर पांच निवासी गुलिस्ता पत्नी बाबू रजा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 12 अप्रैल की शाम करीब सवा चार बजे बस से अपनी बहन के घर थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम मुडलिया पहुंची थीं। वहां से बहन और भांजी के साथ जहानाबाद आईं और नवाबगंज में आयोजित पारिवारिक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए टेंपो में सवार हो गईं। उन्होंने बताया कि टेंपो चालक ने उनका बैग और अटैची ऊपर रखवा दी। अटैची में सोने-चांदी के जेवरात और पांच हजार रुपये नकद रखे थे। नवाबगंज पहुंचने पर जब उन्होंने अटैची देखी तो उसका ताला टूटा मिला और अंदर रखा सामान गायब था। विरोध करने पर टेंपो चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने बताया कि टेंपो में दो संदिग्ध युवक भी सवार थे, जिनमें से एक युवक सामान रखने के बाद ऊपर जाकर बैठ गया था। उन्हें आशंका है कि उसी युवक ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मामले की शिकायत एसपी से किए जाने पर जहानाबाद पुलिस को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस संदिग्धों की पहचान कर घटना के खुलासे में जुटी है।

ब्रह्मा की उत्पत्ति की कथा सुनाई

कथा का रसपान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

गोकुल ठाकुर जी महाराज।

- शेरो वाली मठिया ब्रह्मदेव मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद भागवत कथा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः शहर के मोहल्ला शेर मोहम्मद स्थित शेरों वाली मठिया ब्रह्मदेव मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कथा का रसपान किया। इस दौरान भजन भी गाए। अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

दूसरे दिन की कथा में सृष्टि की रचना व ब्रह्मा की उत्पत्ति की कथा का वर्णन किया गया। कथाव्यास श्रीगोकुल ठाकुर जी महाराज ने कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि परमात्मा के संकल्प मात्र से पृथ्वी का जन्म हो जाता है। उनके संकल्प मात्र से जीव जंतु जन्म लेते हैं।

उनके खाने-पीने रहने का भी प्रबंध हो जाता है। भगवान विष्णु के रूप में सृष्टि को रचते हैं। प्रभु ब्रह्माजी के रूप में पालन करते हैं। भगवान शिव के रूप में निराशक्त होकर प्रलय करते हैं। भगवान सब में भी हैं और सबसे दूर भी है लेकिन किसी को दिखाई नहीं देते। अगर हमारा भाव उनको पाने का दरण संकल्प कर ले तो प्रभु अवश्य मिल जाते हैं। दूसरे दिन की कथा में मुख्य यजमान घनश्याम टहलानी रहे। इस मौके परविनोद बाला, हरिओम, जगदीश, उमेश, हरीश, राकेश, अजय, राजेश, जय सिंह, शकुंतला, निशा, पूनम, पूजा, अनिल, सुनील, हरिवंश आदि मौजूद रहे।

भारत-नेपाल का फायर फाइटिंग अभ्यास

संवाददाता, पलिया कलां

आग बुझाने का अभ्यास करता एसएसबी जवान। ● अमृत विचार

- एसएसबी, नेपाल एपीएफ और अग्निशमन दल ने किया अभ्यास
- सिखाए आग बुझाने के तरीके आपदा से निपटने की तैयारी

अमृत विचार: भारत-नेपाल सीमा पर आपदा प्रबंधन को लेकर संयुक्त तैयारी को मजबूत करने के लिए एसएसबी और नेपाल एपीएफ के बीच संयुक्त फायर फाइटिंग अभ्यास आयोजित किया गया। यह अभ्यास एसएसबी की 39वीं वाहिनी की बी समवाय बनकटी ने सीमा स्तंभ संख्या 745/2 के पास किया।

अभ्यास में भारत और नेपाल दोनों देशों के सुरक्षा बलों के अधिकारी, जवान और स्थानीय ग्रामीण भी शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन द्वितीय कमान अधिकारी माधव चंद्र घोष की मौजूदगी में संपन्न हुआ। इस दौरान सहायक कमांडेंट विवेक कुमार यादव, निरीक्षक सामान्य संदीप कुमार और उपनिरीक्षक राम सिंह चौहान सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। अग्निशमन दल पलिया की ओर से उपनिरीक्षक राहुल कुमार वर्मा, चालक रणधीर सिंह तथा फायरमैन संजीव कुमार, दीपक कुमार और अंकित कुमार ने भाग लिया। वहीं नेपाल एपीएफ की ओर से एसपी खुम बहादुर, डीएसपी मोहन जंग कार्की, निरीक्षक बिशन सिंह कार्की, निरीक्षक अजय सोनार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अभ्यास के दौरान अग्निशमन अधिकारियों ने दोनों देशों के जवानों को आग लगने की स्थिति में त्वरित कार्रवाई, आग बुझाने की तकनीक और बचाव कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया, ताकि किसी भी आपात स्थिति में नुकसान को न्यूनतम किया जा सके।

10 बजे की तस्वीर ने खोली व्यवस्था की पोल, घंटों जूझते रहे राहगीर

सड़क पर बस खड़ी कर ड्राइवर फरार, रोडवेज बस स्टैंड पर जाम

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

रोडवेज बस स्टैंड के सामने लगा जाम। ● अमृत विचार

- सौजन्या चौराहे तक सड़क पर रहता है बसों का कब्जा, जीएसटी चोरी के आरोप

अमृत विचार: शहर के रोडवेज बस स्टैंड के बाहर गुरुवार सुबह करीब 10 बजे खुलेआम गुंडई और लापरवाही का नजारा देखने को मिला। एक रोडवेज बस को बीच सड़क पर खड़ा कर ड्राइवर मौके से गायब हो गया, जिससे कुछ ही मिनटों में लंबा जाम लग गया।

बस के सड़क पर खड़े होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्कूली बच्चे, दफ्तर जाने वाले कर्मचारी और आम राहगीर घंटों जाम में फंसे रहे, लेकिन हालात संभालने के लिए मौके पर न तो ट्रैफिक पुलिस पहुंची और न ही कोई जिम्मेदार अधिकारी नजर आया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। रोडवेज बस स्टैंड से लेकर सौजन्या चौराहे तक बस संचालकों ने सड़क को ही अपना निजी अड्डा बना रखा है। मनमर्जी से बसें सड़क पर खड़ी कर दी जाती हैं और ड्राइवर-कंडक्टर गायब हो जाते हैं, जिससे रोजाना जाम की समस्या खड़ी होती है। गंभीर आरोप यह भी हैं कि बाहर से आने वाले लाखों रुपये के सामान को बस स्टैंड से पहले ही उतार लिया जाता है, जिससे जीएसटी राजस्व की चोरी की आशंका जताई जा रही है। राहगीरों का कहना है कि सड़क पर ही सामान की लोडिंग-अनलोडिंग से यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है। राजापुर चौराहे के पास हालात और भी बदतर बताए जा रहे हैं।

वहां पुलिस चौकी और ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी के बावजूद जाम की समस्या बनी रहती है। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार विभाग इस पूरे मामले को नजरअंदाज कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि इस अव्यवस्था के पीछे सेटिंग का खेल भी चल रहा है। स्थानीय लोग तंज कसते हुए कहते हैं कि यहां गांधी जी (नोट) बीच-बीच में चलते हैं, तभी तो सब कुछ देखकर भी आंखों पर चश्मा चढ़ा रहता है।

चौकी पुलिस नहीं देती ध्यान

रोडवेज बस स्टेशन पर रोडवेज पुलिस चौकी स्थापित है। कहने को यहां चौकी इंचार्ज और सिपाहियों के साथ होमगार्डों की भी तैनाती रहती है। सुरक्षा की दृष्टि से यह पुलिस चौकी काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन इस चौकी पर चौकी इंचार्ज और सिपाही यदाकदा ही रहते हैं। पूरी पुलिस चौकी दो होमगार्डों के सहारे छोड़ दी जाती है। चौकी पर तैनात होमगार्ड और चौकी पुलिस भी जाम को लेकर कोई सख्ती नहीं दिखाती। इससे चालक बेखौफ रहते हैं और मनमाने तरीके से बसों को रोड पर ही खड़ा कर देते हैं। इसका खामियाजा आम लोगों को जाम में फंसकर भुगत रहे हैं।

> सूचना मिली थी। उस पर जवानों को भेजकर जाम खुलवा दिया गया था। चालकों को सड़क पर बसों को खड़ी करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। **-सचिन गंगवार,** टीएसआई

न्यूज ब्रीफ

घरेलू विवाद में महिला से मारपीट, घर से निकाला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना ईसानगर के गांव रायपुर निवासी रेशमी पत्नी सुधीराम ने बताया कि बुधवार को उसके ससुराल पक्ष के लोगों राजपत, करन, राजकिशोर और रामदेवी ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि विवाद के दौरान उसे जान से मारने की धमकी दी गई और घर से भगा दिया गया। पीड़िता ने बताया कि मारपीट में उसे चोटें भी आई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई संतराम कोरिया को सौंपी है।

भैंस बांधने के विवाद में युवक समेत परिजनों को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव इमिलिया निवासी महेश कुमार ने बताया कि रात वह मजदूरी करके घर लौट रहा था। रास्ते में एक व्यक्ति की भैंस बंधी थी, जिसे हटाने को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर दिल्ली, राकेश, मोहिनी और राहुल समेत कई लोगों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर बचाने आए परिजनों शिवा, रामबहादुर और रूपा को भी आरोपियों ने पीट दिया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएचसी में पांच साल से हड्डी रोग विशेषज्ञ नहीं, एक्स-रे बंद

गोला सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पांच दिन से नहीं हो रहे एक्सरे, ठीक होने पर भी सप्ताह में केवल तीन दिन ही होती है एक्सरे की जांच

अमृत विचार अभियान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

सीएचसी में डॉक्टरों के कक्ष के बाहर खड़े मरीज। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नगर में स्थित 50 बेड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला में अव्यवस्थाएं लगातार हावी हैं। अधिकारियों की अनदेखी के चलते यहां मूलभूत सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि पिछले पांच वर्षों से अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ (ऑर्थोपेडिक सर्जन) की तैनाती नहीं है, जिससे हड्डी से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्हें मजबूरन निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना पड़ रहा है।

सीएचसी में एक्स-रे सुविधा भी पूरी तरह पटरी पर नहीं है। टेक्नीशियन की कमी के कारण यहां सप्ताह में केवल तीन दिन ही एक्स-रे हो पाता है, जबकि बाकी दिनों में टेक्नीशियन मोहम्मदी में तैनात रहता है। वहीं, मशीन खराब होने के कारण पिछले पांच दिनों से एक्स-रे पूरी तरह बंद है, जिससे मरीजों की दिक्कत और बढ़ गई है। अस्पताल में तमाम सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद भर्ती वार्ड अक्सर खाली रहता है। गंभीर स्थिति वाले मरीजों को डॉक्टर तत्काल जिला अस्पताल रेफर कर देते हैं। ऐसे में सीएचसी गोला अब इलाज के बजाय रेफरल सेंटर बनकर रह गया है। पंजाबी कॉलोनी रोड स्थित इस अस्पताल में जांच, दवाइयां और रेबीज इंजेक्शन की पर्याप्त व्यवस्था है, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के चलते मरीजों को अपेक्षित उपचार नहीं मिल पा रहा है। इस बाबत चिकित्साधिकारी डॉ. अजय वर्मा ने बताया कि कुत्ता, बंदर या सियार के काटने पर पर्याप्त मात्रा में रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध हैं। अस्पताल परिसर में लगा ऑक्सीजन प्लांट भी सुचारु रूप से कार्य कर रहा है और दवाइयों की कोई कमी नहीं है।

खराब है मशीन का लटका पर्चा

सीएचसी में लाखों रुपए से लगवाई गई डिजिटल एक्सरे मशीन खराब होने से पांच दिन से एक्सरे नहीं हो रहा है। जब मशीन ठीक होती है तो टेक्निशियन के अभाव में चलते सिर्फ सप्ताह में सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को ही संचालित होती है। केवल तीन दिन ही एक्सरे हो पाते हैं। बाकी दिन टेक्नीशियन प्रदीप कुमार यादव मोहम्मदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चले जाते हैं, जिससे यहां चोट, हड्डी रोग से संबंधित के लोगों को अधिक धन खर्च कर बाहर प्राइवेट पैथोलॉजी में एक्स रे कराने को मजबूर होना पड़ता है।

सीएचसी में भर्ती नहीं होते मरीज

सीएचसी में डॉक्टरों के अभाव में जो भी डॉक्टर मौजूद हैं, वह अपनी दिक्कतों को बचाने के लिये मरीज भर्ती न कर जिला अस्पताल रेफर कर देते हैं, जिससे गोला सीएचसी रेफरल सेंटर बनकर रह गई है। मरीज भर्ती वार्ड की हालत दयनीय है, किसी भी बेड पर चादर नहीं है और एक नंबर बेड पर गद्दा तक नहीं पड़ा है। खुद स्वास्थ्य कर्मियों को नहीं पता है कि बिजली फिटिंग होने के बाद गर्मी में कक्ष में रोशनी रहती है कि नहीं और पंखा चलता है कि नहीं।

महिला वार्ड का वॉटर कूलर खराब

गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में महिला वार्ड में लगा एकमात्र वाटर कूलर काफी दिनों से खराब पड़ा है, जिसकी मरम्मत अब तक नहीं हो सकी है। सीएचसी में प्रतिदिन औसतन 750 से अधिक नए पर्चे और पुराने पर्चे मिलाकर 1000 से 1200 तक ओपीडी होती हैं। ऐसे में पानी के लिये परिसर में लगे इंडिया मार्का हैंडपंप से लोगों को प्यास बुझानी पड़ती है।

एक मई से ऑनलाइन होगी ओपीडी

सीएचसी अधीक्षक डॉ. गणेश कुमार ने बताया कि एक मई से ओपीडी व्यवस्था हाईटेक हो जाएगी। मरीज द्वारा आधार कार्ड दिखाए जाने पर ही उसका ऑनलाइन पर्चा बनेगा, जिसकी प्रिंट आउट उसे दिया जाएगा। तब वह जाकर संबंधित डॉक्टर से परामर्श ले सकेगा।

खुले आसमान के नीचे धूप में डाल दी गई बेंच

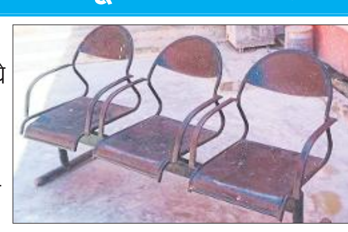

अमूमन गर्भवती महिलाओं, बुजुर्ग मरीजों की सुविधा के लिये सीएचसी में लोहे की बेंच है, जो कर्मचारियों की लापरवाही से धूप में खुले आसमान के नीचे डाल दी गई है, जिससे मजबूरन यहां आने वाले मरीज और तीमारदार परिसर में खड़े पेड़ के नीचे बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं।

आठ की जगह चार डॉक्टर

अस्पताल में सीएचसी अधीक्षक डॉ. गणेश कुमार केवल नाम के लिये हैं। वह सीएचसी में न तो कभी बैठते हैं और न ही ओपीडी में मरीज देखते हैं। जब कोई अधिकारी या जन प्रतिनिधि सीएचसी आता है तो वह अपनी उपस्थिति दर्ज कराने आते हैं। ऐसे में उन्हें नाइट ड्यूटी से भी कोई मतलब नहीं है। बचे चार डॉक्टरों में डॉ. अजय वर्मा, डॉ. अशोक बिहारी, डॉ. नितिन कुमार, महिला चिकित्सक डॉ. यामिनी बादल, संविदा चिकित्सक डॉ. आकांक्षा वर्मा, डॉ. देवराज वर्मा सीएचसी में मरीजों को देखते हैं। प्रतिदिन एक डॉक्टर की नाइट ड्यूटी के कारण दिन में तीन डॉक्टरों के जिम्मे अस्पताल का संचालन है।

सीएचसी पर एक फार्मासिस्ट को जिम्मा

सीएचसी में तीन फार्मासिस्ट होने चाहिये। यहो तैनात रहे फार्मासिस्ट मुन्नालाल के छह माह पूर्व सेवानिवृत्त हो जाने से सारा जिम्मा फार्मासिस्ट विवेक शर्मा पर आ गया है, जिन्हें दवाओं का रखरखाव और जिला असपताल से दवाएं लेने भी जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में दवओं का आवंटन समुचित ढंग से नहीं हो पाता। अस्पताल विशेषकर ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ न होने की कमी को झेल रहा है, जिसका खामियाजा दूर दराज और नगर के लोगों को झेलना पड़ रहा है।

> सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर ऑर्थोपेडिक सर्जन की नियुक्ति नहीं होती है। सभी एमबीबीएस डॉक्टर हैं। हड्डी रोग से संबंधित कोई मरीज आता है तो उसको ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर उचित परामर्श, दवाइयां देते हैं। जनपद में एक्स-रे टेक्नीशियन की कमी है, जिसके चलते तीन दिन एक्सरे होते हैं। बाकी तीन दिन वह मोहम्मदी सीएचसी जाता है। एक्सरे मशीन में तकनीकी खराबी आ गई है। **- डॉ. गणेश कुमार,** अधीक्षक सीएचसी गोला।

रेलवे क्रॉसिंग बंद होने पर भड़के किसान

संवाददाता, भीरा

धरने पर बैठे किसान यूनियन के सदस्य और मौजूद ग्रामीण।

- बोझवा क्रॉसिंग पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू
- 1 मई से रेल रोको और चक्का जाम की चेतावनी

अमृत विचार: पलिया-भीरा क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग बंद किए जाने के विरोध में भारतीय किसान मजदूर यूनियन (सिंघानिया) ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। यह धरना 15 अप्रैल से ग्रामसभा मटेहिया के बोझवा रेलवे क्रॉसिंग पर चल रहा है, जहां बड़ी संख्या में किसान जुटे हुए हैं।

संगठन के जिला अध्यक्ष अमर सिंह तोमर ने बताया कि मटेहिया, बोझवा और दौलतापुर की क्रॉसिंग बंद होने से किसानों को अपनी खेती तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खाद-बीज ले जाने और फसल की देखभाल में बाधा आ रही है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। धरने के पहले दिन ही संगठन ने एसडीएम पलिया को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। किसानों का आरोप है कि प्रशासन ने 24 जनवरी को 10 दिन में समस्या समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि 30 अप्रैल तक क्रॉसिंग को दोबारा नहीं खोला गया, तो 1 मई से उग्र आंदोलन किया जाएगा। इसके तहत रेल रोको आंदोलन और भीरा-पलिया मार्ग पर पूर्ण चक्का जाम किया जाएगा। धरना स्थल पर मंडल अध्यक्ष रमाकांत दीक्षित, प्रदेश संगठन मंत्री नंदकिशोर आर्या, तहसील अध्यक्ष साहेब लाल बौद्ध और त्रिभुवन समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष अमर सिंह तोमर ने साफ कहा कि किसानों की जमीन ही उनकी जीविका है, और यदि रास्ते बंद किए जाएंगे तो किसान रेल की पटरियों पर बैठने को मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

गर्मी के साथ बढ़ी बिजली कटौती, लोग परेशान

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: तापमान बढ़ते ही बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक लगातार हो रही कटौती से लोग बेहाल हैं।

नगरवासियों का कहना है कि सुबह आंख खुलते ही बिजली गायब मिलती है। इससे जलापूर्ति बाधित हो जाती है, जिसके चलते नहाने-धोने और अन्य दैनिक कार्यों में दिक्कतें खड़ी हो जाती हैं। करीब 8 बजे बिजली आती भी है तो कुछ देर बाद ही आंख-मिचौली शुरू हो जाती है। दोपहर तक फिर बिजली पूरी तरह नदारद हो जाती है। दोपहर के समय जब सूरज तेज तपिश के साथ लोगों को झुलसा रहा होता है, उस वक्त बिजली न होने से लोग पंखे और कूलर तक के लिए तरस जाते हैं। उधर, तहसील क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों की स्थिति और भी बदतर बनी हुई है। इस समय गन्ने की फसल की सिंचाई का दौर चल रहा है, लेकिन किसानों को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। मजबूरी में कई किसानों को डीजल इंजन का सहारा लेना पड़ रहा है।

बिना किसी पूर्व सूचना के हो रही कटौती

लोगों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व सूचना के अघोषित कटौती की जा रही है। इससे न तो लोग कोई वैकल्पिक व्यवस्था कर पा रहे हैं और न ही अपनी दिनचर्या को सही ढंग से चला पा रहे हैं। मांग की है कि कटौती की समस्या का जल्द समाधान किया जाए और कम से कम निर्धारित समय पर ही आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

न्यूज डायरी

बकाया मानदेय भुगतान को लेकर रोजगार सेवकों का प्रदर्शन

निघासन अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम रोजगार सेवकों ने लंबे समय से लंबित मानदेय और मनरेगा मजदूरों के बकाया भुगतान को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया है। रोजगार सेवकों का कहना है कि वे पिछले करीब 20 वर्षों से संविदा पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिल पा रहा है। गुस्साए ग्रामीणों ने खंड विकास कार्यालय पर प्रदर्शन किया। रोजगार सेवकों के अनुसार बीते 10 महीनों से उनका मानदेय नहीं आया है, जिससे उनके परिवारों का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। वहीं गांवों में मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों का भुगतान भी करीब पांच महीनों से लंबित है, जिससे मजदूरों में भी नाराजगी बढ़ रही है। हड़ताल के कारण गांवों में मनरेगा से जुड़े कार्य पूरी तरह ठप पड़ गए हैं। रोजगार सेवकों ने साफ कहा है कि जब तक मानदेय की नियमित व्यवस्था और मजदूरों का बकाया भुगतान नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान ग्राम रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अमर प्रकाश शुक्ला ने कहा कि बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिससे अब मजबूर होकर हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है। हड़ताल के दौरान आशीष कनौजिया, संजय गुप्ता, तिलकराम, इमरान खान, सुरजीत सिंह, आनंद कुमार, दुर्गेश कुमार मिश्रा, राजेश कुमार मौर्य, अनिल कुमार, मोहन यादव, पिंटू वर्मा, श्रीराम समेत बड़ी संख्या में रोजगार सेवक मौजूद रहे।

वैश्य समाज की बैठक में कई पदाधिकारियों का मनोनयन

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: नगर के एक गेस्ट हाउस में जिलाध्यक्ष युवा आदित्य गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को बैठक हुई। विशिष्ट अतिथि जिला उपाध्यक्ष अनूप गुप्ता ने 22 अप्रैल को जनपद मुख्यालय पर प्रस्तावित संगठन के संरक्षक कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी के कार्यक्रम वैश्य व्यापारी सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्य योजना बनाई। जिलाध्यक्ष युवा ने गोला नगर में संगठन का विस्तार करते हुए सुमित गुप्ता को नगर अध्यक्ष युवा, सुमित कुमार गुप्ता को महामंत्री, सुधीर गुप्ता को कोषाध्यक्ष, रामजी गुप्ता को संगठन मंत्री, प्रमोद गुप्ता को मीडिया प्रभारी, अखिलेश जायसवाल, शिवम गुप्ता और संतोष गुप्ता को उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया।

कॉरपोरेट परस्त नीतियां मजदूरों को बना रहीं गुलाम

लखीमपुर खीरी अमृत विचार: समाजवादी मजदूर सभा/लोक मजदूर सभा ने सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें कॉरपोरेट परस्त करार दिया है। संगठन का आरोप है कि इन नीतियों के जरिए मजदूरों को आर्थिक रूप से कमजोर और निर्भर बनाने की कोशिश की जा रही है। गुरुवार को प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सहायक श्रम आयुक्त के माध्यम से सौंपा। यह ज्ञापन नोएडा में 13 व 14 अप्रैल को हुई घटनाओं को लेकर दिया गया है। ज्ञापन में संगठन ने अकुशल मजदूरों के लिए न्यूनतम 20,000 मासिक वेतन सुनिश्चित करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई। साथ ही मजदूरों, कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए उनकी तत्काल रिहाई की मांग की गई। संगठन ने कहा कि आंदोलन के दौरान दर्ज किए गए मुकदमे फर्जी हैं, जिन्हें तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। इसके अलावा 13 और 14 अप्रैल की घटनाओं की न्यायिक जांच कराकर दोषी अधिकारियों और प्रबंधकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की गई। मजदूरों को हड़ताल करने और यूनियन बनाने का संवैधानिक अधिकार है, जिसकी रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। पुलिसिया उत्पीड़न पर रोक लगाने की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन में मनरेगा कर्मियों के बकाया भुगतान को तुरंत जारी करने और उनकी लंबित मांगों पर गंभीरता से विचार करने की बात भी कही गई। इस दौरान सरदार हरजीत सिंह, यदुवेंद्र वर्मा 'पम्मू', रियाजुल्ला खान, अनुपम वर्मा, भूपेंद्र सिंह 'अन्नू', सुधीर यादव, अनीता, गीता देवी, माधुरी, सूफिया, साबिर अली, सचिन, अशफाक अंसारी, जितेंद्र, श्रीराम, नीरज रस्तोगी, शीबू अंसारी और फुरकान समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मौसम का हाल | लगातार बढ़ता तापमान बना मुसीबत, गर्म हवाओं के थपेड़ों से घरों में कैद हो रहे लोग

तेज धूप ने बढ़ाई परेशानी, दोपहर में बाजार व सड़कें सूनी

संवाददाता, मूड़ा सवारान

दोपहर में सूनी पड़ी सड़क। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गर्मी ने अब अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। प्रत्येक दिन सूरज की तपिश बढ़ती जा रही है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित होने लगा है। सुबह से ही तेज धूप लोगों को परेशान करने लगती है। वहीं दोपहर होते होते हालात ऐसे हो जाते हैं कि बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है। लगातार बढ़ते तापमान ने लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है। गर्म हवा के झुलसाने वाले थपेड़े लोगों को घरों में रहने को मजबूर कर रहे हैं। खास कर दोपहर के समय बाहर निकलना लोगों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। जरूरतमंद लोग ही कम से बाहर निकल रहे हैं, जबकि अधिकतर लोग धूप से बचने के लिए घरों में ही रहना बेहतर समझ रहे हैं।

बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। आमतौर पर यह तापमान जून में होता है, लेकिन इस बार अप्रैल के मध्य में ही मौसम का पारा हाई हो गया है। इस बार पिछले वर्षों की अपेक्षा गर्मी देर से शुरू हुई है। लेकिन तापमान में आई तेजी से लोग बीमार पड़ रहे हैं। गर्मी के साथ मच्छरों की भरमार से लोग मलेरिया, वायरल बुखार, डायरिया और पेट की बीमारियों से जूझ रहे हैं। सुबह से ही गर्मी का प्रकोप बढ़ जाने से दोपहर होते होते मौसम इतना गर्म हो जाता है कि बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है। लोग धूप से बचाव के लिए सिर और चेहरा ढक कर बाहर निकल रहे हैं। धूप से बचाव के लिए कोई चश्मा तो कोई टोपी तो कोई छाते का प्रयोग कर रहा है। महिलाएं स्कार्फ से पूरा चेहरा तक कर बाहर निकल रही हैं। कड़ी धूप और भीषण गर्मी लोगों को झुलसा रही है।

तापमान बढ़ने के साथ बढ़ा हीट स्ट्रोक का खतरा

डॉ. सुभाश वर्मा।

बिजुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. सुभाष वर्मा ने बताया कि दोपहर के समय लंबे समय तक धूप में रहने से हीट स्ट्रोक का खतरा रहता है। इसमें शरीर में पानी और नमक की मात्रा कम हो जाती है और पसीना आना बंद हो जाता है। गर्म हवा लू लगने से हीट स्ट्रोक का खतरा रहता है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में बाहर न निकलें अगर निकालना मजबूरी हो तो धूप से बचाव के इंतजाम के साथ निकलें। मौसमी फलों के साथ घर के बने तरल पदार्थों का ही सेवन करें।

हीट स्ट्रोक के लक्षण: त्वचा गर्म, लाल व सूखी होना, बेचैनी और घबराहट होना, चक्कर आना, सिर घूमना और उल्टी होना, धड़कन तेज एवं सांस लेने में परेशानी होना।

ऐसे करें बचाव: घर से बाहर निकलते समय अधिकांश पानी पिएं, नारियल पानी, नींबू, दही, लस्सी, सत्तू का सेवन करें। मौसमी फल तरबूज, ककड़ी, खीरा आदि का सेवन करें, जरूरी होने पर ही दोपहर में सिर ढककर घर के बाहर निकलें, अधिकतर काम सुबह व शाम को निपटाएं, भोजन हल्का करें, कोल्ड ड्रिंक का सेवन न करें, बाजार के कटे फलों से बचें।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)

स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ

30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त

ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★पतले-दुबले ★गाल पिचके ★कमजोर स्त्री-पुरुष ★मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडोल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
19 अप्रैल 2026, रविवार
3 मई 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

मुझको प्यारी सभी जुबान...उर्दू मेरा जिस्म, हिन्दी मेरी जान

गोला में चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर कुल हिन्द मुशायरा में शायरों ने बांधा समां, देर रात तक गजलों का आनंद लेते रहे श्रोता

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: ऐतिहासिक चैती मेला के 19 वें दिन सांस्कृतिक मंच पर कुल हिन्द मुशायरा में शायरों ने समां बांध दिया। श्रोता देर रात तक गजलों का आनंद लेते रहे।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत के पूर्व सदस्य राजा जफरउल्ला खां, कार्यक्रम अध्यक्ष गोला पब्लिक इंटर कॉलेज प्रबंधक बीए खान, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सलीम, रकीम खां, अयूब खां, मौलाना आजाद काशमी, डॉ. समर्पित मिश्रा, ज्योतिषाचार्य अनुज सिंह कछवाहा, समाजसेवी विजय राठी, रोटरी क्लब के कर्म सिंह के साथ पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कुल हिन्द मुशायरा का शमां रोशन कर आगाज किया। उन्होंने अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर पुष्प मालाओं से स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि चेयरमैन रिंकू जी सभी धर्मा का सम्मान करते है। वह कांवरियों पर पुष्प वर्षा करते है तो बारावफात, नगर कीर्तन में भी पुष्प वर्षा करते है। कार्यक्रम अध्यक्ष बीए खान ने कहा कि पालिकाध्यक्ष की कार्यशैली बहुत अच्छी है। वह काम को कल के लिए नही छोड़ते।

गोला में चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर शमां रोशन करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि उन्होंने चैती मेला के मंच पर सभी वरिष्ठजनों को आमंत्रित किया। मुशायरा संयोजक मधुकर शैदाई के मार्गदर्शन में सलमान घोसवी ने फरमाया जां से बढ़कर भी चाहा जिसे हॉ वही बेबफा हो गया, क्यों भला गमजदा मैं रहूं, जो मुकद्दर में था हो गया। जहाज देवबन्दी ने सिर में गंजा पर तंज कसा एक गंजे ने कहा ये डॉक्टर से एक दिन, मेरे गंजेपन में मेरा हाल ऐसा हो लिया, हर सुबह ये है मुसीबत क्या बताऊं डॉक्टर ये पता चलता नहीं कि मुंह कहां तक धो लिया। मुजफ्फर नगर के खुर्शीद हैदर ने कहा गैर परों पर उड सकते हो हद से हद दीवारों तक, अम्बर पर तो वही उड़ेंगे जिनके अपने पर होंगे। कोटा राजस्थान के कुंवर जावेद ने वह लोग साहिबे कुरआन हो नहीं सकते, किसी भी धर्म की पहचान हो नहीं सकते, जो उग्रवाद को यारों जिहाद कहते हैं, वह और कुछ हैं मुसलमान हो नहीं सकते। सबा बलरामपुरी ने तेरे नाज उठाऊं कैसे मुझे तर्जुबा नहीं है, मेरा इश्क है पहला कोई दूसरा नहीं है। हिलाल बदायूंनी ने संचालन कर मुकद्दर में हमारे कब है बिस्तर, सफर में नींद पूरी कर रहे हैं से गजल फरमाते हुए देर रात तक दर्शकों को रोके रखा। नगर के शायर मधुकर शैदाई ने पढ़ा मुझको प्यारी सभी जुबान ऊर्दू मेरा जिस्म है, हिन्दी मेरी जान। सभासद धर्मेंद्र तिवारी टीटू, हरिओम वर्मा, सुशील कुमार, डॉ. वेदप्रकाश अग्निहोत्री सहित पालिका के अधिकारी, कर्मचारी और श्रोता मौजूद रहे।

पिता की लाडली आंखों में उनकी शान रखती है

अलीशा मेराज सीतापुर ने पिता की लाडली आंखों में उनकी शान रखती है, पिता को फख्र है उड़ना सिखाया वक्त पर उसको। अलीगढ़ की मुमताज नसीम ने कई साल बाद मिले हो तुम कहां सो गये थे जबाब दो, मेरे आंसूओं को न पोछो तुम मेरे आंसुओं का हिसाब दो। रुड़की के सज्जा झंझट ने जैसे मां के बाद मां जैसी मॉसी होती है, बड़ी मथुरा के बाद खीरी छोटी काशी होती है। मंजर भोपाली ने बेटियों के लिए हाथ उठाओ मंजर, सिर्फ़ अल्लाह से बेटा नहीं मांगा करते, बहुत खराब है माहौल इस जमाने का, निकलना घर से तो मां बाप की दुआ लेकर।

हिलाल बदायूंनी।

खुर्शीद हैदर।

जहाज देवबंदी।

सबा बलरामपुरी।

मुमताज नसीम।

अलीशा खान।

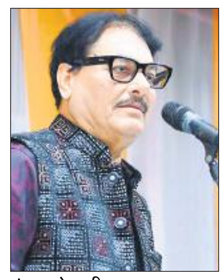

मंजर भोपाली।

सज्जाद झंझट।

कुंवर जावेद।

सलमान घोसवी।

नारी शक्ति वंदन के समर्थन में निकाली स्कूटी रैली

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : नारी शक्ति वंदन अधिनियम अभियान के तहत भाजपा की ओर से नगर में महिलाओं की स्कूटी व बाइक रैली निकाली गई। साथ ही हस्ताक्ष र अभियान भी चलाया गया।

रैली को जिला अध्यक्ष अरविंद गुप्ता और अभियान की जिला संयोजक व जिला उपाध्यक्ष आशू मिश्रा ने विलोबी मैदान से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्रीराम चौराहा और संकटा देवी मार्ग से गुजरकर पुनः विलोबी मैदान में आकर समाप्त हुई। इस दौरान जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए संसद में प्रस्तुत महिला आरक्षण बिल एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश की आधी आबादी को संसद और विधानसभाओं में प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे वे अपने अधिकारों का बेहतर उपयोग कर देश के विकास में योगदान दे सकेंगी।

बाइक रैली में शामिल होने से पहले पोस्टर के साथ महिलाएं। ● अमृत विचार

● हस्ताक्षर अभियान भी चलाया अतिथियों ने रखे विचार

अभियान के जिला संयोजक आशू मिश्रा ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। कार्यक्रम संयोजक जिला मंत्री शरद मिश्रा ने भी अभियान की सराहना की। महिला आयोग सदस्य सुजीता कुमारी, जिला उपाध्यक्ष किरण अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। रैली में संगीता पुरी, संतोष कुमारी, रश्मि गुप्ता, अनीता निगम, मंजूलता श्रीवास्तव, कुलभूषण सिंह, उमेश शुक्ला, रमेश चंद्र मिश्रा, जितेंद्र साहनी व पालिकाध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव आदि शामिल रहीं।

माताओं का सम्मान

निघासन, अमृत विचार : ब्लॉक संसाधन केंद्र रमियाबेहड़ में नारी शक्ति बंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाली माताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के तहत उन माताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिनके बच्चों की विद्यालय में उपस्थिति 75 प्रतिशत या उससे अधिक रही। खंड शिक्षा अधिकारी फूलचंद एवं ब्लॉक नोडल बालिका शिक्षा ओम प्रकाश ने माताओं को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही उन्हें दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी प्रदान की गईं। कार्यक्रम में कुल 180 माताओं को सम्मानित किया गया, जिससे शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस दौरान शिक्षक, अभिभावक और बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दो कृतियों का विमोचन

गोला के चैती मेला मंच पर बाल पुस्तकों का विमोचन करते अतिथि और अधिकारी।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : चैती मेला मंच पर नगर के साहित्यकार डॉ. वेदप्रकाश अग्निहोत्री की पुस्तक कविताएं बन गईं पहेली तथा नन्हे मुन्ने गीत हमारे बाल पुस्तक का लोकार्पण किया गया।

पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू, उप जिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी, मधुसूदन गुप्त, प्रसिद्ध साहित्यकार विनीत चौहान, स्वयं श्रीवास्तव, नीलोत्पल मृणाल, सुफलता त्रिपाठी, हेमन्त पांडे, शिवकिशोर तिवारी खंजन ने लोकार्पण किया। बाल साहित्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए देश भर से डॉ. वेद को अभी तक अनेक सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। अभी हाल में ही उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रत्येक ग्राम सभा पर ग्रामीण सचिवालय में खुलने वाले पुस्तकालयों हेतु उनकी सात पुस्तकों को सरकारी खरीद में लिया है। डॉ.अग्निहोत्री बाल साहित्य में अपने अभिनव प्रयोग के लिए जाने जाते हैं।

श्रीकुल आश्रम में केक कटेगा निकलेगी भव्य शोभायात्रा

संवाददाता, पलिया कलां।

अमृत विचार : नगर में भगवान परशुराम जयंती को लेकर प्रमुख धार्मिक स्थल श्रीकुल सेवा संस्थान में आगामी अक्षय तृतीया के अवसर पर जयंती समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं।

संस्थान परिसर में स्थित देवी मंदिर सहित पूरे आश्रम और आसपास की सड़कों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। नगर में पर्चे-पंपलेट बांटकर और होर्डिंग्स लगाकर कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है। सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार में शामिल होने वाले बटुकों के लिए सूप, थाली, पूजन सामग्री, वस्त्र, मूंजी और मेखला आदि की व्यवस्था कर ली गई है। वहीं शोभायात्रा को भव्य बनाने के लिए भगवान परशुराम सहित अन्य देवी-देवताओं की झांकियों के लिए रथ, बग्घियां और बैंड-बाजों की बुकिंग भी कर दी गई है। मिठाइयों के निर्माण का कार्य भी शुरू हो चुका है। कुल उपासक गोविंद माधव मिश्र ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत शुक्रवार को श्रीरामचरितमानस के अखंड पाठ से होगी। दूसरे दिन पाठ के समापन पर आरती और प्रसाद वितरण, रविवार शाम को भगवान परशुराम का पूजन-अर्चन कर केक काटकर जयंती मनाई जाएगी। सोमवार को सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार व एक कोसीय परिक्रमा के साथ गाजे-बाजे के बीच शोभायात्रा निकाली जाएगी। दिनभर भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा

● सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार होगा

जागरूकता रैली निकाली, नामांकन बढ़ाने पर जोर

रैली को हरी झंडी दिखाते बीईओ बृजराज सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख। ● अमृत विचार

संवाददाता, फूलबहेड़

अमृत विचार : विकासखंड फूलबेहड़ में स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली गई। बीईओ बृजराज सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख विश्वनाथ सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

रैली में शामिल शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सब पढ़ें, सब बढ़ें, "हर बच्चा स्कूल जाए और शिक्षा है अधिकार, नहीं रहे कोई लाचार जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। रैली नगर एवं आसपास के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी और आमजन से संवाद कर अभिभावकों को बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। रैली के दौरान जगह-जगह लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया और अभियान के प्रति समर्थन जताया। कार्यक्रम के अंत में अपील की गई कि समाज के सभी वर्ग मिलकर यह सुनिश्चित करें कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और सभी बच्चे नियमित रूप से विद्यालय पहुंचें। इस मौके पर एआरपी जितेंद्र कुमार गोस्वामी, संजीव रस्तोगी, अंशुल गुप्ता सहित राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, प्राथमिक शिक्षक संघ, उच्च प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी, समस्त प्रधानाध्यापक एवं बीआरसी स्टाफ मौजूद रहे।

रैली के साथ एस्ट्रोनॉमी लैब का उद्घाटन

निघासन अमृत विचार : पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय दुलही में स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोगों के प्रति जागरूकता को लेकर ब्लॉक स्तरीय रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों व अभिभावक शामिल हुए। मुख्य अतिथि विधायक विनोद शंकर अवस्थी और विशेष अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद लोधी ने विद्यालय में स्थापित एस्ट्रोनॉमी लैब का विधिवत उद्घाटन भी किया गया। अतिथियों ने कहा कि यह लैब बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रैली का संयोजन खंड शिक्षा अधिकारी फूलचंद ने किया। खंड विकास अधिकारी श्रद्धा गुप्ता के साथ ही शिक्षक संघ के पदाधिकारी एवं विद्यालय के शिक्षक भी शामिल हुए। विद्यालय के निपुण छात्रों को परीक्षा परिणाम वितरित किए गए और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं व उनके अभिभावकों को अंग वस्त्र एवं उपयोगी सामग्री देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक तारकेश्वर राय ने किया, जबकि अंत में प्रभारी प्रधानाध्यापक ओमप्रकाश ने सभी का आभार व्यक्त किया।

न्यूज डायरी

चिल्ड्रेन्स एकेडमी में टॉपरों का सम्मान

गोला गोकर्णनाथ अमृत विचार : सीबीएसई बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में चिल्ड्रेंस एकेडमी के विद्यार्थियों ने उत्तम परीक्षा परिणाम के साथ शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होने पर प्रबंधन ने मेधावियों को सम्मानित किया है। विद्यालय के मेधावी छात्र अविरल पटेल ने 96 .6 ः अंक प्राप्त कर तहसील टॉप किया है। सूर्यांश सक्सेना, गौरव सिंह, तेजस बाजपेई, अफजाल अंसारी, मान्या गुप्ता, अविका अग्रवाल, हिमांशु वर्मा, अनुराग वर्मा और आयुष प्रताप सिंह ने टॉप टेन में स्थान बनाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रबंधक सतीश गुप्ता, सविता गुप्ता एवं डायरेक्टर अनुभव गुप्ता ने सभी मेधावी छात्र छात्राओं को मिठाई खिलाकर, माला पहनाकर सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रबंधक सतीश गुप्ता ने बताया कि चिल्ड्रेंस एकेडमी का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। डायरेक्टर अनुभव गुप्ता ने भी सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी।

दिव्यांग बच्चों का रिसोर्स सेंटर शुरू

पसगवां अमृत विचार : प्राथमिक विद्यालय बरखेरिया जाट में समग्र शिक्षा अभियान समेकित शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों के लिए रिसोर्स सेंटर का आरंभ बुधवार को खंड विकास अधिकारी मोहित कौशिक व खंड शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार भारती ने फीता काटकर किया। जिला समन्वयक समेकित शिक्षा माला श्रीवास्तव ने बताया कि रिसोर्स सेंटर में दिव्यांग बच्चों के शिक्षक प्रशिक्षण, इसमें श्रवण बाधित बच्चों को सांकेतिक भाषा, वाणी बाधित बच्चों को वाणी प्रशिक्षण, आईडी बच्चों का प्रशिक्षण, फिजियोथैरेपी आदि सेवाएं प्रदान की जाएंगीं। इस अवसर पर विशेष शिक्षक सुनील कुमार, मनोज कुमार प्रथम , मनोज कुमार द्वितीय , सत्येंद्र बहादुर सिंह, हरेंद्र वर्मा, संजीदा परवीन, प्रेमलता, भूपेंद्र सिंह, प्रधान प्रतिनिधि सुरेश गुप्ता, दिव्यांग बच्चे सपना, लकी आदि और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

सत्संग में शाकाहार और सदाचार का दिया संदेश

मैगलगंज , अमृत विचार : फत्तेपुर क्षेत्र के ग्राम रावन खुर्द स्थित नेवला ताल पर जयगुरुदेव संगत का मासिक सत्संग आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। दक्षिण खंड के अध्यक्ष श्रीकृष्ण यादव ने कहा कि बाबा जयगुरुदेव जी महाराज ने अपने लंबे जीवनकाल में शाकाहार का व्यापक प्रचार-प्रसार किया और लोगों को संयमित व सादगीपूर्ण जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन में इन शिक्षाओं को अपनाएं और समाज को बेहतर बनाने में योगदान दें। हर व्यक्ति को दूसरों के परिवार का भी सम्मान के साथ ख्याल रखना चाहिए। इस दौरान जयगुरुदेव आश्रम मथुरा में 16 से 21 मई तक आयोजित होने वाली बाबा जयगुरुदेव जी महाराज की चौदहवीं पुण्यतिथि के अवसर पर होने वाले वार्षिक भंडारे की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई।

नि:शुल्क पुस्तकों का वितरण

पसगवां, अमृत विचार : केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज जंगबहादुरगंज में जूनियर कक्षा के बच्चों को निशुल्क पुस्तकें वितरित की गईं। इस बार सत्र की शुरुआत में ही किताबें मिलने से बच्चे खुश दिखाई पड़े। अभिभावकों ने भी संतोष व्यक्त किया है। प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र ने कक्षा छह से आठ तक के छात्र छात्राओं को नि :शुल्क पुस्तकों का वितरण किया ।

प्रार्थना सभा में लगा योग शिविर, विद्यार्थियों ने सीखे आसन व प्राणायाम

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सिटी मॉन्टेसरी इंटर कॉलेज में प्रार्थना सभा के दौरान योग शिविर का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक प्रिन्स के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन के साथ कपालभाति और अनुलोम-विलोम जैसे प्राणायाम कराए गए। प्रशिक्षक ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है, मन एकाग्र होता है और जीवन में संतुलन बना रहता है।

सर्वे भवन्तु सुखिना, सर्वे भवन्तु निरामया के आधार पर कार्य कर रही संस्था

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : ऐतिहासिक चैती मेला के समापन के दिन ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय सेवा संस्थान के लोगों ने समाज में उत्कृष्ट कार्य और सेवा के लिये लोगों को सम्मानित किया। चैती मेला में लगाये गये कैंप के समापन पर बीके सुनीता ने कहा कि उनके संस्थान ने धरती पर सभी लोगो तक ईश्वर के प्रति सम्मान, सेवा भाव की भावना को जगाया है। यह संस्था सर्वे भवन्तु सुखिना, सर्वे भवन्तु निरामया के अधार पर पूरे देश मे कार्य कर रही है, जिससे समाज, देश आदि की नि :शुल्क सेवा करने के लिए प्रतिदिन लोग इस सेवा संस्थान से जुड़कर लाभ ले रहे हैं। बीके प्रीति, पूर्णिमा, जूली, कृष्णा, लालाराम, पवन, पवनेश, सुधांशु आदि ईश्वरीय कार्यक्रम में मौजूद रहे।

डर के साये में मोतीपुर...रात में बूट, दिन में सूनी गलियां

बवाल के बाद पूरी रात गूंज रही पुलिस की धमक, दिन में लौटती हलचल के बीच अब भी सहमे ग्रामीण

संवाददाता, बांकेगंज

गांव में तैनात पुलिस बल। ● अमृत विचार

सूनी पड़ी गांव की मुख्य सड़क। ● अमृत विचार

अमृत विचारः गांव मोतीपुर में दो दिन पहले हुए भारी बवाल के बाद हालात भले ही धीरे-धीरे सामान्य होने की ओर बढ़ रहे हों, लेकिन डर का साया अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। रात होते ही गांव में पुलिस के जवानों के बूटों की गूंज सुनाई देती है, जिससे ग्रामीणों में दहशत बनी है। वहीं दिन के समय हल्की-फुल्की चहल-पहल जरूर नजर आती है, लेकिन गलियों में अब भी सन्नाटा साफ महसूस किया जा सकता है।

घटना के बाद से गांव में भारी पुलिस बल तैनात है। पूरी रात जवान गश्त करते रहते हैं और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। पुलिस की आवाजाही बनी हुई है, जिससे लोग खुद को सुरक्षित तो महसूस कर रहे हैं, लेकिन उनमें पुलिस का खौफ भी साफ नजर आ रहा है। जैसे ही अंधेरा घिरता है, गांव की गलियों में पुलिस के जवानों के बूटों की आवाज गूंजने लगती है। लगातार गश्त, संदिग्धों की तलाश और सख्ती के चलते ग्रामीण घरों में सिमट जाते हैं। कई परिवार तो रात में लाइट तक बंद कर चुपचाप अंदर रहने को मजबूर हैं। दिन निकलने के साथ ही गांव में हल्की चहल-पहल जरूर दिखती है। कुछ लोग खेतों की ओर जाते नजर आते हैं, दुकानें आंशिक रूप से खुलती हैं और बच्चे भी बाहर झांकते दिखाई देते हैं, लेकिन हर चेहरे पर डर साफ झलकता है। लोग खुलकर बातचीत करने से भी कतराते हैं। घटना के बाद से गांव के कई घरों पर गुरुवार को भी ताले लटके हुए हैं। जिन परिवारों को खतरा महसूस हुआ, वे रिश्तेदारों के यहां या सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। सूनी पड़ी गलियां और बंद दरवाजे इस बात की गवाही दे रहे हैं कि हालात अभी पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं। खासकर महिलाएं और बुजुर्ग अब भी

गोला में तहसीलदार को ज्ञापन देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

डरे हुए हैं और रात होते ही घरों से बाहर निकलना बंद कर देते हैं। पुलिस प्रशासन ने गांव को लगभग छावनी में तब्दील कर रखा है। हर आने-जाने वाले पर नजर रखी जा रही है। गांव के प्रमुख रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस लगातार खेत-खलिहानों, बाग-बगीचों और खाली पड़े मकानों में छापेमारी कर रही हैं। आशंका है कि कुछ उपद्रवी अभी भी आसपास छिपे हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार कई संदिग्धों की पहचान की जा चुकी है और उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश तेज कर दी गई है। पुलिस मोबाइल सर्विलांस और स्थानीय मुखबिर तंत्र की मदद भी ले रही है। प्रशासन का दावा है कि किसी भी हाल में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि बवाल के बाद से उनका सामान्य जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। खेती-बाड़ी का काम भी प्रभावित हो रहा है, क्योंकि लोग खेतों में जाने से पहले कई बार सोचते हैं। बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ा है, क्योंकि अभिभावक उन्हें अकेले बाहर भेजने से डर रहे हैं। फिलहाल गांव में शांति तो है, लेकिन यह शांति डर के साये में है।

माहौल पर नजर

लापरवाही पर गिरेगी गाज अफसरों पर कार्रवाई के संकेत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : बवाल ने प्रशासनिक और पुलिस महकमे की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद शासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत रिपोर्ट तलब की थी, जिसमें सामने आई खामियों ने अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सूत्रों के मुताबिक शुरुआती जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि हालात बिगड़ने के संकेत पहले से मौजूद थे, लेकिन स्थानीय स्तर पर उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। संवेदनशील माहौल के बावजूद न तो पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई और न ही एहतियाती कदम उठाए गए। नतीजतन, मामूली विवाद ने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया और स्थिति बेकाबू हो गई। खुफिया तंत्र की विफलता भी इस पूरे घटनाक्रम में एक बड़ा कारण मानी जा रही है। समय रहते सही जानकारी और अलर्ट न मिल पाने से प्रशासन हालात का सही आकलन नहीं कर सका। वहीं, मौके पर मौजूद पुलिस बल की संख्या और तैयारी भी सवालों के घेरे में है। बताया जा रहा है कि शासन स्तर पर इस पूरे प्रकरण को गंभीर लापरवाही की श्रेणी में रखते हुए जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। स्थानीय थाने से जुड़े अधिकारियों के साथ-साथ सर्किल और जिला स्तर के अधिकारियों की भूमिका की भी बारीकी से जांच की जा रही है। यही वजह है कि अब कार्रवाई का दायरा सिर्फ निचले स्तर तक सीमित न रहकर उच्च अधिकारियों तक भी पहुंच सकता है। प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो कुछ अधिकारियों के खिलाफ निलंबन, लाइन हाजिरी या विभागीय जांच जैसी कार्रवाई हो सकती है। घटना के बाद से पूरे जिले में पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में है। संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। वहीं, मोतीपुर गांव में भी शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिरकार समय रहते सतर्कता क्यों नहीं बरती गई। अब सबकी नजर शासन की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

गांव के एक घर में लगे ताले।

मोतीपुर जाने से रोके गए किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, पुलिस से नोकझोंक

बांकेगंज, अमृत विचार : मोतीपुर गांव में हुए बवाल के बाद हालात का जायजा लेने जा रहे किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृज मौर्य को पुलिस ने बीच रास्ते में ही रोक दिया। उनके साथ उपाध्यक्ष रामचंद्र सिंह समेत कई कार्यकर्ता भी मौजूद थे। यह घटना बांकेगंज-गोला मार्ग पर संसारपुर तिराहे के पास लगे ज़िग-जैग बैरियर पर हुई। मौके पर मौजूद धौरहरा क्षेत्राधिकारी एसबी सिंह, मैलानी थाना प्रभारी बृजेश मौर्य और अन्य पुलिसकर्मियों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस से तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें गांव जाने से रोका नहीं जा सकता। आरोप लगाया कि ग्रामीणों के साथ अन्याय हुआ है और प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया, जो गंभीर मामला है। कहा कि वे गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनना चाहते हैं। वहीं बैरियर पर ही पुलिस ने उन्हें बैठाकर समझाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने पुलिस और खुफिया तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि समय रहते विवाद की जानकारी न होना पुलिस और एलआईयू की बड़ी नाकामी है।

बवाल में 13 और आरोपी गिरफ्तार, अब तक 32 गिरफ्तारी

बांकेगंज, अमृत विचार : आंबेडकर जयंती के दौरान बांकेगंज में हुए बवाल के मामले में थाना मैलानी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले भी 19 आरोपियों को पकड़ा जा चुका है, जिसके बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है। एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने बताया कि एएसपी पश्चिमी अमित कुमार राय और सीओ गोला रमेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में लगी टीमों ने छापेमारी कर एक नामजद समेत कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपियों में थाना मैलानी के गांव गिरधरपुर निवासी नामजद आरोपी खूबचन्द, प्रकाश में आए अवनीश, आकाश, कोठीपुर निवासी इन्द्रेश सिंह, विजय कुमार, मुकेश उर्फ रुपेश, अनिकेत, पप्पू उर्फ रुपनरायण, रमतलिया निवासी दीपक, बंजरिया निवासी राजेश, अमीननगर (बांकेगंज) निवासी रामभरोसे, रमतलिया निवासी इन्द्रपाल और एवीपुर निवासी पंकज कुमार शामिल हैं। पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों का चालान भेजा है।

निर्दोषों पर कार्रवाई और उत्पीड़न का विरोध शुरू

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : मिशन सामाजिक परिवर्तन एक नई दिशा के पदाधिकारियों द्वारा ग्राम मोतीपुर बांकेगंज में 14 अप्रैल को आंबेडकर जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान उत्पन्न विवाद पर हो रहे निर्दोषों का उत्पीड़न रोकने के लिए मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा है। तहसीलदार भीमचंद को सौंपे ज्ञापन में पदाधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र के गांव मैकूपुर निवासी चंदा देवी और चौकी इंचार्ज बांकेगंज द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा हटाने को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ, जो बाद में गंभीर रूप ले गया। अब पुलिस प्रशासन बिना समुचित जांच के निर्दोष के विरुद्ध कार्यवाही कर रही है। दूर दराज के गांवों के छात्रों पर भी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं तथा महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार और प्रताड़ना की शिकायतें सामने आ रही हैं। प्रकरण की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराई जाए। महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार की प्रताड़ना पर तत्काल रोक लगाई जाए। ज्ञापन देते समय संगठन के अध्यक्ष रमाकान्त चौधरी एडवोकेट, सचिव विवेक कुमार गौतम एडवोकेट, सरजीत कुमार एडवोकेट, मनोज कुमार एडवोकेट, विक्रम सिंह एडवोकेट, अनुज कुमार एडवोकेट, सूरज प्रसाद एडवोकेट, राजेश कुमार गौतम, सचिन चौधरी, सुभाषचंद्र प्रजापति आदि मौजूद रहे।

मोतीपुर बवालः क्या ग्रामीण बन गए राजनीति के शिकार?

● **महिलाओं का दावा, बाहर के लोगों से भड़का विवाद, कार्रवाई के बाद गांव में दहशत**

संवाददाता, बांकेगंज

बांकेगंज कुकरा मार्ग पर अवरोधक के रूप में रखे ड्रम। ● अमृत विचार

अमृत विचारः अंबेडकर जयंती के दौरान हुए मोतीपुर बवाल के बाद अब गांव में एक नई चर्चा जोर पकड़ रही है कि क्या ग्रामीण राजनीति का शिकार हो गए? गांव के अधिकांश लोग कम पढ़े-लिखे होने के कारण घटनाक्रम को लेकर तरह-तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

गांव की कई महिलाओं ने बताया कि ग्रामीण किसी भी प्रकार का विवाद नहीं चाहते थे। उनके अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे भंडारा शुरू हुआ, जो काफी देर तक शांतिपूर्वक चलता रहा। इसके बाद मूर्ति स्थापना की गई। महिलाओं का कहना है कि मूर्ति स्थापित होने के लगभग आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे हटाने लगी, जिसका उन्होंने विरोध किया। उस समय गांव के पुरुष दूर खड़े थे और किसी ने मारपीट नहीं की। हालात तब बिगड़े जब बाहरी लोग गांव में पहुंचने लगे। आरोप है कि उन्हीं के आने के बाद पुलिस और लोगों के बीच टकराव बढ़ा और पथराव शुरू हो गया। उनका कहना है कि यदि गांव वाले बवाल करना चाहते तो पहले ही कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। पूरे गांव को ही दोषी मान लिया गया। बवाल वाली रात पुलिस ने घर-घर जाकर लोगों की तलाश की और कई लोगों को उठा ले गई। बांकेगंज चौकी क्षेत्र के आसपास के अन्य गांवों में भी भय का माहौल बना हुआ है। गिरफ्तारी के डर से लोग अपने घरों से दूर रह रहे हैं। कोई खेतों में रात गुजार रहा है तो कोई गांव से बाहर शरण लेने को मजबूर है।

वीडियो-फोटो से पहचान में जुटी पुलिस : मैलानी पुलिस बवाल के बाद वायरल वीडियो और फोटो के आधार पर उपद्रवियों की पहचान करने में जुटी है। गुरुवार को भी पुलिसकर्मी कई स्थानों पर लोगों को वीडियो और फोटो दिखाकर आरोपियों की पहचान कराने का प्रयास करते नजर आए। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, ताकि निर्दोष लोगों को बचाया जा सके।

संसारपुर तिराहे से गांव तक रास्ते सील

मोतीपुर गांव में हुए बवाल के बाद राजनीतिक नेताओं के संभावित दौरे को देखते हुए पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क है। गुरुवार को बांकेगंज-गोला मार्ग पर संसारपुर तिराहे के पास पुलिस ने ज़िग-जैग बैरियर लगाकर सख्त निगरानी शुरू कर दी। वहीं दूसरी ओर, मोतीपुर गांव से करीब 300 मीटर पहले ड्रम लगाकर रास्ते को आंशिक रूप से अवरुद्ध कर दिया गया। हालांकि पुलिस ने इसे सामान्य सुरक्षा प्रक्रिया बताया लेकिन ग्रामीणों के बीच चर्चा रही कि मंगलवार और बुधवार को बैरियर नहीं लगाए गए थे।

बवाल के बाद सूना पड़ा बांकेगंज बाजार

उपद्रव के बाद बांकेगंज बाजार की रौनक अब तक पूरी तरह नहीं लौट पाई है। घटना के दो दिन बाद भी बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है और आधे से अधिक दुकानें बंद नजर आ रही हैं। यहां तक कि चाय-पानी और खाने-पीने की दुकानें भी नहीं खुल रही हैं। स्कूलों में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति बेहद कम हो गई है। अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से हिचक रहे हैं। विनायक चिल्ड्रंस एकेडमी के प्रधानाध्यापक विकास श्रीवास्तव के अनुसार उनके स्कूल में महज 10 से 15 प्रतिशत बच्चे ही पढ़ाई के लिए आ रहे हैं। वहीं, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी खाने-पीने की दुकानों के बंद होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि गुरुद्वारे में लंगर से पुलिसकर्मियों और राहगीरों को राहत मिल रही है।

मोतीपुर प्रधान के अधिकार सीज, 15 दिन में रिपोर्ट तलब

संवाददाता, बांकेगंज

अमृत विचारः बांकेगंज विकास खंड के ग्राम पंचायत ग्रंट नंबर 10 में खाद गड्ढों की भूमि को लेकर हुए विवाद और उसके बाद भड़की हिंसा पर जिला प्रशासन ने बड़ा एक्शन लिया है। प्रारंभिक जांच में ग्राम प्रधान की भूमिका संदिग्ध मिलने पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने ग्राम प्रधान के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिए हैं।

जांच के दौरान यह सामने आया कि ग्राम पंचायत स्तर पर भूमि प्रबंधन और विवाद को समय रहते नियंत्रित करने में लापरवाही बरती गई। सूत्रों के मुताबिक ग्राम प्रधान विजय लक्ष्मी को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था, लेकिन तय समय सीमा में कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। वहीं एसडीएम गोला की रिपोर्ट में भी प्रधान की भूमिका संदिग्ध बताई गई है। इसी आधार पर डीएम ने प्रधान के सभी प्रशासनिक व वित्तीय अधिकारों पर रोक लगा दी। ग्राम पंचायत के कार्यों में किसी तरह की बाधा न आए, इसके लिए डीएम ने खंड विकास अधिकारी बांकेगंज को निर्देश दिए हैं कि जल्द से जल्द तीन सदस्यीय समिति गठित कर संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जांच के लिए एडीएम न्यायिक को जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्हें 15 दिन के भीतर सभी साक्ष्यों के साथ विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही तहसीलदार सदर को भूमि संबंधी तथ्यों की जांच में सहयोग करने को कहा गया है।

खाद के गड्ढे की जमीन पर खड़ा हुआ विवाद

मोतीपुर गांव में जिस भूमि को लेकर बवाल हुआ। उसे लेकर अब राजस्व विभाग के अभिलेखों ने बड़ा खुलासा किया है। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार, यह जमीन गाटा संख्या 1167 के रूप में दर्ज है, जो कि खाद के गड्ढे की श्रेणी में आती है। कानूनगो प्रेम सिंह ने बताया कि उक्त विवादित भूमि लगभग 61 एयर क्षेत्रफल की है और राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट रूप से खाद के गड्ढे के रूप में दर्ज है। इसके बावजूद इस भूमि को लेकर बैनामा किए जाने से मामला उलझ गया है। बताते हैं कि सुनीता नामक महिला ने संतोष से जो बैनामा कराया है, उसमें गाटा संख्या 1166 दर्ज की गई है, जबकि जमीन की चौहद्दी किसी अन्य स्थान की दर्शाई गई है। इस गड़बड़ी ने पूरे विवाद को और जटिल बना दिया है। कानूनगो ने यह भी बताया कि विवादित भूमि के विक्रेता संतोष को कई बार मौके पर बुलाया गया, लेकिन वह अब तक उपस्थित नहीं हुआ है। ऐसे में राजस्व विभाग मामले की जांच में जुटा हुआ है।

बिना किसी दबाव के जांच करे प्रशासन

संवाददाता, बांकेगंज

पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा की अगुवाई में एसडीएम को ज्ञापन देता प्रतिनिधिमंडल।

अमृत विचारः तोड़फोड़, मारपीट और आगजनी की घटना को लेकर कांग्रेस ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीएम लखीमपुर खीरी को संबोधित ज्ञापन एसडीएम गोला को दिया।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जमीन से जुड़े विवाद लगातार बढ़ रहे हैं और प्रशासन की लापरवाही के कारण ये विवाद हिंसक रूप ले रहे हैं। उन्होंने मांग की कि जमीन विवादों का जल्द निस्तारण किया जाए और किसी भी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई न की जाए। जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने घटना को जिले के लिए शर्मनाक बताते हुए कहा कि इसमें सत्ता पक्ष के कुछ लोगों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसी भी गरीब, दलित और पिछड़े वर्ग के शोषण को बर्दाश्त नहीं करेगी। पूर्व विधायक सतीश अजमानी ने प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की अपील करते हुए कहा कि बिना किसी दबाव के जांच होनी चाहिए, ताकि जनता का कानून-व्यवस्था पर भरोसा बना रहे। इस मौके पर बृज मौर्य, जिला प्रवक्ता अमित गुप्ता, पूर्वी वर्मा, रामकुमार वर्मा, प्रेम वर्मा, विपुल गुप्ता, बलराम गुप्ता, केके मिश्रा, दिनेश, राजन यादव, मनीष वर्मा, अफजल शाह, रघुनंदन राज पासी, रामचंद्र प्रधान समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेज से गिरकर टूटी आंबेडकर मूर्ति, दो पक्ष आमने-सामने

संवाददाता, निघासन

● **प्रशासन की सतर्कता से टला विवाद, रातभर डटे रहे अफसर**

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के सरपतहा गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति गिरकर टूटने के बाद दो पक्षों के बीच विवाद खड़ा हो गया। पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई से मामला बिगड़ने से बच गया। दोनों पक्षों में सुलह हो गई।

गांव निवासी गुरचरनदास ने बुधवार को आबादी की जमीन पर एक मेज रखकर उस पर करीब डेढ़ फीट ऊंची डॉ. आंबेडकर की मूर्ति स्थापित कर दी थी। किसी कारणवश मूर्ति गिरकर टूट गई। इसके बाद गुरचरनदास ने दूसरे पक्ष के पुनईदास पर मूर्ति तोड़ने का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम राजीव निगम, क्षेत्राधिकारी शिवम कुमार, कोतवाल अवधराज सिंह सहित पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। शासन पूरी रात गांव में डटा रहा और हालात पर नजर रखी। जांच में सामने आया कि दोनों पक्ष एक ही परिवार से हैं और उनके बीच काफी समय से आबादी की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इस मामले में पहले भी शांतिभंग की आशंका में दोनों पक्षों का चालान किया जा चुका है। प्रशासन की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच जमीन का बंटवारा कराया गया।

सीओ शिवम कुमार ने बताया कि सार्वजनिक भूमि पर बिना अनुमति रखी गई मूर्तियों को दोनों पक्षों की सहमति से हटवा दिया गया है और स्थान को खाली करा दिया गया है। फिलहाल गांव में स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

प्रशासन ने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या बिना अनुमति निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

घर में घुसकर परिवार पर हमला

निघासन, अमृत विचारः क्षेत्र के पचपेड़ी मजरा मूडाबुजुर्ग गांव में मामूली साइकिल टक्कर का विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया।

गांव पचपेड़ी निवासी संदीप कुमार ने बताया कि बुधवार की रात करीब 8 बजे वह अपने खेत से गांव के रामलखन के साथ पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से साइकिल सवार तीन किशोर आए, जिनमें से एक की साइकिल का हैंडल संदीप से टकरा गया। विरोध करने पर कहासुनी हुई और तीनों युवक वहां से चले गए। पीड़ित के अनुसार कुछ देर बाद आरोपियों के परिजन रहीमुद्दीन, समालुद्दीन और सोएब समेत अन्य लोग उसके घर पहुंच गए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर सभी ने मिलकर संदीप के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर बचाव के लिए आई उसकी मां श्यामा देवी, पत्नी विनीता देवी और बाबा छोटेलाल को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा और उन्हें भी पीट दिया। इससे चारों घायल हो गए। हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मेडिकल कराया है।

न्यूज डायरी

बाइक की टक्कर से सहकारी समिति के सचिव घायल, पैर टूटा

निघासन, अमृत विचार : झिन्नापुरवा निवासी सचिव सरोज मिश्रा स्कूल से बच्चों को लेने के लिए ढखेरवा-गिरिजापुरी हाईवे पर स्थित औघड़ बाबा स्थान के पास पहुंचे थे। जैसे ही उन्होंने बच्चों को बाइक पर बैठाया, तभी तेज गति से आ रहे एक बाइक सवार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सरोज मिश्रा का पैर टूट गया और दोनों बच्चे भी सड़क पर गिरकर घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को तुरंत उठाकर इलाज के लिए भेजा। घटना के बाद आरोपी बाइक सवार की पहचान बाराबंकी निवासी के रूप में हुई है, जो बहराइच में शादी के कार्ड बांटने जा रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भैंस चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, पांच आरोपी गिरफ्तार

निघासन, अमृत विचार : पढ़ुआ प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले गौरिया गांव से एक भैंस चोरी होने की सूचना मिली थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अलग-अलग स्थानों से आरोपियों अमित कुमार, सुशील कुमार, छोटकन्ने, नासिर और हसीब को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने भैंस चोरी की घटना कबूल कर ली। पुलिस ने बरामद भैंस को उसके मालिक को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में एसआई जुबेर अहमद सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य भी शामिल रहे।

शव मिलने से सनसनी, शिनाख्त न होने पर मोर्चरी में रखवाया शव

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर के खानकाह रोड स्थित शारदा ब्रेकरी के पास गुरुवार दोपहर एक अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी है। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है। बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में इधर-उधर घूमता नजर आ रहा था। मौके पर पहुंचे एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार और एसओ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि पहचान कराने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने शव मोर्चरी में रखवा दिया है। जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी। मामले को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं बनी हुई हैं।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, गोली मारकर हत्या की आशंका

मितौली, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के निमचेनी गांव में गुरुवार देर शाम एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव खून से लथपथ सड़क किनारे मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे सीएचसी लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने सिर में गोली मारकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। सीतापुर जिले के निमचेना गांव निवासी गणेश त्रिपाठी (40) गुरुवार शाम करीब चार बजे सरसों पेराई कराने बाइक से पास के गांव शहीदपुर गया था। लौटते समय कानाखेड़ा-निमचेनी मार्ग पर वह संदिग्ध हालत में सड़क किनारे पड़ा मिला। भाई संजय ने बताया कि राहगीरों से बाइक दुर्घटना की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर गणेश की बाइक पास में खड़ी मिली और मोबाइल भी वहीं पड़ा था। उसके सिर में गंभीर घाव के निशान थे, जिससे खून बह रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को सीएचसी मितौली लाई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मौके पर पहुंचे सीओ यादवेंद्र ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और पुलिस परिजनों के आरोपों समेत कई पहलुओं पर जांच कर रही है। एसएचओ महेश पाठक ने बताया शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जॉच पड़ताल की जा रही है।मृतक छः भाइयों में सबसे छोटा उसकी शादी हो चुकी उसका एक लड़का नैमिष त्रिपाठी है।

आवश्यकता है
● नर्स ANM/GNM
● पंचकर्म थेरेपिस्ट/असिस्टेंट (Male, Female)
● आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर पर कार्य हेतु अनुभवी लड़के/लड़की
● रसोइया/कैंटीन कुक/कैंटीन हेल्पर
● वार्ड बॉय/वार्ड आया
रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना डोहरा रोड, बरेली
मो. +91-8077808309, 9837357497

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र आफाक आयु 30 वर्ष व पुत्रवधु सोनम आयु 28 वर्ष को उसके गलत व्यवहार व आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। मेरे पुत्र व पुत्रवधु से अब मेरे व मेरे परिवार के किसी सदस्य से उनका कोई संबंध व सरोकार नहीं होगा। **नूर मुहम्मद पुत्र रफीक निवासी मोहल्ला पठान टोला थाना सहसवान जिला बदायूं।**

NOTICE
I Balraj Singh, son of Jarnail Singh, resident of Kishanpur Padri, Banda, Shahjahanpur, Uttar Pradesh 242042 have change my name to Balraj Singh Thind. In the future, I should be known by this name.

सूचना
सूचित किया जाता है कि हमने अपने पुत्र सोनू अल्वी व पुत्रवधू भूरी के गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। हमारा उनसे कोई वास्ता नहीं होगा। **यासमीन पत्नी साबिर अली व साबिर अली पुत्र स्व. विलायत शाह निवासी जोगी नवादा निकट शाह नूरी मस्जिद थाना बारादरी जिला बरेली।**

सूचना
मैं अपने पुत्र आकाश व उसकी दोस्त मंजू के गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार व बिना मेरी व मेरे परिवार के सहमति के शादी कर रहे हैं, इस लिए मैं इन दोनों से सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ, इन दोनों का मेरे व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों से कोई सरोकार वास्ता नहीं होगा। **सुभाष चन्द्र पुत्र स्व. उदल सिंह पता-हवाई अड्डा गेट, गायत्री नगर, इज्जतनगर बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

बाइकों की टक्कर, दो घायल

बहेड़ी, अमृत विचार: शहर निवासी ... गुप्ता बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान ... सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में आकाश गुप्ता के पैर टूट गए और सिर में गंभीर चोटें आईं। वहीं दूसरी बाइक पर सवार युवक को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद मौके से गुजर रहे मझगई थाना ... घायलों को अस्पताल पहुंचाया। ... आकाश ... हुए उन्हें रेफर कर दिया गया। ... काम कर लौट रहे थे ... शराब के नशे में थे। ... लापरवाही इस हादसे की वजह रही है।

जमीन विवाद में दो पक्ष में मारपीट, दो घायल

... अमृत विचार: ... गुरुआर ... दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। एक पक्ष के ... दूसरे पक्ष के रमेश लाठी, डंडों से हमला कर घायल हो गया। ... पहले राम ... को भी आरोप ... पीटा था, जिसे दोबारा ... तहरीर के आधार पर ... भेजा गया था ... हरीर ... गई है।

एक सम सेमेस्टर परीक्षा की डेटशीट जारी

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने शिक्षा ... सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा ... की डेटशीट जारी कर दी है। परीक्षाएं शुरू होकर 13 जून तक चलेंगी। ... की ओर से ... सेमेस्टर की डेटशीट शाम में जारी की जाएगी। ... सेमेस्टर ... 3 से 5 ... होंगी। ... को ... जाएंगी।

नोएडा से कार में आकर बरेली के होटलों में रुकते थे ज्वैलर्स

पुलिस के साथ मुठभेड़ में पेशेवर चोर आकाश को गोली लगी, साथी भी पकड़ा

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: फिल्मों की तर्ज पर ... यक्ष ऐप बहुत काम का साबित हो रहा है। बरेली पुलिस ने ऐप की मदद से खतरनाक टोली पर शिकंजा कसा है, जो नोएडा से कार से बरेली आती थी और होटल में रुककर आसपास की रैकी करती थी। कहीं भी वारदात कर एनसीआर के अपने यहां से उड़न छू हो जाते थे। मुठभेड़ में आकाश चोर के पैर में गोली लगी है। उसका साथी भी पकड़ा गया है। ... का सामान बरामद हुआ है।

एसपी ... के अनुसार, 1 अप्रैल की रात जगतपुर पानी की टंकी के पास रहने वाले इमरान खां के घर ताला तोड़कर लाखों के जेवर और 1.50 लाख की नकदी चोरी कर ली गई थी। वारदात सामने आने के बाद

- एनसीआर से बरेली आकर वारदातें करते अपराधी, एक आरोपी शाहजहांपुर का
- होटल में रुककर आसपास रैकी करता गिरोह
- चोरी के जेवरों की ... रुपये हुए बरामद

... पुलिस ने और यक्ष ऐप की मदद से ... की तलाश शुरू की। छानबीन में पता लगा आरोपी बीडीए कॉलोनी के पास मौजूद हैं। टीम ने घेराबंदी की तो अपराधियों ने कार से उतरते ही गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में चोर के पैर में गोली लग गई। मौके से दो को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में घायल ने अपना नाम आकाश शुभव उर्फ आदित्य उर्फ रामवीर बताया। ... थाना क्षेत्र ... बिथरी ... टेरा रोड का रहने वाला

सीतापुर में हुई थी दोनों की दोस्ती

... कई थानों में ... मुकदमे हैं और ... मुकदमे दर्ज ...

वारदात के बाद नोएडा भाग जाते थे चोर

पूछताछ में चोरों ने बताया कि वे नोएडा से कार लेकर आते थे ... वह रेकी करते और ... होटल में रुकते ... वारदात को अंजाम देकर वहीं ... आराम से रुक ... कुछ दिन ...

कार को छोड़कर उसी रंग की कार से घूमते

... वह उसी रंग की ... घूमा कर ... जाते रहे थे।

... उसका साथी अंकित ... सोनू ... शाहजहांपुर का ... गोली लगी है। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 11 मामले दर्ज ... पांच मुकदमे दर्ज मिले हैं। उनके पास से 5.80 लाख रुपये कैश और ... सोने चांदी की ... हुई है।

दबंगों ने मझगई

संवाददाता, मझगई

अमृत विचार: ... क्षेत्र के ग्राम पंचायत छ... के गांव में ... अचानक दीवार भरभराकर ढह गई। इससे उसके नीचे साइ... सवार युवक दब गया। मौके पर ... ने मलबा हटाकर किसी तरह उसे बाहर निकाला और सीएचसी ले गए, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उपचार के बाद ... रेफर कर दिया है।

... शिव कुमार ... रहा था। गांव के ही बृजमोहन अपने घर पर ईंटों की दीवार पर खर-

- ... हुआ हादसा घायल की हालत गंभीर

... काढ़ रहा था। तभी अचानक दीवार भरभराकर गिर गई ... शिव कुमार दब गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। युवक की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर उसे बाहर निकाला। हादसे में ... समेत शरीर के कई हिस्सों में चोटें आईं। घायल को तुरंत निजी वाहन से सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे रेफर कर दिया गया।

गोंडा-भागलपुर समर स्पेशल, सीतापुर के रास्ते

संवाददाता, मैलानी

अमृत विचार: ... यात्रियों की ... कासगंज, बरेली, मैलानी, सीतापुर के रास्ते चलाई जाएगी। मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद की ओर से इस आशय की पोस्ट शुक्रवार को फेसबुक पर ... के साथ ही पू... ओर से अखबारों में अधिसूचना भी जारी की गई है। इससे ... मुंबई के बाद गुजरात के गांधीधाम से भी एक और नई ट्रेन की सौगात चार फेरों के लिए मिल गई है। ... (मुंबई)-

... कासगंज, बरेली, पीलीभीत, मैलानी, लखीमपुर, सीतापुर के रास्ते ... इससे यात्रियों को मुंबई, गुजरात जाने में आसानी हो ... कासगंज, बरेली, पीलीभीत, मैलानी, सीतापुर के रास्ते चलाए जाने की सूचना से ... खुशी है।

- लखीमपुर नहीं रहेगी ... यात्रियों में मायूसी

... के मुख्य परिवहन प्रबंधक की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक 09451 गांधीधाम-भागलपुर स्पेशल ... 17 अप्रैल, 24 अप्रैल, एक मई, आठ मई को और ट्रेन नंबर 09452 भागलपुर-गांधीधाम 20 अप्रैल, 27 अप्रैल, चार मई और 11 मई को चार फेरों के लिए कासगंज, ... कानपुर ... गोंडा जं. ... बजाए पीलीभीत, बरेली ... इज्जतनगर, पीलीभीत, मैलानी, सीतापुर, गोंडा जंक्शन

... चलेगी। गांधीधाम-भागलपुर ... कासगंज से 18.20 बजे चलकर बरेली सिटी से 20.55 बजे, इज्जतनगर से 21.16 बजे, पीलीभीत से 22.23 बजे, मैलानी से रात 23.35 बजे, सीतापुर से 01.30 बजे, गोंडा 03.35 बजे छूटकर भागलपुर 20.15 बजे पहुंचेगी। ... 09452 भागलपुर-गांधीधाम भागलपुर से सुबह पांच बजे चलकर गोंडा से 20.00 बजे, सीतापुर से 22.35 बजे, मैलानी से 00.40 बजे, पीलीभीत से 01.57 बजे, इज्जतनगर से 03.02 बजे, बरेली सिटी से 03.35 बजे, कासगंज से 06.25 बजे ... आठ बजे

पीलीभीत में ठहराव

... ठहराव ... पीलीभीत ... लखीमपुर में ... नहीं ... इससे पहले गोम... ठहराव भी ... लखीमपुर में ... किया ... को पत्र भेज ... उसका ठहराव लखीमपुर में करा दिया गया है।

... पहुंचेगी। ... पीआरएस काउंटर और ... आईआरसीटीसी से बु... होने की बात कही है।

सिद्धि विरुद्ध परिस्थितियों में ... युवक का शव

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: ... क्षेत्र के गांव ... में एक युवक ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को ... बताया ... विवाद हुआ करता था।

गुरुवार दोपहर बाद भुसौरिया गांव निवासी ... कुमार (38) पुत्र रामपाल ने ... के सहारे लटककर घर के एक कमरे में ... ली। ... हुआ करता था। गुरुवार को भी आपस में विवाद हुआ। दोपहर बाद उनकी ... 17 और 12 वर्षीय दो बेटों और चार वर्षीय एक बेटी के साथ ... गांव ददहीपुरवा ... उसने आत्महत्या ... कुमार तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। वह राजगीर के साथ मजदूरी का काम कर परिवार का पालन ... था। घटना की सूचना पर ... पहुंचे कोतवाल अंबर सिंह ने ... उत्तरकार पंचनामा ... पोस्टमार्टम ... रो रोकर बुरा हाल है।

संभल में ईदगाह और इमामबाड़े पर बुलडोजर

संवाददाता, संभल

अमृत विचार: संभल के बिछौली गांव में प्रशासन ने गुरुवार को ... कार्रवाई करते हुए ... पर बनी ईदगाह और इमामबाड़ा को बुलडोजर से ... कर दिया। एसडीएम की अगुवाई में ... कार्रवाई ... के दौरान गांव में भारी पुलिस बल की तैनाती रही। पूरे इलाके ... छावनी में तब्दील कर दिया गया। डीएम और एसपी भी मौके मौजूद रहे। बिछौली गांव में कुछ माह पहले प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बने ... को लेकर ... की थी। इसी दौरान पता चला कि ... सरकारी भूमि पर ईदगाह और इमामबाड़ा बना ... गया है। ... हकीकत सामने आ गई। एसडीएम ... के नेतृत्व में ... नायब तहसीलदार दीपक जुरैल, बबलू कुमार और अरविंद कुमार ... 10 राजस्व टीम चार बुलडोजर के साथ बिछौली गांव पहुंची। सबसे पहले 87 वर्ग ... में बनी ईदगाह को बुलडोजर से ... यहां ... तो पु... भीड़ को वहां से हटा दिया। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी ... के मौके पर पहुंचने के बाद गांव में ... करीब 168 वर्ग ... शुरू की ... दौरान कुछ ... को तोड़ना ... ही देर में प्रशासन ने चार बुलडोजरों की मदद से पूरे ... को जमींदोज कर दिया।

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स
193-ए, सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि संस्था जरतौली मोहसमपुर गौपालन सेवा समिति ग्राम गढ़ौला उर्फ जरतौली पो. मोहसमपुर तह. दातागंज जिला बदायूं 243635 के पंजीकरण हेतु सोसा. रजि. अधि. 1860 के अन्तर्गत ऑनलाईन प्राप्त है। उक्त संस्था के स्मृति पत्र में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये है-

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	श्री अवनेश पुत्र श्री तुंगपाल	अध्यक्ष
2.	श्रीमती नन्हीं देवी पत्नी श्री अवनेश कुमार	सचिव
3.	श्री धर्मेन्द्र पुत्र श्री तुंगपाल	कोषाध्यक्ष
4.	श्री रवि पुत्र श्री तुंगपाल	सदस्य
5.	श्री प्रवेन्द्र पुत्र श्री तुंगपाल	सदस्य
6.	श्रीमती पूरन देवी पत्नी श्री धर्मेन्द्र	सदस्य
7.	मुन्नी पत्नी श्री तुंगपाल	सदस्य

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटरी शपथ पत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) की "परन्तुक" के अन्तर्गत जारी की जा रही है। सहायक रजिस्ट्रार, बरेली

कार्यालय ग्राम पंचायत भीकमपुर इ. शिवपुरी, वि.ख. फरीदपुर (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा योजना/एस एल डब्लू एम, एस वी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस वाल, सी सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत, खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी. लाईट स्थापना/अनुरक्षण ... आवश्यक ... सहित कराए जाने है। ... 21.04.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है ... 21.04.2026 को दिन के 02:00 बजे निविदाएं ... खोली जाएगी। ... कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान-वीरपाल सचिव-अजय साहू

कार्यालय ग्राम पंचायत पटना विकास खण्ड भुता, बरेली

निविदा आमंत्रण सूचना

सभी पंजीकृत फर्मों एवं आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पटना की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026-27 में केंद्रीय वित्त/राज्य वित्त/आर.जी.एस.ए./आई.सी.डी.एस./स्वच्छ भारत मिशन, अन्त्य पूर्णा भवन निर्माण ग्राम निधि तथा (VB-RAM-G) मनरेगा योजना के अंतर्गत ... SLWM ... 24.4.2026 ... 25.4.2026 को सायं 5 बजे दिन में ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। बिना किसी अग्रिम सूचना के टेंडर को निरस्त करने का अधिकार पूर्ण रूप से ग्राम पंचायत को होगा।

ग्राम प्रधान-श्री डालचन्द मौर्य सचिव-श्री वरूण कुमार सिंह

सिलेंडर फटा, घर राख, लाखों का नुकसान, चार झुलसे

संवाददाता, मझगई

अमृत विचार: ... टापर ... गांव में खुशियों का माहौल मातम में बदल गई, जब शादी के तिलक समारोह से कुछ घंटे पहले ही आग ने पूरे घर को चपेट में ले लिया। गुरुवार को ... बारात ... लगी आग ने सारी तैयारियों को राख में बदल दिया।

गांव बेला टापर निवासी ... के घर में ... रिश्तेदारों का आना-जाना लगा हुआ था और घर में तिलक समारोह के लिए भोजन तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान गुरुवार को दोपहर करीब ... बजे छप्पर

फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाते ...

अचानक आग लग गई। शुरुआती तौर पर आशंका जताई जा रही है कि खाना बनाते समय चूल्हे की चिंगारी या गैस की लपट से आग भड़की, जिसे देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। छप्पर ... सामान होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। घर में मौजूद टेंट, डीजे, सजावट का सामान, कुर्सी, अनाज और कपड़े सब कुछ आग की चपेट में आ गया। कुछ ही देर में पूरा घर जलकर खाक हो गया। शादी के लिए जुटाया गया सामान और नकदी भी जल गई, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगते ही घर में चीख-पुकार मच गई। ... बुझाने में जुट गए। इस दौरान रामदेवी ... मिश्र लाल, राजकुमार, सुनील

- ... सामान जलते समय ... टेंट-डीजे समेत ... जलकर राख
- एक घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड ... की लपट की आशंका

कुमार और अंकेश आग बुझाते समय झुलस गए। झुलसे लोगों को एंबुलेंस ... भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। ... के अनुसार सभी की हालत ... उपलब्ध ... बुझाने का भरसक प्रयास किया ... लेकिन आग ... किसी पर काबू ... सूचना के करीब एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद आग पर पूरी

आग से चार घर राख, लाखों का नुकसान

कासमपुर, अमृत विचार: ... थाना क्षेत्र के हसील गोला के गांव महेशापुर में गुरुवार दोपहर ... आग ... मारी मची मची दी। गांव निवासी ... आग ... घरों को अपनी ... गजराज के घर में ... रुपये ... जलकर खाक हो गए। ... मोटर और ... आग पर ... की मांग की है। ... लेखपाल को ...

तरह काबू पाया जा सका। ग्रामीणों का आरोप है कि फायर ब्रिगेड दमकल समय पर पहुंचती तो नुकसान कुछ कम हो सकता ... थाना पुलिस ... जायजा लिया ... नुकसान का आकलन किया। ... करने के उच्च अधिकारी भेज दी गई है। गांव में इस घटना के बाद ... जा रहा है। ... प्रशासन ने ... हर संभव मदद और मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

... विवाद में खूनी संघर्ष, दो पक्षों से ... लोग घायल

संवाददाता, ...

अमृत विचार: ... गांव में गेहूं की फसल काटने को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि ... घर में घुसकर हमला कर दिया, ... टूट गई, जब ... गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सीएचसी से ... किया गया है, जिनमें से दो लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

... फसल को लेकर विवाद करने लगे। उस समय उसने मामला ... आरोपी दोबारा ... घर में घुस आए। आरोप ... मौजूद उसकी मां नैसरी बेगम, पिता सुमीर और बहन करीना बानो के साथ गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में नैसरी बेगम की उंगली की हड्डी टूट गई, जब ... और बहन के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। ... पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए ... हो गए। घायलों को उपचार के लिए ... जाया गया, जहां ... इलाज के बाद गंभीर हालत को देखते हुए ... किया ... से ... बताया कि

... मारपीट से दो ... घायल

... अमृत विचार: ... निवासी ... की दुकान ... घर वापस आ रहा था ... कुमार, पंकज, पुत्र ... गाली गलौज कर ... लाठी डंडों से मारा-पीटा। ... ने अपनी ... मारा-पीटा ... चोट आई है। ... घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

... की जा रही है और जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

... घुसकर ... पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली ... मजरा बैलहा गांव निवासी सागर ने बताया कि ... की ... बजे वह घर पर अकेली थीं। इसी ... कुमार उनके घर पहुंचे और ... कारण के गाली-गलौज करने लगे। ... लात-घूंसों और ईंट-पत्थरों से मारपीट की। पूरे परिवार ... की बात कही। ... तहरीर ... जांच एसआई राजवीर सिंह को सौंपी है।

... बाइक चोरी

... अमृत विचार: अलग तारीखों में चोरी से उठाई गई दो बाइकों के मामले में पुलिस ... है। ... निवासी पुनीत कुमार ने बताया कि ... बाइक ... उसे ले गये। ... की बाइक को अज्ञात चोर चुरा ले गया ... नहीं मिली। दूसरी घटना मैगलगंज ... के साथ हुई। उसने अपनी बाइक ... खोलकर बाइक को चुरा ले गए।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बदायूं

पत्रांक: मु.चि.अ./एन.यू.एच.एम./श.आ.चयन/सूचना/2026-27/172 दिनांक: 15.04.2026

विज्ञापन

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ.प्र. लखनऊ के पत्र सं.- एस.पी.एम.यू./एन.यू.एच.एम./बजट/2025-26/950-2 दिनांक 27 मई 2025 के क्रम में रिक्त स्थानों पर नगर बदायूं में 01 व नगर सहसवान में 07 शहरी आशा का चयन किया जाना है। पात्र इच्छुक महिलायें आवेदन पत्र पूर्ण कर स्थानीय वार्ड सदस्य से सत्यापित करा कर केवल पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से ही कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बदायूं में आवेदन कर सकती है, जिसकी अंतिम तिथि 30.04.2026 है।

क्र. सं.	पद नाम	नगर क्षेत्र का नाम	मोहल्ले/बस्ती का नाम
1.	शहरी आशा	बदायूं	खण्डसारी-1
2.		सहसवान	हरनाकिया- 2, शहबाजपुर-2, मिर्धाटोला-1, रूस्तमटोला-1 व चाहशरी-1

शहरी आशा के चयन की नियम व शर्ते:-

1. महिला की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल होनी चाहिए।
2. महिला सम्बन्धित चयनित क्षेत्र की निवासी होनी चाहिए।
3. महिला की आयु 20 से 45 वर्ष के मध्य हो।
4. विवाहित/विधवा/तलाकशुदा/पति से अलग महिला को प्राथमिकता दी जायेगी। इसके प्रमाण के लिए नोटरी द्वारा प्रदत्त 10 रूपये के स्टाम्प पर शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।
5. स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रम में कार्य किया हो, तो उसका अनुभव प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करना है।
6. जे.एन.एन.यू.आर.एम., यूनीसेफ एवं भारत सरकार द्वारा संचालित अन्य संस्थाओं के समुदाय स्तर पर कार्य करने वाले कर्मियों को अनुभव के आधार वरीयता प्रदान की जायेगी। अनुभव प्रमाण पत्र की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
7. नगरीय आशा का कोई मासिक मानदेय निर्धारित नहीं है, राज्य द्वारा प्रस्तावित दिशा-निर्देशों द्वारा उनके प्रारम्भिक प्रशिक्षण के उपरान्त किये गये कार्यो एवं सत्यापन के आधार पर ही उनको प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।
8. निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले अपूर्ण एवं बिना हस्ताक्षर के प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।
9. साक्षात्कार तिथि से पृथक रूप से सूचित किया जायेगा।

शहरी आशा चयन हेतु आवेदन पत्र में अंकित की जाने वाली सूचनायें

1. वार्ड संख्या व मोहल्ला/बस्ती का नाम 2. अभ्यर्थी का पासपोर्ट साइज फोटो 3. आवेदनकर्ता महिला का नाम 4. पिता/पति का नाम 5. जन्मतिथि 6. जाति 7. स्थाई पता 8. पत्र व्यवहार का पता 9. मोबाइल नम्बर 10. शैक्षिक योग्यता 11. अनुभव 12. दिनांक व स्थान 13. अभ्यर्थी के हस्ताक्षर 14. कुल संलग्नकों की संख्या।

नोडल अधिकारी एन.यू.एच.एम., बदायूं — मुख्य चिकित्सा अधिकारी बदायूं

अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

श्रमिकों से मिलने आज नोएडा जाएगा सपा प्रतिनिधिमंडल

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल शनिवार 17 अप्रैल को नोएडा गौतमबुद्धनगर जायेगा। पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए लाठी चार्ज प्रकरण की जानकारी लेने श्रमिकों, मजदूरों एवं उनके परिवार से मिलने के लिए प्रतिनिधिमंडल के लोग श्रमिकों के पास पहुंचेंगे। नोएडा में 10 हजार से 11 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर 10-12 घंटे नौकरी करने वाले मजदूरों और श्रमिकों साप्ताहिक अवकाश न मिलने पर शांति प्रदर्शन किया जा रहा था। वेतन बढ़ाने और अतिरिक्त काम के एवज में ओवरटाइम की मांग कर रहे थे। नोएडा फेस-2 में मदरसन इंडिया लिमिटेड के प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया। प्रतिनिधिमंडल में माता प्रसाद पांडेय, शाहिद मंजूर, कमाल अख्तर, अतुल प्रधान, पंकज कुमार मलिक, राज कुमार भाटी, सुधीर भाटी, आश्रय गुप्ता, शशांक यादव, फकीर चन्द्र नागर, वीर सिंह यादव विशेष आमंत्रित सदस्य सुनील चौधरी पूर्व प्रत्याशी नोएडा शामिल हैं।

अटल विद्यालयों के 93.15 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

अमृत विचार, लखनऊ : निर्माण श्रमिकों और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए संचालित अटल आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों पहली ही सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा में इतिहास रच दिया है। प्रदेश के इन विद्यालयों का कुल परीक्षा परिणाम 93.15 फीसदी रहा, जो इस नई शैक्षिक पहल की सफलता को दर्शाता है। विद्यालयों की मेधा सूची में आजमगढ़ के संगम यादव ने 97.6 फीसदी अंक के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष 2,178 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी, जिनमें से अधिकांश सफल रहे। खास बात यह रही कि वाराणसी और प्रयागराज के अटल आवासीय विद्यालयों ने 100 फीसदी परिणाम हासिल कर उत्कृष्टता का नया मानदंड स्थापित किया। मेधा सूची में वाराणसी के हर्ष कुशवाहा 97.2 फीसदी अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि प्रयागराज के हर्षित ने 95.8 फीसदी अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। आगरा के गणेश (95.4प्रतिशत) और मुरादाबाद के उदय प्रताप (95 प्रतिशत) भी शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे।

परिषदीय विद्यालयों में नारी शक्ति वंदन अभियान शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में "नारी शक्ति वंदन" अभियान की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाना, निर्णय प्रक्रिया में उनकी भूमिका मजबूत करना और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। अभियान के पहले दिन "नारी शक्ति सम्मान" कार्यक्रम आयोजित कर 70 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति वाली छात्राओं के अभिभावकों को सम्मानित किया गया। साथ ही छात्राओं और महिला शिक्षकों ने मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि यह अभियान बालिकाओं में आत्मविश्वास, सुरक्षा की भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करेगा। 17 अप्रैल को आत्मरक्षा प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और समाज सेवा गतिविधियां होंगी, जबकि 20 अप्रैल को वाद-विवाद, निबंध, कविता और पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। अधिकारियों को कार्यक्रमों के पारदर्शी व प्रभावी आयोजन के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा सरकार आई तो बंगाल की सड़कों पर झाड़ू लगाएंगे माफिया और मौलाना : योगी

मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की तीन चुनावी सभाओं में तृणमूल कांग्रेस समेत विपक्ष पर साधा निशाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प.बंगाल

पश्चिम बंगाल के बोलपुर में आयोजित जनसभा के दौरान मंच से भाजपा नेताओं के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

- एक झलक पाने को उमड़े लोग सीएम बोले- भाजपा साफ करेगी तृणमूल का सूपड़ा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के बाराबनी, रामपुरहाट और बोलपुर में आयोजित तीन बड़ी जनसभाओं में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), कांग्रेस और वाम दलों पर तीखा हमला बोला। भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में वोट मांगते हुए उन्होंने कहा कि यदि बंगाल में भाजपा की सरकार बनी, तो गुंडे, माफिया और अराजक तत्व बने मौलाना सड़कों पर झाड़ू लगाते नजर आएंगे।

तीनों जनसभाओं में भारी भीड़ उमड़ी और लोग मुख्यमंत्री योगी की एक झलक पाने के लिए छतों और पेड़ों तक पर चढ़े दिखाई दिए। योगी ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वे भयमुक्त होकर मतदान करें और डबल इंजन सरकार बनाकर टीएमसी का सूपड़ा साफ कर दें। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में बंगाल "सैंड, कोल और लैंड माफिया" का अड्डा बन गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र से आने वाला विकास का पैसा भ्रष्टाचार में खत्म हो जाता है।

सांस्कृतिक पहचान बनाम 'क्राइम कैपिटल' का मुद्दा : योगी ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में राज्य अपनी पहचान खो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान शासन में त्योहारों, परंपराओं और सामाजिक समरसता पर असर पड़ा है।

भाजपा की गारंटी, न गो माता कटेगी न हिंदू बंटेगा : योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में माफियाओं पर बुलडोजर कार्रवाई से व्यवस्था सुधरी है और यही मॉडल बंगाल में भी लागू किया जाएगा। भाजपा की गारंटी दोहराते हुए कहा कि 'गोमाता की रक्षा होगी और हिंदू समाज को बांटने नहीं दिया जाएगा।

बांग्ला में बात कर योगी ने जीता दिल : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की जनसभाओं में उपस्थित जनसमूह से बांग्ला में संवाद कर उनका दिल जीत लिया। रामपुरहाट व बोलपुर में मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से कहा कि आप सबको भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से जिताना है। अपना आशीर्वाद देना है। इसलिए अब मैं जो कहूंगा, आप लोग उसका जवाब दीजिएगा। फिर सीएम ने कहा, ऑन्धकार हटबे (अंधकार हटेगा)। जनता ने उत्तर दिया- सूरोज उठेबे, कोमोल खिलबे (सूरज उगेगा-कमल खिलेगा)। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, पलटानो दोरकार (परिवर्तन की जरूरत है), जनता ने उत्तर दिया- चाई बीजेपी सोरकार (चाहिए भाजपा सरकार)। सीएम ने जब "आमार सोनार बांग्ला, टीएमसी मुक्तो बांग्ला (हमारा सोने जैसा बंगाल, टीएमसी मुक्त बंगाल)" कहा तो उपस्थित जनसमूह ने भी दोनों हाथ उठाकर इसे कई बार दोहराया।

जनता दर्शन में योगी बोले- घबराइए मत, इलाज में नहीं आएगी बाधा

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में संवेदनशीलता दिखाते हुए श्रावस्ती से आई एक महिला को उसके बीमार बच्चे के इलाज का भरोसा दिया। महिला ने सहायता की गुहार लगाई, जिस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत आयुष्मान भारत योजना के तहत कार्ड की जानकारी ली। कार्ड न बनने पर उन्होंने आश्वासन दिया कि इलाज में कोई बाधा नहीं आएगी और अधिकारियों को तत्काल आयुष्मान कार्ड बनवाने, इलाज का इस्टीमेट तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए। साथ ही विवेकाधीन कोष से मदद का भी भरोसा दिया। जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनी गईं। गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण करने के निर्देश दिए। जमीन कब्जे और अपराध से जुड़े मामलों में सख्ती बरतने को कहा। इस दौरान उन्होंने बच्चों से स्नेहपूर्वक बातचीत कर उन्हें चॉकलेट भी दी।

धार्मिक पर्यटन के लिए करोड़ों रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नैमिषारण्य-दधीचि तीर्थ के साथ औरैया-अमरोहा में मिलेगी पर्यटन को रफ्तार
- सीतापुर में 99 लाख, औरैया में 278 लाख व अमरोहा में 337 लाख रुपये मंजूर

अमृत विचार : राज्य सरकार धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर निवेश कर रही है। इसी कड़ी में सीतापुर के मिश्रिख स्थित महर्षि दधीचि तीर्थ के विकास के साथ-साथ औरैया व अमरोहा जिलों में भी करोड़ों रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं।

सीतापुर में महर्षि दधीचि की तपोभूमि के विकास के लिए 99.14 लाख रुपये की परियोजना पर काम शुरू हो गया है। पहली किस्त के रूप में 74 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं। इस योजना के तहत यात्री शेड, चेंज रूम, भव्य प्रवेश द्वार, प्रकाश व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सरकार का लक्ष्य नैमिषारण्य को विश्वस्तरीय धार्मिक-पर्यटन हब के रूप में स्थापित करना है।

उधर, कानपुर मंडल के औरैया जिले में भी पर्यटन विकास के लिए 278 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से दिबियापुर के सेहुद धाम हनुमान मंदिर, विधूना के दुर्वासा आश्रम और सहार क्षेत्र के गंगा बाबा स्थल का विकास किया जाएगा।

इसी तरह मुरादाबाद मंडल के अमरोहा में पांच परियोजनाओं के लिए 337 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इनमें बाबा लालचंद मंदिर, धुने वाले बाबा शिव मंदिर, प्रज्ञा बुद्ध विहार, डिडौली शिव मंदिर और चामुंडा देवी मंदिर का विकास शामिल है। इन सभी कार्यों के लिए यूपीएसटीडीसी को कार्यदायी संस्था बनाया गया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

अनुशासनहीनता में मऊ के एसडीओ निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के मामले में मऊ जिले के एसडीओ अमित कुमार को निलंबित कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक आपत्तिजनक वीडियो के मामले में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई कराई है। मंत्री ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार से बात कर पूरे प्रकरण की गहन जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद एमडी ने उपखंड अधिकारी (एसडीओ) अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया और विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। मुख्य अभियंता, आजमगढ़ ने भी पुष्टि की कि मऊ डिवीजन प्रथम में तैनात एसडीओ के खिलाफ वायरल वीडियो को लेकर यह कार्रवाई की गई है।

खनन कार्यों में लापरवाही पर कार्रवाई के आदेश

मंडलायुक्त की रिपोर्ट के आधार पर सात अधिकारियों-कर्मचारियों पर होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राजस्व हानि के मामले में बड़ा कदम, समयबद्ध खदान संचालन के निर्देश

अमृत विचार : प्रदेश में खनन कार्यों में लापरवाही बरतने वाले सात अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। इनमें चार ज्येष्ठ खान अधिकारी भी शामिल हैं। यह कार्रवाई मिर्जापुर मंडलायुक्त की रिपोर्ट और संस्तुति के आधार पर की गई है।

कार्रवाई की जद में आए अधिकारियों-कर्मचारियों में महबूब, जेपी द्विवेदी, कमलेश कुमार राय, आशीष कुमार, चन्द्र प्रकाश तिवारी, कमला शंकर उपाध्याय और सुनील कुमार शामिल हैं, जो उस समय सोनभद्र जिले में तैनात थे।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि यह कार्रवाई वर्ष 2017 में आवंटित चूना पत्थर की खदान के संचालन में गंभीर लापरवाही के मामले में की गई है। नियमानुसार खदान का संचालन वर्ष 2019 तक शुरू होना था, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने समयबद्ध तरीके से कार्य नहीं किया। साथ ही, समयसीमा विस्तार के लिए जरूरी प्रस्ताव भी समय पर शासन को नहीं भेजे गए, जिससे खदान संचालन बाधित रहा और राजस्व की संभावित हानि हुई।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि खनन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार की प्राथमिकता है कि खदानों का संचालन पूरी पारदर्शिता और नियमों के तहत समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि राजस्व में वृद्धि हो और संसाधनों का सही उपयोग हो सके।

गैरहाजिर आईएएस समीर वर्मा पर कसा शिकंजा

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष 2002 बैच के आईएएस अधिकारी समीर वर्मा की लंबे समय से गैरहाजिरी पर शासन ने सख्ती दिखाते हुए विभागीय जांच शुरू कर दी है। उन्हें 8 अक्टूबर 2025 को नियोजन विभाग में सचिव पद पर तैनाती दी गई थी, लेकिन उन्होंने अब तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रमुख सचिव अनिल गर्ग को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। बताया जा रहा है कि समीर वर्मा ने स्टडी लीव के लिए आवेदन किया था, जिसे मंजूरी नहीं मिली, इसके बावजूद वे ड्यूटी पर नहीं लौटे। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। उल्लेखनीय है कि समीर वर्मा पहले भी स्टांप एवं पंजीयन विभाग में तबादला विवाद को लेकर चर्चा में रहे हैं, जिसके बाद उन्हें पद से हटाकर प्रतीक्षारत कर दिया गया था।

नोएडा हिंसा मामले में सामने आया पाकिस्तान कनेक्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/नोएडा

- पुलिस कमिश्नर का खुलासा पाकिस्तान से संचालित दो एक्स हैंडलरों पर रिपोर्ट दर्ज
- मामले में 662 गिरफ्तारियां पुलिस की सख्ती से धीरे-धीरे सुधर रहे हालात

अमृत विचार: नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा अब बड़े साजिशी एंगल की ओर इशारा कर रही है। जांच में सामने आया है कि इस पूरे बवाल को भड़काने में पाकिस्तान से संचालित सोशल मीडिया हैंडल्स की भूमिका रही है। पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए विदेशी कनेक्शन की जांच तेज कर दी है।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने खुलासा किया कि पाकिस्तान से संचालित दो एक्स (ट्विटर) हैंडल्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। अब तक कुल 13 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं और 662 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का मानना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए सुनियोजित तरीके से माहौल को भड़काया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि वेतन वृद्धि की मांग को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अचानक हिंसक हो गया। इसकी चिंगारी तेलंगाना और कर्नाटक से संचालित व्हाट्सऐप ग्रुपों के जरिए फैली। कई संगठनों ने इन ग्रुपों का इस्तेमाल कर श्रमिकों को उकसाने का प्रयास किया। इसके अलावा टेलीग्राम चैनलों के माध्यम से भी अफवाहें फैलाकर स्थिति को बिगाड़ा गया।

पूरे मामले की जांच कर रही एसटीएफ अब तक 500 से अधिक वीडियो फुटेज खंगाल चुकी है। इन वीडियो के आधार पर हिंसा में शामिल लोगों और साजिशकर्ताओं की पहचान की जा रही है। डिजिटल ट्रेल से दक्षिण भारत से जुड़े कुछ संदिग्धों के तार भी सामने आए हैं, जिनकी भूमिका की गहन जांच जारी है। सोमवार को हुई हिंसा के बाद पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए कोतवाली फेज-1, फेज-2, सेक्टर-58, सेक्टर-63 और फेज-3 समेत औद्योगिक क्षेत्रों से सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया। लगातार छापेमारी कर अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और बड़ी संख्या में लोगों से पूछताछ की जा रही है।

प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। जिलाधिकारी मेधा रूपम समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर डेरा डाले हुए हैं और श्रमिकों से सीधे संवाद कर रहे हैं। वेतन वृद्धि और अन्य फैसलों की सही जानकारी देकर अफवाहों को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

प्रशासन मैदान में, शांति बहाली की कवायद

हालात सामान्य करने के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय है। औद्योगिक क्षेत्रों और श्रमिकों के गांवों में शांति मार्च निकाले जा रहे हैं। अधिकारियों द्वारा सीधे संवाद स्थापित कर भ्रम दूर किया जा रहा है। श्रमिकों को वेतन वृद्धि और सरकारी फैसलों की जानकारी देकर स्थिति को शांत करने का प्रयास जारी है।

'मजदूर बिगुल' पर कार्रवाई, कई गिरफ्तार

पुलिस ने मजदूर बिगुल दस्ता संगठन के प्रमुख रूपेश राय समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि संगठन के सदस्य फैक्ट्रियों के आसपास घूमकर श्रमिकों को उकसा रहे थे। इससे पहले भी इस संगठन पर अन्य राज्यों में हिंसा भड़काने के आरोप लग चुके हैं।

80 फीसदी औद्योगिक इकाइयों में कामकाज शुरू

पुलिस-प्रशासन की सख्ती के बाद हालात तेजी से सुधर रहे हैं। करीब 80 फीसदी औद्योगिक इकाइयों में कामकाज दोबारा शुरू हो चुका है। सुरक्षा एजेंसियां अभी भी अलर्ट मोड पर हैं और किसी भी नई साजिश या अफवाह को रोकने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।

एक हजार पंचायतों से होगी आधार सेवा की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पंचायती राज विभाग द्वारा सभी 57 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों तक आधार सेवाएं पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। पहले चरण में 1000 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा शुरू की जा रही है।

पंचायत सहायकों और आधार ऑपरेटरों की भूमिका संवेदनशील बताते हुए पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने निर्देश दिए हैं कि सभी कर्मी पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि हर पात्र व्यक्ति तक आधार सेवाएं आसानी से पहुंच सकें। प्रदेश के विभिन्न जिलों, लखनऊ, बाराबंकी, खीरी, सीतापुर और बलरामपुर की 77 ग्राम पंचायतों में पहले से ही आधार सेवाएं संचालित हो रही हैं। इस मॉडल को पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी है। आधार ऑपरेटरों और सुपरवाइजर्स के लिए पंचायती राज निदेशालय, अलीगंज लखनऊ में एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। इसमें पंचायत सहायकों और बैंक से जुड़े ऑपरेटरों को प्रशिक्षण दिया गया।

निपुण शिक्षक सारथी से शैक्षिक नींव होगी मजबूत

अमृत विचार, लखनऊः प्रदेश में निपुण भारत मिशन के तहत 'निपुण शिक्षक सारथी' कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य बेसिक शिक्षा को परिणामोन्मुख बनाना है। इस पहल में कक्षा 2 के विद्यार्थियों की भाषा और गणितीय दक्षताओं को मजबूत करने पर विशेष फोकस किया गया है, ताकि शुरुआती स्तर पर ही मजबूत शैक्षिक नींव तैयार हो सके।

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इसे चित्रकूट, सोनभद्र, बलरामपुर, गोरखपुर और सीतापुर में लागू किया गया है। 15 राज्य स्तरीय संदर्भ समूह (एसआरजी) को प्रशिक्षित कर तकनीक के माध्यम से शिक्षकों से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें निरंतर शैक्षणिक मार्गदर्शन मिल सके। अब शिक्षकों और तकनीकी टीम के बीच नियमित संवाद बढ़ाकर 18-20 बार संपर्क सुनिश्चित किया जाएगा। इस मॉडल से फील्ड विजिट पर निर्भरता घटेगी और दूरदराज क्षेत्रों तक भी सहायता पहुंचेगी। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों को तकनीक-सक्षम मार्गदर्शक बनाकर छात्रों के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

फंसा पेंच | दो माह बाद भी आदेश लागू नहीं, केजीएमयू जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं

असहमति से अटकी पोस्टमार्टम सुधार योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लोहिया व एसजीपीजीआई में संसाधनों की कमी

अमृत विचार : प्रदेश में दुर्घटनाग्रस्त और जटिल मामलों के शवों का पोस्टमार्टम फोरेंसिक विशेषज्ञों से कराने के शासनादेश को जारी हुए करीब दो माह बीत चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई खास बदलाव नहीं दिखा है। व्यवस्था में सुधार के उद्देश्य से लिया गया यह फैसला फिलहाल विभागीय असहमति और संसाधनों की कमी के कारण अटका हुआ है।

इस संबंध में विधि विज्ञान प्रयोगशाला के निदेशक डॉ. आदर्श कुमार के नेतृत्व में दो अहम बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, जहां संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के फोरेंसिक विशेषज्ञों ने पोस्टमार्टम करने पर सहमति दे दी है, वहीं केजीएमयू का फोरेंसिक विभाग जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

दूसरी ओर, केजीएमयू प्रशासन का कहना है कि लोहिया और एसजीपीजीआई में मानक के अनुरूप पोस्टमार्टम हाउस और आवश्यक टेबल की व्यवस्था नहीं है, जिससे प्रक्रिया को लागू करने में दिक्कत आ रही है।

पुरानी व्यवस्था ही जारी : वर्तमान में पोस्टमार्टम का कार्य अब भी स्वास्थ्य विभाग (प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग) के चिकित्सकों द्वारा ही किया जा रहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी की निगरानी में जिला चिकित्सालय एवं अन्य सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों को रोटेशन के आधार पर यह जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। हालांकि विवादित मामलों में मेडिकल कॉलेजों के फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद ली जाती है।

बैठकों का दौर जारी, सहमति का प्रयास

लखनऊ के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन.बी. सिंह का कहना है कि नई व्यवस्था लागू करने में शुरुआती दिक्कतें स्वाभाविक हैं। सभी मेडिकल कॉलेजों के फोरेंसिक विभागाध्यक्षों के साथ लगातार बैठकें हो रही हैं। राजधानी के 54 थानों से जुड़े पोस्टमार्टम के लिए केजीएमयू, लोहिया और एसजीपीजीआई को केंद्र बनाया जाएगा। वहीं, केजीएमयू के फोरेंसिक विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप वर्मा का कहना है कि संस्थान को शासनादेश के पालन में कोई आपत्ति नहीं है और परिसर में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पहले से जारी है। समस्या अन्य संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं की कमी को लेकर है।

चिकित्सकों का विरोध बना कारण

सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक लंबे समय से पोस्टमार्टम ड्यूटी का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे इस विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं, जिससे कानूनी मामलों में सटीक जवाब देना कठिन होता है और अस्पतालों की नियमित चिकित्सा सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने पोस्टमार्टम की जिम्मेदारी फोरेंसिक विशेषज्ञों को सौंपने का आदेश जारी किया था। इसमें सरकारी के साथ निजी मेडिकल कॉलेजों और पीपीपी मोड पर संचालित संस्थानों को भी शर्तों के साथ शामिल करने के निर्देश दिए गए थे।

सीएम युवा योजना के तहत तैनात होंगे 90 क्रेडिट काउंसलर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एमएसएमई को मिलेगा ऋण मार्गदर्शन, 1.5 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने सीएम युवा योजना को और प्रभावी बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने और बैंकिंग प्रक्रियाओं को आसान बनाने के उद्देश्य से 90 सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर्स तैनात किए जाएंगे। ये काउंसलर युवाओं और बैंकों के बीच सेतु बनकर काम करेंगे।

गोमतीनगर में शुरू हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में 50 जिलों और दूसरे में 25 जिलों को शामिल किया गया है। सिडबी और आईआईबीएफ के सहयोग से चल रहे इस कार्यक्रम को भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी मिली है। 'ट्रिपल सी' कोर्स के जरिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया जाएगा, जो खासकर एमएसएमई क्षेत्र के लिए लाभकारी होगा। सरकार ने इस वर्ष योजना के तहत 1.5 लाख युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा है। साथ ही सेवानिवृत्त बैंक अधिकारियों को भी इस पहल से जोड़कर उनकी विशेषज्ञता का उपयोग किया जाएगा।

यूपीकॉन के एमडी प्रवीण सिंह के अनुसार, सर्टिफाइड क्रेडिट काउंसलर एमएसएमई उद्यमियों को उपयुक्त ऋण योजनाओं की जानकारी देंगे, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कराने में मदद करेंगे और वित्तीय दस्तावेजों को व्यवस्थित करेंगे।

ओबीसी महिलाओं का हक छीन रही भाजपा

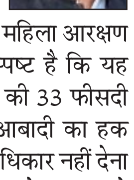

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि देश में पिछड़ों की कुल जनसंख्या 70 फीसदी है तो उनकी आधी-आबादी 33 फीसदी से ज्यादा पिछड़ी महिलाओं के हक की बात इस महिला आरक्षण बिल में नहीं है। स्पष्ट है कि यह सरकार पिछड़े वर्ग की 33 फीसदी से ज्यादा महिला आबादी का हक छीन रही है, उन्हें अधिकार नहीं देना चाहती है। सपा प्रमुख ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि सपा महिला आरक्षण के पक्ष में है, पर उस भाजपाई चालबाजी के खिलाफ है, जो साजिश के तहत की जा रही है। कहा कि भाजपा ने नारी को अपने मातृ संगठन में नहीं रखा, वे उनका मान सम्मान कैसे रखेंगे।

घमंड से सब कुछ बर्बाद हो जाता है। घमंड से बचें और सेवा करें। तभी जीवन में सुख-शांति आ सकती है।
-गुरु नानक देव

दूरगामी विधायी पहल

संसद में पेश किए जा रहे तीन अहम विधेयक— विशेषकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम, परिसीमन से जुड़े प्रावधान और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रतिनिधित्व संशोधन, सिर्फ विधायी पहल नहीं, बल्कि आने वाले दशक की भारतीय राजनीति की दिशा तय करने वाले अत्यंत निर्णायक कदम हैं। इनकी महत्ता जितनी व्यापक है, विवाद भी उतना ही गहरा है। इसके लिए राज्यों में चुनावों के बीच अचानक बुलाए विशेष सत्र की 'हड़बड़ी' पर विपक्ष सवाल उठाते हुए इसे असामान्य और चुनावी नैरेटिव सेट करने की रणनीति के रूप में देख रहा है। महिला आरक्षण जैसे लोकप्रिय और नैतिक रूप से अजेय मुद्दे को केंद्र में रखकर सत्ता पक्ष द्वारा राजनीतिक बढ़त लेना कहीं से अनुचित नहीं, ऐसे में विपक्ष द्वारा इसे 'टाइमिंग की राजनीति' कहकर सवाल उठाना बहुत तार्किक नहीं लगता।

महिला आरक्षण विधेयक का मूल प्रस्ताव, लोकसभा और विधानसभा में 33 फीसद सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करना, सैद्धांतिक रूप से सर्वसम्मति का विषय है, पर इसके लागू होने को ताजा जनगणना और परिसीमन से जोड़ देना इसे विवादास्पद बनाता है। विपक्ष का आरोप है कि यह शर्त आरक्षण को अनिश्चितकाल तक टालने का माध्यम बन सकती है। प्रस्ताव में ताजा जनगणना का आशय 2011 की जनगणना से लिया जा रहा है, इसे आधार बना कर महिला आरक्षण को लागू करना तर्कसंगत नहीं है, क्योंकि पिछले 15 वर्षों में जनसंख्या, शहरीकरण और सामाजिक संरचना में भारी बदलाव आया है। बेहतर विकल्प यही प्रतीत होता है कि 2027 के आसपास नई जनगणना के बाद परिसीमन हो जाने के बाद इस आरक्षण को लागू किया जाए, लेकिन इससे सरकार के लिए तत्काल राजनीतिक लाभ की संभावना समाप्त हो जाती है। महिला आरक्षण को बिना परिसीमन समाप्त हुए अगले चुनाव से भी लागू किया जा सकता है, सही है कि इससे सीटों के रोटेशन और प्रतिनिधित्व में असमानता के प्रश्न खड़े होंगे फिर भी, इसे अंतरिम व्यवस्था के रूप में तो अपनाया ही जा सकता है, जिसकी उम्मीद नहीं है। आरक्षण के बाद संसद में महिलाओं की संख्या 283 तक पहुंचने से भारतीय लोकतंत्र में ऐतिहासिक बदलाव होगा। नीति-निर्माण में लैंगिक दृष्टिकोण मजबूत होगा, विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में, लेकिन केवल सीटें बढ़ाने से महिलाओं की समस्याएं हल नहीं होंगी। राजनीतिक सशक्तीकरण के साथ सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण भी जरूरी है। पंचायत स्तर पर आरक्षण के अनुभव बताते हैं कि वास्तविक प्रभाव तब आता है, जब महिलाओं को निर्णय लेने की स्वतंत्रता और संसाधन मिलते हैं।

फिलहाल इस विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार को व्यापक समर्थन जुटाना होगा। संविधान संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी है। महिला आरक्षण के नैतिक दबाव के कारण विपक्ष के लिए खुला विरोध करना कठिन है, इसलिए इस विधेयक का पारित होना संभव दिखता है, भले ही उसके क्रियान्वयन की समय सीमा पर अस्पष्टता बनी रहे। महिला आरक्षण भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक अवश्य है, परंतु इसे परिसीमन और जनगणना से जोड़ना इसकी समय सीमा को अनिश्चित बना देगा और यह पहल त्वरित और प्रभावी क्रियान्वयन तक शीघ्र नहीं पहुंच सकेगी।

प्रसंगवश

समाजवाद के पहरुआ थे युवा तुर्क चंद्रशेखर

समाजवाद के प्रखर अनुयायी चंद्रशेखर का स्पष्ट मानना था कि गैर-बराबरी को खत्म किए बिना समतामूलक समाज का निर्माण संभव नहीं है। इसके लिए उन्होंने पूंजीवादी व्यवस्था को खत्म कर समाजवादी व्यवस्था की स्थापना पर बल दिया। वे डॉ. लोहिया के इस विचार से पूरी तरह सहमत थे कि पूंजीवाद कम्युनिज्म की तरह ही जुआ, अपव्यय और बुराई है और दो तिहाई विश्व में पूंजीवाद पूंजी का निर्माण नहीं कर सकता। वह केवल खरीद-फरोख्त ही कर सकता है, जो हमारी स्थितियों में महज मुनाफाखोरी और कालाबाजारी है। सच कहें तो चंद्रशेखर राष्ट्रवादी होने के साथ-साथ मानवतावादी भी थे।

अरविंद जयतिलक
लेखक

उनकी अवधारणा एक ऐसे समाजवादी समाज के निर्माण की थी, जहां भय, भूख और भ्रष्टाचार न हो। चतुर्दिक सुख और समृद्धि का प्रसार हो। सैकड़ों साल बाद भारतीय समाज का स्वरूप, चरित्र एवं चिंतन की व्याख्या का दायरा और उसके मूल्यों को मापने व परखने का मापदंड क्या होगा, इसकी भविष्यवाणी आज संभव नहीं है, लेकिन जब भी असमानता और अन्याय पर आधारित समाज के खिलाफ तनकर खड़े होने वाले शिल्पकारों का इतिहासपरक मूल्यांकन होगा, उस परिधि में समाजवाद के महानायक चंद्रशेखर सहज रूप से याद आएंगे। चंद्रशेखर का जन्म 1927 में पूर्वी उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के इब्राहिमपट्टी के एक किसान परिवार में हुआ। उनकी स्कूली शिक्षा भीमपूरा के रामकरन इंटर कालेज में हुई। उन्होंने स्नातकोत्तर की शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पूरी की।

युवा तुर्क कहे जाने वाले चंद्रशेखर विद्यार्थी राजनीति जीवन के समय ही एक फायरब्रांड नेता के रूप में स्थापित हो चुके थे। वे कॉलेज के दिनों से ही सामाजिक-राजनीतिक आंदोलनों में हिस्सा लेते थे और आगे बढ़कर उसकी अगुवाई करते थे। प्रारंभ से ही उनका रूझान समाजवाद की ओर था। नतीजतन वे शीध्र ही छात्र जीवन के बरअक्स समाजवादी राजनीति की धुरी बन गए।

1951 में वे सोशलिस्ट पार्टी के वर्कर बन गए, लेकिन जब सोशलिस्ट पार्टी में फूट पड़ी तो वे कांग्रेस में चले गए। वे 1962 से 1977 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। 1984 में भारत की पदयात्रा कर भारत की चिरंतन संस्कृति और सभ्यता को समझने की कोशिश की। उनकी इस पदयात्रा ने देश के तमाम शीर्षस्थ नेताओं के मन में हलचल पैदा कर दी।

इमर्जेंसी के बाद जब 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी, तो सभी दिग्गज नेताओं ने मंत्रिपद स्वीकारा, लेकिन चंद्रशेखर ने मंत्री पद नहीं लिया। उन्होंने जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद लेना स्वीकार किया। उनका मकसद जनसेवा के जरिए समाज में समाजवादी चेतना का विकास करना था। वे पहली बार 1977 में बलिया जिले से लोकसभा के सदस्य चुने गए। वर्ष 1990 में उन्हें प्रधानमंत्री बनने का मौका मिला, जब उनकी ही पार्टी के विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार भाजपा के समर्थन वापस लेने के उपरांत अल्पमत में आ गई। चंद्रशेखर के नेतृत्व में जनता दल में दो फाड़ हो गया। 64 सांसदों का धड़ा अलग हुआ। राजीव गांधी ने चंद्रशेखर को प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव दिया। कांग्रेस ने सात महीने बाद ही उनकी सरकार से समर्थन वापस ले लिया। कहा जाता है कि उन्होंने प्रधानमंत्री रहते हुए कभी भी सरकारी घर 7 रेसकोर्स रोड पर नहीं रहे। वे या तो तीन साउथ रेवेन्यू वाले घर में रहते या भोड़सी के भारत यात्रा आश्रम में।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नीतीश के भरोसे की विरासत संभाल पाएंगे 'सम्राट'!

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है, उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है, लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनि चौधरी की विरासत और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है।

राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था, बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया, बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है, लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है, लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे।

> नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे?

चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा।

बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है, लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है, क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है, बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

हाईकोर्ट की डेडलाइन खत्म हो चुकी है, लेकिन सरकार निकाय चुनाव नहीं करा रही है। कानून का लगातार उल्लंघन हो रहा है और संविधान की मूल भावना को चोट पहुंचाई जा रही है। राष्ट्रपति को दखल देना चाहिए और राज्यपाल से बात कर सुनिश्चित करना चाहिए कि चुनाव समय पर हों।
-अशोक गहलोत
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बौखलाए हुए हैं और बचकानी बातें कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी हमेशा कानून और न्यायालयों का सम्मान करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी ओबीसी आयोग की रिर्पोट की सिफारिशों की अनुपालना के पश्चात ही चुनाव करवाए जाने के लिए निर्देशित किया है।
-मदन दिलावर
शिक्षा मंत्री, राजस्थान

दोबारा बातचीत से पूर्व विश्वास बहाली की जरूरत

अमित नारायन
राजनीतिक विश्लेषक

इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई शांति वार्ता फिलहाल बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। जब वार्ता शुरू हुई थी, तभी यह कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें कोई हल नहीं निकलेगा। यह आशंका सच साबित हुई। अमेरिका अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है और ईरान अपनी मांग को लेकर। युद्ध विराम अभी जारी है। ट्रंप ने पुनः पाकिस्तान की धरती पर ईरान से वार्ता के संकेत दिए हैं। अब देखना यह है कि वार्ता कब होती है और दोनों देश क्या शर्तें रखते हैं। ईरान की सबसे बड़ी शर्त है कि उसे युद्ध में हुए नुकसान का मुआवजा मिले और होर्मुज जलडमरूमध्य में टोल वसूली का अधिकार मिले, लेकिन अमेरिका उसे यह छूट देने को तैयार नहीं है।

अमेरिका चाहता है कि ईरान अपनी लंबी दूरी की मिसाइलों पर कैपिंग करे और परमाणु बम बनाने की जिद छोड़ दे, पर ईरान इस शर्त पर राजी नहीं है। अब सवाल यही है कि जब दोनों देश अपनी-अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं, तो वार्ता कैसे सफल होगी और युद्ध विराम कब तक टिकेगा, हालांकि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य को घेर रखा है और उसकी सेना ने तो तेल लेकर जा रहे ईरानी जहाजों को भी रोक दिया है। अब उसकी इस कार्रवाई को उकसावा माना जा रहा है।

> ट्रंप ने पुनः पाकिस्तान की धरती पर ईरान से वार्ता के संकेत दिए हैं। अब देखना यह है कि वार्ता कब होती है और दोनों देश क्या शर्तें रखते हैं।

इस युद्ध का खामियाजा पूरी दुनिया भुगत रही है। युद्ध में शामिल न होने के बाद भी ईरान के हमले में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन जैसे देशों के तेल डिपो, बड़े-बड़े औद्योगिक कारखाने, पेयजल के स्रोत, हवाई अड्डे तबाह हो गए। उनके नागरिकों की मौत भी हुई। अब अमेरिका इन देशों के इंफ्रास्ट्रक्चर को दुरुस्त करने के नाम पर बड़े पैमाने पर कमाई करेगा। उसकी कंपनियां वहां निवेश करेंगी। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप इन देशों को बड़े पैमाने पर हथियार भी बेचेंगे। युद्ध में हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई इन्हीं देशों से करेंगे।

ईरान से संघर्ष में अमेरिका को 20 बिलियन डॉलर से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है, जबकि इससे कहीं ज्यादा का नुकसान खाड़ी में उसके सहयोगी देशों ने ईरानी हमले से झेला है। दुनिया के तमाम देशों में कच्चे तेल और गैस के लिए त्राहि- त्राहि मची हुई है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगे बिछाकर तमाम देशों के तेल और गैस से भरे जहाजों को रोक रखा है। सिर्फ कुछ मित्र देशों के जहाजों को ही उसने अनुमति दी है, वहां से गुजरने के लिए। ऐसे में तीन हजार से अधिक जहाज वहां तेल और गैस भरकर खड़े हैं। इस मौके का फायदा भी अमेरिका ही उठा रहा है। उसने तमाम देशों को तेल बेचने का ऑफर भी दे दिया है।

अमेरिका ने होर्मुज पर कब्जे की अपनी मंशा जाहिर कर दी है और उसे घेर कर यह घोषणा कर दी है कि जो देश ईरान को टोल देंगे, उनके जहाज को वह वहां से नहीं जाने देगा। चीन इस घेरेबंदी के बाद भी वहां से निकला, जबकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि उसने ईरान को टोल दिया था या नहीं। उधर, तेल भरे जहाज रोके जाने से ईरान नाराज है और उसने कड़ी प्रतिक्रया दी है। अब पाकिस्तान फिर से चीन की अंदरूनी मदद से ईरान को वार्ता के लिए मना रहा है. लेकिन विदेशी मामलों के जानकार मान रहे हैं कि दोबारा वार्ता तभी सफल होगी जब खुले मन से दोनों देश वार्ता की मेज पर बैठेंगे। दोनों पक्षों को अपनी- अपनी शर्तों में कुछ ढील देनी होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही पुनः वार्ता के संकेत दे रहे हैं, लेकिन उनके अड़ियल रुख से वार्ता की सफलता पर हर किसी को संदेह है। खाड़ी देशों और इजरायल में भारी तबाही मचाने के साथ ही अमेरिकी लड़ाकू विमानों और ड्रोन को गिराकर अपनी ताकत का अहसास कराने वाला ईरान अमेरिकी शर्तों पर झुकने को तैयार नहीं है। हां, उसने इस बात के संकेत जरूर दिए हैं कि अमेरिका कुछ झुकेगा तो वह भी झुकने को तैयार है। ईरान चाहता है कि उसे होर्मुज में टैक्स वसूली का अधिकार मिले। उसके यहां जो क्षति हुई है उसका मुआवजा मिले। साथ ही उसके ऊपर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंध हटें। यह शर्तें मानना अमेरिका के लिए कठिन है, क्योंकि इन शर्तों को मानने के बाद ट्रंप अपने देश की जनता के सामने हारे हुए योद्धा से कम नहीं दिखेंगे जो वह दिखना नहीं चाहते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मई माह में चीन का दौरा करने वाले हैं। इस दौरे से पहले वे ईरान पर निर्णायक जीत चाहते हैं, इसीलिए वे वार्ता के लिए दोबारा उतावले हैं। अगर ईरान उनकी शर्तें मान लेता है, तो ट्रंप आसानी से घोषित कर पाएंगे कि अमेरिका और उसके सहयोगी इजरायल ने यह युद्ध जीत लिया है, लेकिन ईरान आसानी से उन्हें इस युद्ध से बाहर नहीं निकालने देगा। ट्रंप यदि युद्ध जीत कर आते हैं, तो चीन पर वार्ता से पहले बड़ा दबाव होता वे खुद को जीते हुए योद्धा की तरह वहां पेश करते, लेकिन अब दबाव ट्रंप पर है, क्योंकि वे यहां बहुत लंबी-लंबी बातें नहीं कर पाएंगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

कन्फ्यूशियस की सलाह

ली वेई नाम का एक बूढ़ा आदमी महान दार्शनिक कन्फ्यूशियस के पास एक सवाल लेकर गया, जो आज भी बहुत से बुजुर्गों को परेशान करता है। अपनी पूरी ज़िंदगी औलाद के लिए लगा देने के बाद भी, हम बुढ़ापे में खुद को अकेला क्यों महसूस करते हैं?

ली वेई ने अपनी औलाद के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया।

सुनील सिंह
ब्लॉगर

उसने बहुत मेहनत की ताकि उन्हें कभी किसी चीज़ की कमी न हो। जब बच्चे बड़े हो गए और अपनी ज़िंदगी जीने लगे, तो ली वेई ने अपना घर बेच दिया और बेटे के पास रहने चला गया। यह सोचकर कि अब वह प्यार और अपनापन पाएगा, लेकिन उसे वह खुशी नहीं मिली। वे उसकी बातें आधे मन से सुनते, उसके सुझावों से चिढ़ जाते और उसकी मौजूदगी को बोझ समझने लगे।

ली वेई ने कन्फ्यूशियस से अपना दुख कह सुनाया, "गुरुजी! मैंने अपनी ज़िंदगी बच्चों के लिए दे दी। सोचा था उनके साथ रहकर सुकून मिलेगा, लेकिन मैं खुद को उनके बीच नापसंद महसूस करता हूं। ऐसा क्यों?"

कन्फ्यूशियस ने उसे तीन आसान सबक़ सिखाए।

पहला सबक- उन्होंने एक बर्तन को पानी से भर दिया और पूछा कि अगर इसमें और पानी डालूं तो क्या होगा?"

ली वेई ने कहा कि यह छलक जाएगा।

कन्फ्यूशियस बोले, "बिल्कुल, रिश्ते भी ऐसे ही होते हैं। जब हम खुद को ज़बरदस्ती किसी ऐसी जगह डालते हैं जो पहले से भरी हो, तो संतुलन बिगड़ जाता है।"

तुम अपने बच्चों के घर में फिर से केंद्र बनना चाहते हो, लेकिन अब उनकी ज़िंदगी और उनके बच्चे ही उनका केंद्र हैं।

दूसरा सबक- उन्होंने पास के दो पेड़ों की ओर इशारा किया। जब पेड़ बहुत पास-पास होते हैं तो क्या होता है?

ली ने कहा, "वे एक-दूसरे को रोकते हैं और कमजोर हो जाते हैं।"

कन्फ्यूशियस ने कहा, "ज़िंदगी में भी यही होता है। ज़्यादा नज़दीकी भी समस्या बन जाती है। बढ़ने के लिए जगह ज़रूरी है।"

तीसरा सबक- कन्फ्यूशियस ने रेत को कसकर मुट्ठी में पकड़ा। अब क्या होगा?

ली वेई ने कहा, "रेत फिसल जाएगी।"

कन्फ्यूशियस ने कहा, "रिश्ते भी ऐसे ही होते हैं। प्यार दबाव से नहीं टिकता। जितना तुम पकड़ने की कोशिश करोगे, वह उतना दूर जाएगा। आज़ादी दो, तो वह खुद तुम्हारे पास रहेगा।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

भारत के कुपोषण मुक्त होने में हैं कई चुनौतियां

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है, जिसका समाधान खोजने के उद्देश्य से साल 1975 में केंद्र सरकार ने समेकित बाल विकास सेवा योजना की शुरुआत की थी, इसके अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई, जिसका मकसद था कि छह वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और प्रारंभिक शिक्षा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा सके। बहुत हद तक यह योजना सफल भी रही है, लेकिन पिछले 50 वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी हम यह दावे के साथ नहीं कह सकते कि यह योजना शत-प्रतिशत सफल रही है।

इस समय देशभर में लगभग 13.9 लाख आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हो रहे हैं, जो दुनिया की सबसे बड़ी प्रारंभिक बाल देखभाल और पोषण व्यवस्था मानी जाती है। यह करीब आठ करोड़ से अधिक लाभार्थियों तक सेवाएं पहुंचा रही है। इस योजना के तहत छह प्रमुख सेवाएं प्रदान की जाती हैं, जिनमें पूरक पोषण, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा और जरूरत पड़ने पर रेफरल सेवाएं शामिल हैं। इन सेवाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि बच्चे जीवन के पहले छह वर्षों में शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ विकसित हों और गर्भवती महिलाओं को उचित पोषण मिल सके।

अल्पना कुमारी
एक्टिविस्ट

भारत में कुपोषण की समस्या लंबे समय से गंभीर रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार, आज भी देश में 35.5 प्रतिशत बच्चे कम कद, 32.1 प्रतिशत कम वजन वाले और 19.3 प्रतिशत अत्यधिक दुबले पाए जाते हैं। ये आंकड़े इस बात की ओर संकेत करते हैं कि समस्या अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है, लेकिन पिछले दशकों में इसमें कुछ सुधार अवश्य हुआ है। यदि पिछले तीन दशकों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो यह स्पष्ट होता है कि आंगनबाड़ी प्रणाली ने कुपोषण की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार लाने में भूमिका निभाई है। वर्ष 1992-93 में जहां बच्चों में कम कद की दर लगभग 52 प्रतिशत थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर 35.5 प्रतिशत रह गई। इसी प्रकार कम वजन वाले बच्चों की संख्या 53.4 प्रतिशत से घटकर 32.1 प्रतिशत तक पहुंची है।

इन उपलब्धियों के बावजूद चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि आंगनबाड़ी सेवाओं का लाभ सभी जरूरतमंद लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पा रहा है। देश में आंगनबाड़ी सेवाओं का उपयोग बढ़ा है, लेकिन 2016 से 2021 के बीच कुपोषण में जो कमी आई, उसमें आंगनबाड़ी सेवाओं का योगदान लगभग 9-12 प्रतिशत ही माना गया है। जो यह दर्शाता है कि योजना ने सकारात्मक प्रभाव डाला है, लेकिन इसे और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

हाल के वर्षों में सरकार ने आंगनबाड़ी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई नई पहलें शुरू की हैं। सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 योजना के तहत देशभर में लगभग दो लाख आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने की प्रक्रिया चल रही है। इनमें इंटरनेट सुविधा, डिजिटल उपकरण और स्वच्छ पेयजल जैसी व्यवस्थाएं शामिल की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्ण केंद्रो में परिवर्तित करने की भी योजना बनाई गई है, जिससे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

ऐसे हुआ वेल्क्रो का आविष्कार

वेल्क्रो का आविष्कार किसी बड़ी प्रयोगशाला में नहीं, बल्कि एक साधारण सैर के दौरान हुआ और यही इसे खास बनाता है। साल 1940 के दशक में स्विट्जरलैंड के इंजीनियर जॉर्ज डे मेस्ट्रल अपने कुत्ते के साथ जंगल में घूमने निकले। लौटकर उन्होंने देखा कि उनके कपड़ों और कुत्ते के बालों पर छोटे-छोटे कांटेदार बीज चिपके हुए हैं। आमतौर पर लोग इन्हें झटककर फेंक देते, लेकिन मेस्ट्रल ने ऐसा नहीं किया। उनकी जिज्ञासा जाग उठी-आखिर ये बीज इतनी मजबूती से चिपकते कैसे हैं?

उन्होंने इन बीजों को माइक्रोस्कोप से देखा और जो सामने आया, वह चौंकाने वाला था। बीजों पर बहुत बारीक हुक (कांटे) थे, जो कपड़े और बालों के रेशों में फंस जाते थे। बस, यहीं से एक अनोखा विचार जन्मा-क्या इसी सिद्धांत पर कोई कृत्रिम चीज बनाई जा सकती है? कई सालों की मेहनत और प्रयोगों के बाद उन्होंने 'हुक और लूप' प्रणाली पर आधारित एक फास्टनर तैयार किया। एक सतह पर छोटे-छोटे हुक और दूसरी पर मुलायम लूप दोनों को दबाते ही वे चिपक जाते और खींचते ही अलग हो जाते। 1955 में इस आविष्कार का पेटेंट हुआ और इसका नाम रखा गया 'वेल्क्रो'। शुरुआत में लोगों ने इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन जब नासा ने अंतरिक्ष मिशनों में इसका उपयोग किया, तब इसकी उपयोगिता दुनिया के सामने आई। आज वेल्क्रो जूतों, बैगों और कपड़ों से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक हर जगह इस्तेमाल हो रहा है-सिर्फ एक जिज्ञासा भरे सवाल की वजह से।

वैज्ञानिक के बारे में

जॉर्ज डे मेस्ट्रल का जन्म 1907 में स्विट्ज़रलैंड में हुआ था। वे बचपन से ही जिज्ञासु और आविष्कारशील स्वभाव के थे। केवल 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपना पहला पेटेंट हासिल कर लिया था, जो उनके वैज्ञानिक रुझान को दर्शाता है। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और प्रकृति से प्रेरणा लेकर नए विचार विकसित किए। उनका जीवन साधारण लेकिन प्रयोगधर्मी था, जहां वे रोज़मर्रा की चीजों में भी नवाचार के अवसर खोजते थे। वे अपने परिवार के साथ शांत जीवन बिताते हुए शोध और प्रयोगों में लगे रहे और 1990 में उनका निधन हो गया।

धूमकेतु के लिए रोमांचक माह अप्रैल

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

अप्रैल माह धूमकेतु दर्शन के लिए एक रोमांचक समय होगा, क्योंकि इस महीने में कम से कम दो प्रमुख धूमकेतु नग्न आंखों से या दूरबीन की मदद से दिखाई दे सकते हैं। ये धूमकेतु लंबी अवधि के (लॉन्ग-पिरियड) और आवर्ती (पिरियडिक) प्रकार के हैं। मुख्य रूप से दो धूमकेतु सी/2026 ए1 (मैप्स) और सी/2025 आर3 (पैनस्टार्स), जिनकी चमक अपेक्षाकृत अधिक होने की संभावना है। इसके अलावा, 10पी/टेम्पेल 2 जैसे अन्य धूमकेतु दूरबीन से दिखाई दे सकते हैं, लेकिन वे कम चमकीले होंगे। ध्यान दें कि धूमकेतु की चमक मौसम, वायुमंडलीय स्थितियों और उनके व्यवहार पर निर्भर करती है, इसलिए पूर्वानुमान बदल सकते हैं। भारत (उत्तर गोलार्ध) से देखने के लिए सामान्य दिशा और समय पर फोकस करना आवश्यक है।

सी/2026 ए1 (मैप्स)- संग्रेजिंग धूमकेतु

यह धूमकेतु 13 जनवरी, 2026 को चिली के अमैक्स1 वेधशाला में चार खगोलशास्त्रियों द्वारा खोजा गया। यह क्रूट्ज संग्रेजर समूह का सदस्य है, जो सूर्य के बहुत निकट से गुज़रने वाले धूमकेतु हैं। यह अब तक का सबसे पहले खोजा गया इनबाउंड क्रूट्ज धूमकेतु है (पेरिहेलियन से 11.5 सप्ताह पहले)। पेरिहेलियन एक खगोलीय अवधारणा है, जो सूर्य-केंद्रित कक्षाओं (जैसे ग्रहों, धूमकेतुओं या अन्य वस्तुओं की कक्षा) से संबंधित है। यह वह बिंदु है, जहां कोई वस्तु (जैसे पृथ्वी या धूमकेतु) अपनी कक्षा में सूर्य के सबसे निकट पहुंचती है। पेरी का अर्थ सबसे निकट और हेलियन का अर्थ सूर्य होता है। अर्थात सूर्य के चारों ओर घूमने वाली वस्तुओं की कक्षा आमतौर पर अंडाकार (एलिप्टिकल) होती है, न कि पूरी तरह गोलाकार। इसलिए इन पिंडों की दूरी हमेशा एक समान नहीं रहती।

संग्रेजिंग धूमकेतु के पेरिहेलियन की बात करें, तो 4 अप्रैल, 2026 को यह सूर्य की सतह से मात्र 7,48,000 किलोमीटर (4,65,000 मील) की दूरी पर रहेगा। यह सूर्य के व्यास का आधा हिस्सा जितना निकट है। इसकी अपेक्षित चमक की बात करें, तो यदि यह टूटा नहीं, तो इसकी चमक-4 मैग्निट्यूड तक पहुंच सकती है (शुक्र ग्रह जितनी चमकीली)। इससे पहले मार्च के अंत में बड़े शौकिया दूरबीनों से 13 मैग्निट्यूड पर दिखाई देगी, लेकिन अप्रैल में तेजी से चमक बढ़ेगी। लंबी पूंछ विकसित हो सकती है। अप्रैल में सूर्यास्त के बाद पश्चिम दिशा में मध्य-ट्वाइलाइट (अर्ध-अंधेरे) में दिखाई दे सकता है। दक्षिणी गोलार्ध में मार्च के अंत से ही दिखना शुरू हो सकता है, लेकिन उत्तर भारत से अप्रैल में पश्चिम क्षितिज पर निम्न ऊंचाई पर रहेगा। अप्रैल के मध्य के बाद यह सूर्य के करीब होने के कारण इसे देखना कठिन हो जाएगा।

सूर्यास्त के तुरंत बाद (लगभग 6-7 बजे आईएसटी) पश्चिम की ओर देखें, जहां यह शुक्र ग्रह के आसपास होगा। 8 अप्रैल को शुक्र के बहुत पास दिखाई दिया। नग्न आंखों से या छोटी दूरबीन से पूंछ दिख सकती है, लेकिन सूर्य के करीब होने से इसका दृश्यावलोकन कठिन होगा। इसे देखने के लिए अवरोध-रहित क्षितिज चुनें। यदि इस धूमकेतु की चमक-4 तक पहुंची, तो दिन के उजाले में भी दिख सकता है। संभावित जोखिम यह है कि सूर्य के निकट गर्मी और गुरुत्वाकर्षण से यह पूरी तरह टूट सकता है। यदि ऐसा हुआ, तो चमक कम हो जाएगी। फिर भी यदि बचा रहा, तो सूर्य के करीब होने से इसे देखना चुनौतीपूर्ण रहेगा।

अन्य धूमकेतु (दूरबीन आवश्यक)

10 पी/टेंपेल 2 एक आवर्ती धूमकेतु है, जिसकी कक्षीय अवधि 5 .5 वर्ष है। इसकी चमक 12 मैग्निट्यूड, शाम और सुबह के आकाश में (ऊंचाई 11–44 डिग्री) पर ओफ्यूकस तारामंडल में दिखाई देगा। यह दूरबीन से ही दिखेगा, नग्न आंखों से नहीं, क्योंकि इसका चरम अगस्त 2026 में होगा। इसे देखने के लिए शाम को पश्चिम या सुबह पूर्व दिखा में खोजें। एक अन्य धमकेतु सी/2024 ई1 (विएरझोस), जिसका 10 मैग्निट्यूड होगा, शाम में दिखाई देगा, लेकिन ये कम उल्लेखनीय हैं और शौकिया खगोलविदों के लिए यह भी दूरबीनों से दृष्टिगोचर होगा।

सी/2025 आर3 (पैनस्टार्स) - संभावित 'ग्रेट धूमकेतु'

2025 में पैनस्टार्स टेलीस्कोप द्वारा खोजा गया। यह धमकेतु 2026 की शुरुआत में चर्चा में आया। इसके पेरिहेलियन की बात करें, तो 19 अप्रैल, 2026 को सूर्य के सबसे निकट होगा। यह 3 से 7 मैग्निट्यूड के बीच चमकेगा। यदि 3 मैग्निट्यूड, तो नग्न आंखों से आसानी से दिखेगा। अप्रैल 2026 के मध्य (26 अप्रैल तक) सबसे अच्छा दिखाई देगा। यह पृथ्वी के सबसे निकट 26 अप्रैल को (73.2 मिलियन किमी दूर) होगा और सुबह के आकाश में दिखेगा। अप्रैल 11-12 को सूर्योदय से पहले पेगासस तारामंडल के पास दिखाई दिया था। वहीं अप्रैल 15 को यह ग्रेट स्क्वायर ऑफ पेगासस के निकट था। यह दक्षिणी गोलार्ध में अप्रैल के अंत में सूर्यास्त के बाद पश्चिम क्षितिज पर दिखाई देगा। इस धमकेतु को सूर्योदय से 1-2 घंटे पहले (लगभग 4-5 बजे आईएसटी) पूर्व दिशा में देखें। इसे पेगासस के आकाशगंगाओं के पास ढूंढें। दूरबीन या बाइनोकुलर के उपयोगी से इसे देखा जा सकता है, लेकिन यदि चमक 3 मैग्निट्यूड रही तो इसे नग्न आंखों से भी देखा जा सकेगा। नया चंद्रमा (17 अप्रैल के आसपास) के समय आकाश अंधेरा होगा, जो इसे देखने में बहुत आसानी रहेगी। इसे 2026 का ग्रेट धूमकेतु इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि यह धूमकेतु लंबी अवधि का है और चमकदार हो सकता है, लेकिन सूर्य के बीच से गुजरने (पृथ्वी और सूर्य के बीच) से चमक प्रभावित हो सकती है।

मरीन लाइफ

जेलीफिशः प्रकृति का पारदर्शी चमत्कार

जेलीफिश का शरीर बेहद मुलायम, पारदर्शी और जेल जैसा होता है, जिससे इन्हें 'समुद्री जेली' भी कहा जाता है। इनका शरीर लगभग 95 प्रतिशत पानी से बना होता है, इसलिए ये बहुत हल्की होती हैं और समुद्र की लहरों के साथ आसानी से तैरती रहती हैं। जेलीफिश की सबसे खास बात यह है कि इनमें दिल, दिमाग और हड्डियां नहीं होतीं, फिर भी ये लाखों वर्षों से पृथ्वी पर जीवित हैं।

जेलीफिश को दिल की आवश्यकता इसलिए नहीं होती, क्योंकि इनके शरीर में रक्त संचार (ब्लड सर्कुलेशन) की जटिल प्रणाली नहीं होती। इनके शरीर की संरचना इतनी सरल होती है कि पानी सीधे इनके ऊतकों

(टिश्यू) के बीच से गुजरता है। इसी पानी के माध्यम से ऑक्सीजन और पोषक तत्व शरीर के सभी हिस्सों तक पहुंच जाते हैं। इस प्रक्रिया को डिफ्यूजन कहा जाता है, जिससे ये बिना दिल और ब्लड वेसल्स के भी आसानी से जीवित रह पाती हैं। इनका शरीर मुख्य रूप से एक घंटी के आकार का होता है, जिसके नीचे लटकती हुई टेंटेकल्स होती हैं। इन टेंटेकल्स में सूक्ष्म डंक होते हैं, जिन्हें नेमाटोसिस्ट कहा जाता है। ये डंक शिकार को पकड़ने और खुद की रक्षा करने में मदद करते हैं। कुछ जेलीफिश का डंक इंसानों के लिए भी खतरनाक हो सकता है। जेलीफिश का अपना कोई विकसित दिमाग नहीं होता, लेकिन इनके पास एक सरल तंत्रिका जाल (nerve net) होता है, जो इन्हें अपने आसपास के वातावरण को महसूस करने में मदद करता है। ये प्रकाश और स्पर्श के प्रति प्रतिक्रिया कर सकती हैं, जिससे ये दिशा बदलने या खतरे से बचने में सक्षम होती हैं। एक और रोचक तथ्य यह है कि कुछ जेलीफ़िश प्रजातियां, जैसे कि 'अमर जेलीफिश', अपनी उम्र को वापस शुरुआती अवस्था में ले जाने की क्षमता रखती हैं, जिससे वे सैद्धांतिक रूप से अमर मानी जाती हैं। जेलीफिश समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये छोटे जीवों को खाकर संतुलन बनाए रखती हैं और खुद भी कई बड़े समुद्री जीवों के भोजन का स्रोत होती हैं। इस तरह, अपनी सरल संरचना के बावजूद, जेलीफिश समुद्र के जीवन चक्र में एक अहम कड़ी हैं।

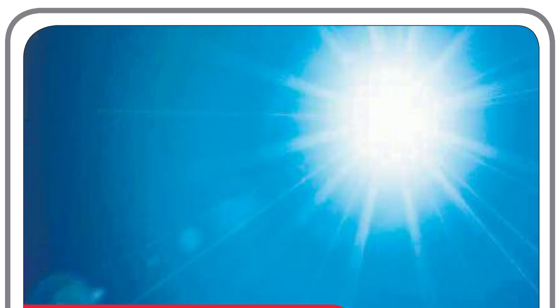

वैज्ञानिक फैक्ट

क्यों दिखाई पड़ता है आकाश का रंग नीला

साफ और धूप वाले दिन जब हम आसमान की ओर देखते हैं, तो वह हमें चमकीला नीला दिखाई देता है, जबकि शाम के समय वही आकाश लाल, नारंगी और गुलाबी रंगों में बदल जाता है। यह परिवर्तन प्रकृति के एक बेहद रोचक वैज्ञानिक सिद्धांत पर आधारित है, जिसे समझने के लिए हमें प्रकाश और वायुमंडल की भूमिका जाननी होती है। सूर्य से आने वाला प्रकाश देखने में भले ही सफेद लगता हो, लेकिन वास्तव में यह कई रंगों लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, जामुनी (इंडिगो) और बैंगनी का मिश्रण होता है। इन सभी रंगों की तरंगदैर्ध्य अलग-अलग होती है। लाल रंग की तरंगदैर्ध्य सबसे अधिक होती है, जबकि नीले और बैंगनी रंग की सबसे कम। कम तरंगदैर्ध्य वाले रंगों में ऊर्जा अधिक होती है और वे वातावरण में अधिक बिखरते हैं। जब सूर्य का प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है, तो वह गैसों (जैसे ऑक्सीजन और नाइट्रोजन), धूलकणों और जलवाष्प से टकराता है। इस टकराव के कारण प्रकाश का बिखराव होता है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में "रेले प्रकीर्णन" कहा जाता है। इस प्रक्रिया में नीले और बैंगनी रंग की तरंगें सबसे अधिक बिखरती हैं। हालांकि बैंगनी रंग का बिखराव अधिक होता है, फिर भी हमें आकाश नीला दिखाई देता है। इसका कारण यह है कि हमारी आंखें नीले रंग के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं और सूर्य से भी नीले प्रकाश की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक पहुंचती है।

दिन के समय सूर्य सिर के ऊपर होता है, जिससे प्रकाश को कम दूरी तय करनी पड़ती है और नीला प्रकाश हर दिशा में बिखरकर पूरे आकाश को नीला बना देता है, लेकिन सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सूर्य क्षितिज के पास होता है, जिससे प्रकाश को अधिक दूरी तय करनी पड़ती है। इस दौरान नीला और बैंगनी प्रकाश रास्ते में ही बिखर जाता है और हमारी आंखों तक मुख्यतः लाल, नारंगी और पीले रंग की किरणें पहुंचती हैं, जिससे आकाश का रंग बदल जाता है। ऊंचाई बढ़ने पर आकाश का रंग और गहरा नीला दिखाई देता है, क्योंकि वहां वायुमंडल पतला होता है और बिखराव कम होता है। अंतरिक्ष में तो लगभग कोई वायुमंडल नहीं होता, इसलिए वहां आकाश काला दिखाई देता है। इस प्रकार, आकाश का नीला रंग प्रकृति की एक सुंदर वैज्ञानिक प्रक्रिया का परिणाम है, जो हमें हर दिन एक नया और आकर्षक दृश्य प्रदान करती है।

सर्पविष का विज्ञान: संरचना और प्रभाव

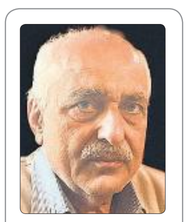

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

भारत में आदिकाल से सांप से संबंधित फोकलोर और वैज्ञानिक साहित्य उपलब्ध है। आयुर्वेद में विष चिकित्सा में इनका वर्णन है। अंग्रेजों के समय में भारत उपमहाद्वीप ही नहीं, बल्कि श्रीलंका और बर्मा में पाए जाने वाले सांपों की प्रजातियों और इनके जहर के बारे में विशेष अध्ययन और डॉक्यूमेंटेशन वर्क हुआ था। इन पुस्तकों में सभी किस्म सांपों के हाथ से बनाए गए रंगीन चित्र दिए गए हैं। इनके बारे में बहुत सा अध्ययन ब्रिटेन की लैब्स में उन दिनों अंग्रेज वैज्ञानिकों ने किया था और मनुष्य में सांप के काटने के बाद शरीर में फैलने वाले इन जहरों को बे-असर करने के उपाय विकसित किए गए थे। आधुनिक मॉलिक्यूलर बायोलॉजीकल अध्ययनों से विभिन्न जहरीले सांपों के जहर की विस्मित करने वाली संरचनाएं सामने आईं हैं। दवा उद्योग में सांपों के विभिन्न प्रकार के जहर की बड़ी मांग है, क्योंकि इस पर अरबों रुपये का उद्योग खड़ा किया गया है।

मनुष्य और पालतू पशुओं की जान बचाने के लिए या एन्वीनोमिंग के लिए जो एंटीबाडीज और अन्य उत्पाद दवा फैक्ट्रीज में बनाए जाए हैं, उससे पहले इन पर व्यापक अध्ययन किया जाता है और खास तरह की प्रोसस्सेस को विकसित किया जाता है। अब सांप के काटे का टीका बनाने के लिए घोड़ों का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बायोटेक्नोलॉजी और केमिकल विधियों से इन्हें बड़ी मात्रा में निर्मित करना सिद्ध किया जा चुका है।

लोग सांप के प्रति एक ही प्रकार का नजरिया रखते हैः मार देना। यह बिल्कुल प्रकृति विरुद्ध काम है। सांपों के परिवेश अर्थात हैबिटैट और व्यवहार का अध्ययन करने वाले कुछ और कहते हैं। भारत में सांपों की करीब 300 किस्में हैं और इनके रंग और हैबिटैट भी अलग है। इनमें से नाग अर्थात कोबरा, वाईपर की दो किस्में और करात ही जहरीले हैं। सांप प्रजातियों की खुराक अलग-अलग होती है। भारत में सभी सांप जहरीले नहीं हैं। इनमें चार प्रकार के जहर होते हैं। ये एक प्रकार के कुदरती एंजाइम अथवा प्रोटीन होते हैं और इनकी रासायनिक और मॉलिक्यूलर संरचना अलग-अलग तरह की होती है। ज्यादातर जहर चार प्रकार के असर वाले यथा न्यूरोटॉक्सिक, साइटोटॉक्सिक, हीमोटॉक्सिक और मायोटॉक्सिक हैं। अर्थात कोई जहर शरीर के नर्वस सिस्टम, दूसरा, रक्त कोशिकाओं, तीसरा शरीर के उत्तकों की कोशिकाओं और चौथा मांशपेशियों की कोशिकाओं को नष्ट करता है। सांप अपने शरीर में जहर का निर्माण अथवा सिंथेसिस शिकार को बेदम करने के लिए और अपनी रक्षा करने के लिए करते हैं। इन चारों किस्म के जहर का निर्माण करने के लिए सांप के शरीर में विशेष कोशिकाएं/ग्रंथियां होती हैं। विष का उत्पादन अत्यधिक विशिष्ट लार स्रावी ग्रंथियों के भीतर होता है। रूपांतरित ग्रंथियां अथवा एपिथीलियल कोशिकाएं विभिन्न प्रोटीन घटकों का संश्लेषण करती हैं। सांपों के जहर की एक बड़ी

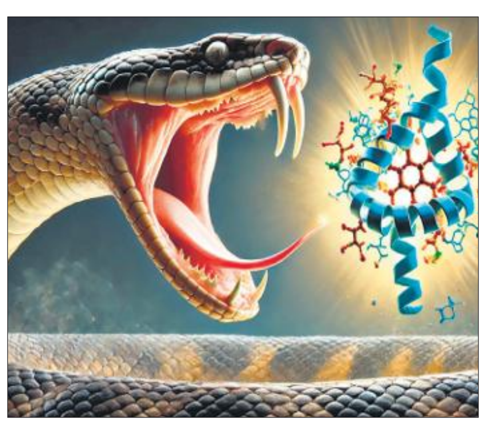

वैरायटी फोस्फोलायीपेज ए-2 डाइजेस्टिव एंजाइम से 'तेज विकास' की प्रक्रिया के जरिए विकसित हुई है। इन जहरों के अलग-अलग टिश्यू टारगेट, मेम्ब्रेन रिसेप्टर और सेल प्लाज्मा मेम्ब्रेन को बदलने के अलग-अलग तरीके होते हैं। जहर जैसे असरात दिखाने वाले फोस्फोलायीपेज ए-2 की किस्मों से होने वाले दो सबसे आम असर हैं न्यूरोटॉक्सिसिटी और मायोटॉक्सिसिटी।

विभिन्नताओं के बावजूद, सांप का जहर एक जैसा सेल्यूलर घाव कैसे पैदा करते हैं, जो विकास के नजरिए से बहुत ज्यादा सुरक्षित है। वे शुरू में प्लाज्मा मेम्ब्रेन में गड़बड़ी पैदा करते हैं, जिससे साइटोसोलिक कैल्शियम आयन Ca2+ की मात्रा में भारी बढ़ोतरी होती है, जिससे सेल का क्षरण होता है। यह प्रक्रिया उन तरीकों से होती है, जिसमें मांसपेशियों के सेल्स और न्यूरोमस्कुलर जंक्शन प्रभावित होते हैं। उक्त कैल्शियम आयन एक धनात्मक आवेश वाला आयन है और कई जैविक तथा शारीरिक प्रक्रियाओं के लिए जरूरी है। यह एक द्विसंयोजी धनायन है, जिसका मतलब है कि जब एक उदासीन कैल्शियम परमाणु अपने दो सबसे बाहरी इलेक्ट्रॉन खो देता है, तो उस पर +2 का आवेश आ जाता है।

इस धनात्मक आवेश के कारण यह ऋणात्मक आवेश वाले आयनों (ऋणायनों)-जैसे कि फॉस्फेट और कार्बोनेट, के साथ आयनिक बंध बना पाता है। यह प्रक्रिया कैल्शियम लवणों के निर्माण और हड्डियों के खनिजीकरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जहरों से होने वाले अलग-अलग सिस्टमिक पैथोफिजियोलॉजिकल नतीजे सेल टॉक्सिसिटी के अलग-अलग तरीकों की वजह से नहीं होते, बल्कि टारगेट किए गए टिश्यू और सेल्स की अंदरूनी शारीरिक और जैविक विशेषताओं की वजह से होते हैं। फोस्फोलायीपेज ए-2 एक ऐसा एंजाइम है, जो फॉस्फोलिपिड्स के हाइड्रोलिसिस को उत्प्रेरित करता है।

टॉक्सिन्स का अध्ययन

वाइपर सांप की किस्म के विष के मामले में, फोस्फोलायीपेज ए-2 द्वारा पैदा की गई स्थानीय विकृति अन्य विषाक्त घटकों -मुख्य रूप से जिंक-निर्भर मेटालोप्रोटीनेज, की क्रिया से और भी अधिक जटिल हो जाती है। ये घटक रक्तस्राव, फफोले और अन्य ऐसे बदलाव पैदा करते हैं, जो ऊतकों को व्यापक नुकसान पहुंचाने और ऊतकों के खराब पुनर्निर्माण के कारण होने वाले दीर्घकालिक परिणामों अर्थात सीक्वेली के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा, विषाक्त पदार्थों के कारण ऊतकों को होने वाला नुकसान बैक्टीरिया के संक्रमण के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। यह संक्रमण स्थानीय विकृति को और भी अधिक जटिल बना देता है और अंततः गैंग्रीन तथा ऊतकों के नष्ट होने का कारण बन सकता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रभावित अंग को काटकर अलग करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इन फोस्फोलायीपेज ए-2 टॉक्सिन्स के समूह का गहन अध्ययन किया जाता है, क्योंकि कई देशों में सर्पदंश से मरने वाले लोगों की बड़ी संख्या बहुत गंभीर है। टॉक्सिन्स का अध्ययन इसलिए भी किया जाता है, क्योंकि वे ऊतकों और कोशिकाओं की कार्यप्रणाली के अज्ञात पहलुओं को उजागर करने में मदद कर सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,988.68	24,196.75
गिरावट	122.56	34.55
प्रतिशत में	0.16	0.14

सोना 1,57,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,58,700 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन– तुलसी 2535, राज श्री 1960, फ़ॉर्चून कि. 2685, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2365, जय जवान 2095, सचिन 2300, सूरज 2095, अवसर 2065, उजाला 2100, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2300, चक्र टिन 2505, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2490

किराना– निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150

चावल (प्रति कु0)–डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन– मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10300–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12700

चीनी– पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4260

शेयरों में मुनाफावसूली से सेंसेक्स 123 अंक टूटा, निफ्टी 24,200 के नीचे बंद

अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर पर स्पष्टता का इंतजार, मिलेगी बाजार के रुख को दिशा

मुंबई, एजेंसी

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजारों में बृहस्पतिवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 123 अंक टूट गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,200 अंक के नीचे बंद हुआ। हाल की तेजी के बाद बैंक और वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरुआती बढ़त को गंवाते हुए 122.56 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,988.68 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और 78,730.32 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली से यह गिरावट के साथ 77,674.93 अंक के निचले स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 1,055.39 अंक का उतार-चढ़ाव आया। एनएसई निफ्टी भी 34.55 अंक यानी 0.14 प्रतिशत टूटकर 24,196.75 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक ऊंचे में 24,400.95 तक गया और नीचे में 24,102.80 अंक तक आया।

पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के संकेत के बीच दोनों मानक सूचकांकों में बुधवार को एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आई थी। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचडीएफसी बैंक में सबसे ज्यादा 1.75 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा

गिरावट वाले शेयर

टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस

ये रहे लाभ में

ट्रेंट, इटर्नल, अदाणी पोर्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फोसिस

बढ़त में रहे अन्य एशियाई बाजार

एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार दोपहर के कारोबार में सकारात्मक दायरे में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.51 प्रतिशत बढ़कर 96.36 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 666.15 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स बुधवार को 1,263.67 अंक बढ़कर 78,111.24 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 388.65 अंक बढ़कर 24,231.30 अंक पर रहा था।

एक्सपर्ट्स की राय

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू बाजार की शुरुआत सकारात्मक रही। हालांकि, उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सौदों की साप्ताहिक समाप्ति के दिन बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। निवेशकों ने हाल की बढ़त के बाद मुनाफा वसूली की। बाजार को अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर पर स्पष्टता का इंतजार है, जो निकट भविष्य के बाजार के रुख को दिशा देगा।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि भारतीय बाजार में आज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पश्चिम एशिया के प्रति बाजार धारणा संवेदनशील है। क्षेत्रवार रुझान मिलाजुला रहा। धातु, आईटी और ऊर्जा शेयरों ने सूचकांक को सहारा दिया, जबकि बैंक और वाहन शेयरों पर कुछ दबाव देखने को मिला।

यूपी रेरा ने लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद समेत आठ जिलों में दी स्वीकृति

1300 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित होंगी 13 परियोजनाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर बैठक करते अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी।

अमृत विचार : लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, गाजियाबाद, वाराणसी, गौतमबुद्ध नगर व मथुरा में 1,300.38 करोड़ के निवेश से 13 परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। गुरुवार को उप्र विनियामक प्राधिकरण (रेरा) की 200वीं बैठक में परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

इनमें बिल्डरों द्वारा 1,976 आवासीय और व्यावसायिक इकाइयां निर्मित करके भूखंड, फ्लैट, विला व दुकानें आदि बिक्री किए जाएंगे। न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में बैठक हुई। निवेश और इकाइयों की संख्या में गाजियाबाद अग्रणी रहा। जहां 767.58 करोड़ की लागत से दो आवासीय परियोजनाओं में कुल 1,137 इकाइयां निर्मित करने को मंजूरी दी गई।

लखनऊ में सबसे अधिक 66.55 करोड़ की कुल पांच परियोजनाएं स्वीकृत की गईं। इनमें दो आवासीय, दो व्यावसायिक और एक मिश्रित उपयोग की परियोजना में 404 इकाइयां विकसित की जाएंगी।

- **1,976 व्यावसायिक व आवासीय इकाई निर्मित करेंगे बिल्डर**
- **बरेली में 16.33 करोड़ की आवासीय परियोजना मंजूर**

बरेली में 16.33 करोड़ रुपये लागत की एक आवासीय परियोजना स्वीकृत की गई। इस परियोजना में 84 आवासीय इकाइयां निर्मित की जाएंगी। इसके अलावा गौतमबुद्ध नगर में 141.14 करोड़ रुपये की एक व्यावसायिक परियोजना में 21 इकाई, मथुरा में 160.93 करोड़ रुपये की एक आवासीय परियोजना में 198 इकाई, सहारनपुर में 131.49 करोड़ रुपये से एक आवासीय परियोजना में 83 इकाई विकसित की जाएंगी।

इसी तरह वाराणसी में 2.50 करोड़ रुपये से एक व्यावसायिक परियोजना में 20 इकाइयां व मुरादाबाद में 13.86 करोड़ रुपये से एक आवासीय परियोजना में 29 इकाइयां स्वीकृत की गईं।

लगातार मांग से चांदी 1700 रुपये चढ़ी, सोना टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 1,700 रुपये बढ़कर 2.58 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसकी वजह लगातार मांग और मज़बूत वैश्विक रुख था, जबकि निवेशक भू-राजनीतिक घटनाक्रम और मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर नज़र रखे हुए थे। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी 1,700 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 2,58,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई, जबकि पिछली सत्र में यह 2,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, 99.9 प्रतिशत वाला सोना 200 रुपये टूटकर 1,57,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया। बुधवार को, सोने की कीमत 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

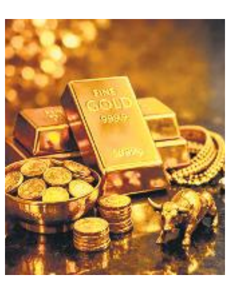

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि बृहस्पतिवार को सोने में सीमित दायरे में कारोबार हुआ, जो मिले-जुले बाजार संकेतों को दिखाता है।

वैश्विक वृद्धि में मुख्य भूमिका निभाएगा एशिया : आईएमएफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि एशिया वैश्विक वृद्धि का मुख्य चालक बना रहेगा, जिसमें भारत और चीन क्षेत्रीय विस्तार में 70 प्रतिशत का योगदान देंगे। साथ ही संगठन ने यह भी कहा कि खाड़ी संकट के कारण ऊर्जा का झटका इस क्षेत्र को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा।

आईएमएफ ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि अमेरिकी शुल्क और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते क्षेत्रीय वृद्धि दर के 2026 में घटकर 4.4 प्रतिशत और 2027 में 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह आंकड़ा 2025 में 5% था।

आईएमएफ के एशिया प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने यहां पत्रकारों से कहा कि एशिया ने 2026 में एक मजबूत स्थिति के साथ प्रवेश किया है और अमेरिकी शुल्कों तथा बढ़ती अनिश्चितता का खामियाजा भुगतने के बावजूद क्षेत्र की वृद्धि दर जुझारू बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की जीवाश्म ईंधन पर उच्च निर्भरता और प्रमुख वस्तुओं के लिए संघर्ष वाले क्षेत्रों पर निर्भरता को देखते हुए, ऊर्जा का नया झटका उन्हें नकारात्मक रूप से प्रभावित करेगा। इससे मुद्रास्फीति बढ़ रही है, बाहरी संतुलन कमजोर हो रहा है और वित्तीय मोर्चे पर सख्ती बढ़ रही है।

बिजनेस ब्रीफ

भारत-न्यूजीलैंड 27 को करेंगे एफटीए पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस मुक्त व्यापार समझौते का उद्देश्य घरेलू निर्यातकों के सामान को न्यूजीलैंड के बाजार में बिना किसी शुल्क के प्रवेश दिलाना है।

साथ ही इससे अगले 15 साल में 20 अरब डॉलर का निवेश आएगा। दोनों देशों ने पिछले साल 22 दिसंबर को व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इसका लक्ष्य अगले पांच साल में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर पांच अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

SIP: छोटे कदम, बड़ा निवेश

कारोबार डेस्क

आज के समय में निवेश की दुनिया तेजी से बदल रही है। ऐसे में SIP अर्थात सिस्टेमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान, आम निवेशकों के बीच एक लोकप्रिय और भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है। एसआईपी के जरिए आप म्यूचुअल फंड में नियमित रूप से छोटी-छोटी रकम निवेश कर सकते हैं, जिससे लंबे समय में अच्छा फंड तैयार हो सकता है। आइए समझते हैं कि क्या है एसआईपी और यह कैसे हमारे पैसे को बढ़ाता है–

क्या है एसआईपी

- SIP एक ऐसी निवेश पद्धति है जिसमें आप हर महीने (या तय अवधि पर) एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यह निवेश बाजार के उतार-चढ़ाव के हिसाब से यूनिट्स खरीदता है। जब बाजार नीचे होता है तो ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब ऊपर होता है तो कम—इसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहते हैं।

क्यों है SIP फायदेमंद

- **छोटे निवेश से शुरुआत :** आप 100 या 500 रुपये महीने से भी शुरू कर सकते हैं।
- **अनुशासन बनाता है :** नियमित निवेश की आदत डालता है।
- **कंपाउंडिंग का लाभ :** समय के साथ आपका पैसा तेजी से बढ़ सकता है।
- **मार्केट टाइमिंग की चिंता नहीं :** बाजार कब ऊपर या नीचे जाएगा, इसकी चिंता कम हो जाती है।

आसानी से समझें

- **क्या SIP सुरक्षित है?**
–एसआईपी खुद में सुरक्षित या असुरक्षित नहीं है, यह उस म्यूचुअल फंड पर निर्भर करता है जिसमें आप निवेश कर रहे हैं। इक्विटी फंड में जोखिम अधिक होता है, जबकि डेट फंड अपेक्षाकृत सुरक्षित होते हैं।
- **क्या बीच में एसआईपी बंद कर सकते हैं?**
–हाँ, एसआईपी को कभी भी रोका या बदला जा सकता है। इसमें कोई पेनाल्टी नहीं होती। हालांकि ये हर महीने जमा करते हैं लेकिन डाकघर की आरडी से अलग और लाभकारी है।
- **मार्केट गिरने पर क्या करें?**
–अधिकांश निवेशक घबरा जाते हैं, लेकिन यही समय SIP जारी रखने का होता है क्योंकि आपको सस्ती यूनिट्स मिलती हैं।
- **सबसे जरूरी सलाह**
–सिर्फ हाई रिटर्न देखकर फंड न चुनें। फंड का चुनाव उसके पिछले 3–5 साल का प्रदर्शन देखकर उसका विश्लेषण करने के बाद लें। बेहतर होगा किसी वित्तीय सलाहकार के माध्यम से चुनें।

निवेश से पहले ध्यान रखने योग्य बातें

- अपने लक्ष्य (जैसे बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट) स्पष्ट करें।
- जोखिम सहने की क्षमता समझें।
- सही फंड का चयन करें (एक्सपर्ट की सलाह लें तो बेहतर)
- लक्ष्य प्राप्ति और बड़ा फंड एकत्र करने के लिए लंबी अवधि जैसे 5 से 10 वर्ष तक निवेश का नजरिया रखें।
- निरंतरता बनाए रखें, चाहे बाजार चढ़े या गिरावट आए।

आदर्श SIP पोर्टफोलियों

- अगर आप 500–1000 SIP शुरू कर रहे हैं :
- 40% Flexi Cap Fund
  30% Large Cap Fund
  30% Mid/Small Cap
- इससे आपका जोखिम संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी अच्छी होगी।

काम की बात

- SIP आम निवेशक के लिए एक आसान, लचीला और प्रभावी निवेश तरीका है। सही योजना और धैर्य के साथ यह आपके वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मजबूत सहायक बन सकता है। निवेश में जल्दबाजी नहीं, निरंतरता ही सफलता की कुंजी है। ...तो एसआईपी में निवेश कर बढ़ाएं अपना धन। ...शुभ निवेश

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

बंगाल की समस्याओं का हल है भाजपा की डबल इंजन सरकार : योगी आदित्यनाथ

रामपुरहाट (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल के रामपुरहाट में एक जनसभा के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में भ्रष्टाचार, जबरन वसूली और माफिया राज ने पश्चिम बंगाल को पहचान के संकट में धकेल दिया है।

योगी आदित्यनाथ ने भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में बीरभूम जिले के रामपुरहाट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल के लोगों को अब तृणमूल कांग्रेस की जरूरत नहीं है और मतदाताओं से आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों से बंगाल पहचान के संकट का सामना कर रहा है। तृणमूल कांग्रेस सरकार में आतंक, जबरन वसूली, भ्रष्टाचार और माफिया राज प्रदेश की पहचान बन गए हैं। आम लोगों, खासकर महिलाओं और युवाओं के बीच डर का माहौल उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि लोग खौफ में जी रहे हैं। बेटियां और बहनें सुरक्षित नहीं हैं, युवाओं का कोई भविष्य नहीं है और राजनीतिक संरक्षण में माफिया पनप रहे है। भाजपा इस माफिया संस्कृति को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने से पहले के हालात की तुलना पश्चिम बंगाल से करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि उनका राज्य भी कभी लगातार दंगों, कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का गवाह रहा था। उन्होंने कहा कि बंगाल में आज जो स्थिति दिख रही है, वह नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में थी।

अभिषेक ने अमित शाह को दी मतगणना के दिन मौजूद रहने की चुनौती

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल चुनावों से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहने की बृहस्पतिवार को चुनौती दी। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भगवानपुर में एक चुनावी रैली में बनर्जी ने कहा कि अगर आपमें हिम्मत है, तो मतगणना के दिन कोलकाता में मौजूद रहें, तब हम देखेंगे। उन्होंने ममता बनर्जी के चौथी बार सत्ता में लौटने का विश्वास व्यक्त किया। मतगणना चार मई को होगी। भाजपा नेताओं से धमकियां मिलने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि हमें धमकियां मिल रही हैं। गृह मंत्री कह रहे हैं कि तृणमूल कार्यकर्ता अपने घरों से बाहर न निकलें वरना उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि किसी में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह यहां आकर बंगाल के लोगों को धमकाए।

महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन को जोड़ना साजिश है: बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि महिला आरक्षण कानून में संशोधन और परिसीमन आयोग के गठन से संबंधित विधेयकों को कथित तौर पर आपस में जोड़ना मतदाता सूची से मतदाताओं के नाम हटाने और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू करने की साजिश है।

बनर्जी ने कूच बिहार जिले के माथाभंगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों को जोड़कर भारत को बांटने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों को आपस में जोड़कर भारत को बांटने की कोशिश की जा रही है। इन विधेयकों को आपस में जोड़ना मतदाताओं के नाम हटाने और एनआरसी को लागू करने की साजिश है।

जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

बता दें कि सरकार ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन और परिसीमन से संबंधित तीन विधेयकों को पेश किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' और 'परिसीमन विधेयक, 2026' पेश किए, वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026' पेश किया।

बनर्जी ने कहा कि महिलाओं के लिए आरक्षण विधेयक तो बहुत पहले ही पारित हो चुका था, फिर इसके कार्यान्वयन में देरी क्यों हुई? तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने दावा किया कि लोकसभा में उसके निर्वाचित सांसदों में से 37 प्रतिशत महिलाएं हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बुधवार को पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान कथित तौर पर कार्ड बांटने का जिक्र करते हुए, बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का कथित उल्लंघन करने के लिए उन्हें (सीतारमण) पद से हटाने की चुनौती दी।

लोगों को संबोधित करते तमिलनाडु के सीएम स्टालिन।

तमिलनाडु : स्टालिन ने जलाई परिसीमन विधेयक की प्रति, इसे बताया 'काला कानून'

चेन्नई/नामक्कल, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को परिसीमन विधेयक की एक प्रति जलाकर उसे काला कानून करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विधेयक तमिल लोगों को उनकी अपनी ही भूमि में शरणार्थी बनाने का प्रयास है। महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम पर संसद के बजट सत्र की विशेष बैठक से कुछ घंटे पहले स्टालिन ने काला झंडा दिखाया, केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई परिसीमन विधेयक की एक प्रति जलाई और नारे लगाए। मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार के सिलसिले में पश्चिमी तमिलनाडु के नामक्कल में हैं और वहां उन्होंने विधेयक की प्रति जलाई। स्टालिन और काले वस्त्र पहने अन्य लोगों ने इस बीच नारे लगाए। उन्होंने 'पोराडावोम, वेलवोम ओन्द्रगा (आइए हम मिलकर संघर्ष करें, साथ मिलकर जीतें) का नारा भी लगाया। स्टालिन द्वारा विधेयक की प्रति जलाने के बाद पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विधेयक की प्रतियां जलाईं। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान मदुरै में विधेयक की एक प्रति जलाई। उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि परिसीमन केंद्र सरकार के हाथों में राज्य के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को खत्म करने का एक हथियार है।

जनसम्पर्क करते टीवीके प्रमुख विजय।

चुनाव घोषणा पत्र : टीवीके प्रमुख बोले- महिलाओं को 2500 रुपये मासिक देंगे

चेन्नई, एजेंसी। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी का घोषणापत्र जारी किया जिसमें महिलाओं के लिए 2,500 रुपये की मासिक सहायता और निर्धन तबके की महिलाओं की शादी के वास्ते आठ ग्राम सोना देने का वादा किया गया है। विजय ने इन महिलाओं की शादी के लिए सोने के अलावा उच्च गुणवत्ता वाली रेशम की एक साड़ी देने का भी वादा किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों के वास्ते पांच लाख रुपये तक के ब्याज मुक्त ऋण और बच्चों को बीच में पढ़ाई छोड़ने से रोकने के लिए माताओं को प्रतिवर्ष 15 हजार रुपये देने का भी आश्वासन दिया। विजय ने पांच एकड़ से कम भूमि वाले किसानों के लिए पूर्ण सहकारी फसल ऋण माफी और धान के लिए 3,500 रुपये प्रति क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का वादा किया।

अमृत विचार

वर्ल्ड ब्रीफ

इजराइल के हमलों में चार लेबनानी राहत कर्मियों की मौत

टायरे। इजराइली सेना के बुधवार को लगातार तीन लक्षित हमलों में चार लेबनानी बचावकर्मी मारे गए और छह घायल हो गए। यह घटना नबातिएह के पास स्थित दक्षिणी गांव मयफदौन में हुई, जहां पहले हमले में घायल नागरिकों की मदद के लिए पहुंचे बचावकर्मियों को निशाना बनाया गया। दूसरे हमले में, पहले से घायल साथियों की सहायता करने पहुंचे दल को निशाना बनाया गया, जबकि तीसरा हमला उन राहतकर्मियों पर हुआ जो पहले दो समूहों की मदद के लिए पहुंचे थे। लेबनान ने इन हमलों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। इस्लामिक हेल्थ कमेटी के अधिकारी अबू हैदर हया ने कहा कि राहतकर्मियों को निशाना बनाना संकेत है कि इस युद्ध में कोई सीमा रेखा नहीं बची है।

लश्कर ए तैयबा के सह संस्थापक को लाहौर में गोली मारी, घायल

लाहौर। पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा आतंकी समूह का सह संस्थापक आमिर हमजा बृहस्पतिवार को लाहौर में मोटरसाइकिल पर सवार अज्ञात बंदूकधारियों के हमले में गोली लगने से घायल हो गया। हमजा को लश्कर ए तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद के बाद दूसरा सबसे महत्वपूर्ण नेता माना जाता है। सईद आतंकी वित्तपोषण मामलों में कई वर्षों की सजा के बाद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है। अज्ञात बंदूकधारियों ने गृह मंत्री मोहसिन नकवी के स्वामित्व वाले निजी टीवी चैनल '24 न्यूजएचडी टीवी' के वाहन पर गोलीबारी की। चैनल के धार्मिक कार्यक्रम के मेजबान न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नजीर अहमद गाजी और हमजा वाहन में सवार थे। इस हमले में हमजा को गोली लगी जबकि गाजी बाल-बाल बच गए।

नीदरलैंड्स में जेलेंस्की को अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा

मिडलबर्ग। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को बृहस्पतिवार को एक समारोह में प्रतिष्ठित इंटरनेशनल फोर फ्रीडम अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जेलेंस्की को यह पुरस्कार रूस द्वारा चार वर्ष से अधिक समय पहले शुरू किए गए युद्ध के जवाब में उनके और उनके देश के साहस और दृढ़ता के लिए रूजवेल्ट फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया। रूजवेल्ट फाउंडेशन की स्थापना 1982 में की गई थी। फाउंडेशन के अध्यक्ष ह्यूगो डी जोंगे ने बृहस्पति को कहा, हम यूक्रेन की जनता के अटूट साहस और दृढ़ संकल्प व उनके राष्ट्रपति जेलेंस्की के दृढ़ व संकल्पित नेतृत्व को सर्वोच्च सम्मान देते हैं। नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री रॉब जेटेन ने जेलेंस्की को सम्मानित किया।

ईरान युद्ध : यूरोप में बढ़ा संकट, सिर्फ छह सप्ताह के लिए बचा विमान ईंधन

आईआईए ने सबसे बड़ा ऊर्जा संकट करार दिया, कहा- युद्ध जारी रहा तो रद्द होंगी उड़ानें

पेरिस, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के प्रमुख फातिह बिरोल ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि यूरोप के पास संभवतः करीब छह हफ्ते का विमान ईंधन ही बचा है और यदि ईरान युद्ध के कारण तेल आपूर्ति बाधित रहती है तो जल्द ही उड़ानें रद्द करने की नौबत आ सकती हैं।

आईईए के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल ने एक साक्षात्कार में पश्चिम संकट के वैश्विक प्रभावों की गंभीर स्थिति बयां करते हुए इसे अब तक का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट करार दिया जो दरअसल होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल, गैस एवं अन्य महत्वपूर्ण आपूर्ति के बाधित होने से पैदा हुआ है। बिरोल ने कहा, पहले डायर (भयानक) स्ट्रेट्स नाम का एक समूह था। अब यह सचमुच एक डायर स्ट्रेट बन गया है और इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ेगा। यह जितना लंबा चलेगा, वैश्विक आर्थिक वृद्धि और महंगाई के लिए उतना ही खराब होगा। बिरोल ने कहा कि इसका प्रभाव पेट्रोल (गैसोलीन) की ऊंची कीमतें, गैस की बढ़ती कीमतें और बिजली की महंगी दरों के रूप में दिखाई देगा जबकि दुनिया के कुछ हिस्से दूसरों की तुलना में अधिक प्रभावित होंगे।

उन्होंने कहा, सबसे ज्यादा असर एशियाई देशों पर पड़ेगा जो पश्चिम एशिया से ऊर्जा पर निर्भर हैं जिनमें जापान, दक्षिण कोरिया, भारत, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं। इसके बाद इसका प्रभाव यूरोप और अमेरिका पर पड़ेगा। उन्होंने आगाह किया कि यदि होर्मुज नहीं खुलता है तो जल्द ही हम यह खबर सुन सकते हैं कि विमान ईंधन की कमी के कारण एक शहर से दूसरे शहर के लिए उड़ानें रद्द की जा सकती हैं।

अमेरिकी सीनेट में युद्ध रोकने का प्रस्ताव खारिज

वाशिंगटन। अमेरिका की सीनेट ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को रोकने वाले प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस पहल का 52 सीनेटरों ने विरोध और 47 ने समर्थन किया। यह वोट इस साल चौथी बार है जब सांसदों ने इसकी वैधता और दायरे को लेकर जताई गई चिंताओं के बावजूद औपचारिक मंजूरी के बिना यह युद्ध जारी रखने की अनुमति दी है।

अराघची ने मुनीर से कहा- गैरकानूनी युद्ध के स्थायी अंत की शर्तों को देंगे प्राथमिकता

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनके देश पर थोपे गए गैरकानूनी युद्ध के निर्णायक और स्थायी अंत की शर्तें उनकी प्राथमिकता हैं और अमेरिकी मीडिया में उसके रुख को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान के प्रयासों के लिए आभारी हैं और हमने कभी इस्लामाबाद जाने से इन्कार नहीं किया। हमारे लिए अहम है कि हम पर थोपे गए इस गैरकानूनी युद्ध का निर्णायक और स्थायी अंत किन शर्तों पर होगा। अराघची ने बुधवार को तेहरान में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात के दौरान यह बात कही। उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मुनीर के साथ पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय, सुरक्षा संस्थानों और तकनीकी विशेषज्ञों के प्रतिनिधि शामिल थे।

वार्ता के दूसरे दौर की तारीख अभी तय नहीं : पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के दूसरे दौर के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी का यह बयान उन खबरों के बीच आया है कि पाकिस्तानी पक्ष द्वारा ईरानी नेतृत्व सहित क्षेत्रीय नेताओं के साथ किए गए हालिया संपर्क के बाद बातचीत का एक और दौर संभव है।

चीन के बदले सुर, कहा- होर्मुज खोलना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा मांग

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है। तेहरान के अमेरिका के साथ युद्ध के दौरान इस अहम समुद्री मार्ग पर दबाव बढ़ाने के बीच बीजिंग की ओर यह पहली अपील है। वांग यी ने बुधवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर बातचीत के दौरान अंतरराष्ट्रीय नौवहन की स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी मांगी। वांग की यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान का एक मध्यस्थता प्रतिनिधिमंडल बुधवार को तेहरान पहुंचा, जहां उसने इस्लामाबाद में अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता के लिए नए शांति प्रस्तावों पर चर्चा की। ईरान का करीबी सहयोगी और उसके तेल का सबसे बड़ा आयातक चीन भी अमेरिकी नाकेबंदी से बढ़ते ऊर्जा संकट को लेकर चिंतित है। इस नाकेबंदी के कारण ईरान के बंदरगाहों से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है।

विफल हो रहा है अखिल भारतीय सेवा के निर्माण का उद्देश्य..ये देश का दुर्भाग्य

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच अविश्वास को उजागर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को चुनाव निकाय की ओर से राज्य में 1,000 से अधिक प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के तबादलों को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह देश का दुर्भाग्य है कि अखिल भारतीय सेवाओं के निर्माण का उद्देश्य विफल हो रहा है।

हालांकि सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने इस विवादास्पद कानूनी प्रश्न को भविष्य में विचार के लिए खुला रखा कि क्या निर्वाचन आयोग को चुनाव वाले राज्यों में प्रशासनिक परिवर्तन करने से पहले संबंधित राज्य से परामर्श करने की आवश्यकता है। सीजेआई ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की कवायद में न्यायालय को न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति करनी पड़ी क्योंकि पक्षों के बीच विश्वास की कमी थी। पीठ ने कहा, आयोग को राज्य सरकार के अधिकारियों पर भरोसा नहीं है और राज्य को उनके आयोग द्वारा लाए गए अधिकारियों पर भरोसा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 31 मार्च के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा अधिकारियों के तबादलों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अर्का कुमार नाग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बनर्जी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद पश्चिम बंगाल में लगभग 1,100 अधिकारियों का रातोंरात तबादला कर दिया गया। पहली बार किसी राज्य के मुख्य सचिव का इस तरह से तबादला किया गया है। पीठ ने टिप्पणी की, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है या ऐसा सिर्फ इसी राज्य में नहीं हुआ है। बनर्जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग को इस तरह तबादलों से पहले राज्य से परामर्श करने की आवश्यकता है। सीजेआई ने पूछा, जिन अधिकारियों का तबादला हुआ है, वे सभी पश्चिम बंगाल कैडर के हैं। ऐसा नहीं है कि अन्य राज्यों के अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। बनर्जी ने कहा कि याचिकाकर्ता यह तर्क नहीं दे रहा है कि न्यायालय को अधिकारियों के तबादलों पर रोक लगानी चाहिए, बल्कि उसने इस मामले में कानून का एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है। पीठ ने कहा, हम उचित मामले में इस पर निर्णय लेंगे। हम कानून के प्रश्न को खुला रखेंगे।

● सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में अधिकारियों के तबादलों के खिलाफ दायर याचिका पर की टिप्पणी

मुस्लिम पर्सनल लॉ के प्रावधानों के खिलाफ याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को केंद्र से उस जनहित याचिका पर जवाब मांगा जिसमें मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। याचिका में इन प्रावधानों को इस आधार पर चुनौती दी गई है कि ये महिलाओं के खिलाफ कथित तौर पर भेदभावपूर्ण हैं। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ताओं पौलोमी पाविनी शुक्ला और न्याय नारी फाउंडेशन की ओर से मामले में पेश हुए वकील प्रशांत भूषण की दलीलों पर गौर किया और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को नोटिस जारी किया।

सैन्य संघर्ष किसी समस्या का हल नहीं हो सकता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया एक बेहद तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है, जिससे सभी देश प्रभावित हो रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह कहते हुए यूक्रेन और पश्चिम एशिया में स्थायी शांति लाने की अपील की कि सैन्य संघर्ष से किसी भी समस्या का हल नहीं हो सकता।

मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ व्यापक वार्ता के बाद यह टिप्पणी की, जिसमें व्यापार, रक्षा और अवसंरचना के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। अपनी वार्ता में मोदी और स्टॉकर ने पश्चिम एशिया और यूक्रेन में संघर्षों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें कम करने के लिए संयुक्त रूप से काम करने का संकल्प लिया। ऑस्ट्रिया के चांसलर विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से चार दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को नयी दिल्ली पहुंचे। भारत की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में कहा, पूरी दुनिया बहुत ही गंभीर और तनावपूर्ण स्थिति से गुजर रही है और यह स्थिति हम सब को प्रभावित कर रही है। ऐसे तनावपूर्ण वैश्विक माहौल में भारत और ऑस्ट्रिया इस बात पर एकमत हैं कि सैन्य संघर्ष से समस्याओं का हल नहीं हो सकता। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम एक स्थिर, टिकाऊ और स्थायी शांति का समर्थन करते हैं।

● प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ वार्ता के बाद की टिप्पणी

छह समझौतों पर दोनों पक्षों ने किए हस्ताक्षर

मोदी-स्टॉकर वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें एक समझौता भारतीय और ऑस्ट्रियाई कंपनियों को एक-दूसरे के यहां निवेश करने में सहायता के लिए एक त्वरित तंत्र स्थापित करने से संबंधित है। सैन्य क्षेत्र में सहयोग के लिए भी एक समझौता किया गया। मोदी ने स्टॉकर की यात्रा को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और भारत में रेलवे के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा पहल सहित कई इंजीनियरिंग परियोजनाओं में ऑस्ट्रियाई कंपनियों की भागीदारी का उल्लेख किया। मोदी ने कहा, भारत-यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता होने के बाद, भारत और यूरोपीय संघ के संबंधों में एक नया स्वर्णिम अध्याय शुरू हो गया है। चांसलर स्टॉकर की यात्रा के साथ, हम भारत-ऑस्ट्रिया संबंधों को भी एक नए युग में ले जा रहे हैं।

ट्रंप महाभियोग मामले में जांच की सिफारिश

वॉशिंगटन। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले महाभियोग जांच से जुड़े दो पूर्व अधिकारियों के खिलाफ न्याय विभाग (डीओजे) को जांच करने का निर्देश दिया है।

गबार्ड के कार्यालय ने पुष्टि की कि उन्होंने एक व्हिसलब्लोअर और खुफिया समुदाय के एक पूर्व निगरानी अधिकारी के खिलाफ आपराधिक संदर्भ तैयार किए हैं, हालांकि किसी विशेष अपराध का उल्लेख नहीं किया गया है। गबार्ड के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि इन संदर्भों पर आपराधिक जांच शुरू करनी है या नहीं, यह निर्णय न्याय विभाग के अभियोजक लेंगे।

रूस के यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों में हमले, 16 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी

रूस ने यूक्रेन के नागरिक क्षेत्रों पर कई घंटे तक सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में 16 लोग मारे गए और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। लगभग दो सप्ताह में यूक्रेन को निशाना बनाकर किया गया रूस का यह सबसे बड़ा हवाई हमला था।

अधिकारियों ने बताया कि रूस ने लगभग 700 ड्रोन और कई बैलिस्टिक एवं क्रूज मिसाइलें दागीं, जिनका मुख्य निशाना आम नागरिक थे। रूस ने चार साल से अधिक समय पहले पड़ोसी देश पर आक्रमण किया था और तब से रूसी सेना लगभग हर दिन नागरिक क्षेत्रों पर हमले कर रही है। नियमित हमलों के बीच-बीच में बड़े पैमाने पर हमले भी होते रहते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि इन हमलों में 15,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिक मारे गए हैं। ताजा बमबारी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की इस सप्ताह जर्मनी, नॉर्वे और इटली की 48 घंटे की यात्रा के बाद हुई है। यात्रा के दौरान जेलेंस्की ने रूसी मिसाइलों को रोकने में सक्षम और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों की तत्काल मांग की थी।

सुकून तलाश करने की राह में खतरे भी हैं

क्या आपकी दीवारें सब देख रही हैं

सोचिए, आप ऑफिस से थके-हारे घर लौटते हैं, दरवाजा अपने आप खुल जाता है, कॉफी मेकर मशीन गरम कॉफी तैयार रखती है और आपकी पसंद का म्यूजिक बजने लगता है। वैसे तो यह जादुई सा लगता है, लेकिन दरअसल इस आराम के पीछे एक ऐसी कीमत है जो आप अनजाने में चुका रहे हैं। आपके घर के स्मार्ट उपकरण चाहे वह स्मार्ट टीवी हो, फ्रिज हो या रोबोट वैक्यूम क्लीनर, वे सिर्फ आपकी सेवा नहीं कर रहे, बल्कि वे आपके निजी जीवन का एक लाइव डेटा मैप भी बना रहे होते हैं।

इंटरनेट ऑफ थिंग्स के इस युग में हर उपकरण इंटरनेट से जुड़ा है। इसका मतलब है कि आपके घर की हर हलचल डेटा बनकर कंपनी के सर्वर पर जा रही है।

ऐसे समझें यह सारा माजरा

- **रोबोट वैक्यूम का मैप :** रोबोट वैक्यूम क्लीनर पूरे घर का एक थ्री डी मैप बनाता है। उसे पता है कि आपका बेडरूम कितना बड़ा है और घर में कितना फर्नीचर है और आपकी लाइफस्टाइल कैसी है। यह डेटा रियल एस्टेट या फर्नीचर कंपनियों के लिए बहुत कीमती है।
- **स्मार्ट टीवी की नजर :** स्मार्ट टीवी में ऑटोमैटिक कन्टेंट रिकग्नीशन तकनीक होती है। यह न केवल यह ट्रैक करता है कि आप क्या देख रहे हैं, बल्कि टीवी में लगे सेंसर और माइक यह भी जान सकते हैं कि कमरे में कितने लोग बैठे हैं।
- **स्मार्ट फ्रिज और सेहत :** आपका स्मार्ट फ्रिज जानता है कि आप कब दूध खत्म करते हैं और कब शराब या कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। यह डेटा आपकी डाइट और स्वास्थ्य की पूरी जानकारी इंश्योरेंस कंपनियों को दे सकता है।

फैक्ट

क्या आप जानते हैं कि एक अंतरराष्ट्रीय रिसर्च में पाया गया कि एक औसत स्मार्ट घर दिन भर में लगभग 50 से 100 एमबी डेटा बाहरी सर्वर पर भेजता है। अमेरिका में एक मर्डर केस के दौरान पुलिस ने स्मार्ट वॉटर मीटर के डेटा का इस्तेमाल यह साबित करने के लिए किया था कि आरोपी ने अपराध के वक्त खून साफ करने के लिए बहुत ज्यादा पानी का इस्तेमाल किया था। आपके घर के उपकरण आपके सबसे वफादार गवाह या मुखबिर बन सकते हैं।

क्या करते हैं वीवीआईपी

कई राष्ट्राध्यक्ष और वीवीआईपी मॉडिफाई किए फोन का उपयोग करते हैं जिसमें से कैमरा या जीपीएस जैसे हार्डवेयर हटा दिए जाते हैं। ऐसे कंप्यूटरों का उपयोग किया जाता है जो कभी इंटरनेट से नहीं जुड़ते। इसे एयर गैपिंग कहा जाता है।

ये जरूरी बातें भी रखें ध्यान

- **डार्क लिसनिंग और स्मार्ट बल्ब**
  क्या आप जानते हैं कि कुछ स्मार्ट बल्ब आपके कमरे की आवाजों के साथ सिंक होते हैं। यानी उनके पास माइक न भी हो तो भी वे बिजली खपत में होने वाले बदलावों से घर के अंदर की हलचल का अंदाजा लगा सकते हैं।
- **घर की प्राइवेसी का लीक होना**
  स्मार्ट सिक्योरिटी कैमरे सबसे खतरनाक हो सकते हैं। अगर इन कैमरों का पासवर्ड कमजोर है या उनकी कंपनी का सर्वर हैक होता है तो कोई अनजान व्यक्ति आपके बेडरूम के अंदर की लाइव फीड देख सकता है।
- **बिजली के मीटर की जासूसी**
  स्मार्ट मीटर बता सकते हैं कि आपने रात को किस वक्त लाइट बंद की, सुबह कितने बजे उठे और कौन से उपकरण जैसे एसी या हीटर का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। यह आपके रूटीन का सटीक ग्राफ है।

एक्सपर्ट टिप्स

- **कैमरों पर फिजिकल कवर :** अगर आपके स्मार्ट टीवी या लैपटॉप में कैमरा है तो उस पर एक छोटा सा स्टिकर या स्लाइडर लगा दें। सॉफ़्टवेयर पर भरोसा करने से बेहतर है भौतिक सुरक्षा।
- **अलग वाई-फाई नेटवर्क :** स्मार्ट उपकरणों के लिए अलग वाई-फाई नेटवर्क बनाएं। इससे कोई हैकर आपका स्मार्ट बल्ब हैक करेगा तो आपके मुख्य कंप्यूटर या फोन तक नहीं पहुंच पाएगा।
- **म्यूट बटन का प्रयोग :** स्मार्ट स्पीकर्स जैसे एलेक्सा या गूगल होम में फिजिकल म्यूट बटन होता है। जब कोई निजी बात कर रहे हों तो उसे मैन्युअली बंद कर दें।
- **अपडेट्स हैं जरूरी :** अपने हर स्मार्ट उपकरण के फर्मवेयर को समय-समय पर अपडेट करते रहें। पुराने सॉफ़्टवेयर में हैकिंग का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

मेलोनी को साहसी समझा था मगर गलत साबित हुआ

मिलान/साओ पाओलो। पोप लियो 14वें का समर्थन करने के कारण इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर आ गई हैं। मेलोनी को कभी यूरोप और डोनाल्ड ट्रंप के बीच सेतु माना जाता था। वहीं, ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला डी सिल्वा ने भी पोप की आलोचना करने के लिए ट्रंप पर निशाना साधा है।

● पोप लियो का समर्थन करने पर इटली की प्रधानमंत्री पर भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति

पोप लियो आलोचना करने के बाद ट्रंप ने अपना गुस्सा मेलोनी पर निकाला जो लंबे समय से उनके सबसे करीबी यूरोपीय सहयोगियों में से एक रही हैं। मेलोनी ने पोप पर इस तीखे हमले को अस्वीकार्य बताया था और ईरान पर अमेरिका-इजराइल युद्ध का समर्थन करने से इन्कार कर दिया था। ट्रंप ने इटली के एक प्रमुख दैनिक अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे लगा था कि उनमें साहस है, लेकिन मैं गलत था। हालांकि मेलोनी ने ट्रंप के हमलों का सीधे तौर पर जवाब नहीं दिया है। बुधवार को ट्रंप ने अपने रुख पर जोर देते हुए कहा कि उनके बीच संबंध खराब हो गए हैं। 'फॉक्स न्यूज' से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, उनका (मेलोनी का) रवैया नकारात्मक रहा है। जिसने भी ईरान के मामले में हमारी मदद करने से इनकार किया है, उनके साथ हमारे संबंध पहले जैसे नहीं रहे।

इस सप्ताह मेलोनी ने पोप पर ट्रंप के हमले को अस्वीकार्य बताया था जो अमेरिकी राष्ट्रपति की अब तक की सबसे सीधी आलोचना थी।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज कार्यक्षेत्र में नकारात्मक परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक खर्चों पर नियन्त्रण रखें।

वृष — आज आपके ऊपर मानसिक दबाव बढ़ सकता है। सिरदर्द की समस्या हो सकती है। माइग्रेन के रोगियों को भोजन और नींद का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

मिथुन — आज आय के नए स्रोत बनेंगे, लेकिन आपके खर्च भी बढ़ेंगे। व्यापार को लेकर बड़ी डील हो सकती है।

कर्क — आज धन की कमी से रुके कार्य प्रारंभ हो सकते हैं। आपको व्यापार में बड़े अवसर मिल सकते हैं। अपनी पुरानी गलतियों का विश्लेषण करेंगे।

सिंह — आज परिजनों का पर्याप्त सहयोग नहीं मिलेगा। कानूनी मामलों में उलझ सकते हैं। बच्चों की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

कन्या — आज नई तकनीक के प्रति अत्यंत आकर्षित रहेंगे। घर में आपका मन नहीं लगेगा। तीर्थस्थल की यात्रा हो सकती है। हिसाब-किताब में पारदर्शिता रखें।

तुला — आज आपकी आय में वृद्धि होगी। बच्चे काफी अनुशासित रहेंगे। रिश्तेदारों के घर जाने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक — आज विरोधी आपके प्रति सक्रिय रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परीक्षा परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है।

धनु — आज आपकी दिनचर्या अत्यन्त व्यवस्थित रहेगी। पारिवारिक तनाव दूर होगा। मन में अज्ञात कारणों से चिन्ता रहेगी।

मकर — आज नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। संतान की उन्नति से आप अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। पूर्व में किया गया निवेश लाभप्रद सिद्ध होगा।

कुंभ — आज राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान होकर वक्तव्य देना चाहिये। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा।

मीन — आज अटके हुए काम दोबारा शुरू होंगे। वाहन चलाते समय नियमों का पालन करें। शारीरिक पीड़ा हो सकती है।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

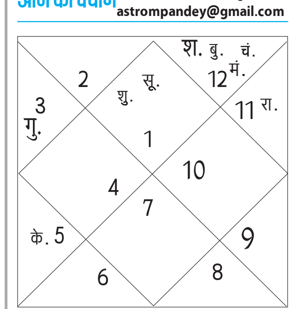

आज की ग्रह स्थिति : 17 अप्रैल, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष- कृष्ण पक्ष, अमावस्या 17 .21 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-रेवती 12 .02 तक तत्पश्चात अश्विनी।

सुडोकू - 121 का हल

1	3	8	7	2	5	4	6	9
5	6	7	1	4	9	3	8	2
2	9	4	8	3	6	7	1	5
6	2	5	4	7	8	9	3	1
7	1	9	5	6	3	8	2	4
4	8	3	9	1	2	5	7	6
8	7	1	2	9	4	6	5	3
3	4	2	6	5	7	1	9	8
9	5	6	3	8	1	2	4	7

सुडोकू -122

9	4			5				
	1				9			
		5						9
				6	4			
	8						2	
2			3	1		6		
5				4			9	
			7				1	
	6			9	2		8	4

भारत ने जारी की रिपोर्ट

विश्व भर में अब तक के सर्वाधिक रॉकेट प्रक्षेपित किए गए पिछले साल

अंतरिक्ष में मानवीय प्रभुत्व बढ़ाने वाला साल रहा 2025

चेन्नई, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष स्थिति जागरूकता रिपोर्ट (इसार-2025) के अनुसार वर्ष 2025 में विश्व भर में अब तक के सबसे अधिक रॉकेट प्रक्षेपित किए गए। इस रिपोर्ट को इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन ने कुछ दिन पहले बेंगलुरु में आयोजित ''स्पेसक्राफ्ट मिशन ऑपरेशंस'' (स्मॉप्स-2026) के उद्घाटन सत्र के दौरान जारी किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में कुल 328 रॉकेट प्रक्षेपित किए गए जिनमें से 315 सफल रहे। इन मिशनों के जरिए 4,198 उपग्रहों को उनकी कक्षाओं में स्थापित किया गया।

इस वर्ष अंतरिक्ष में मानव निर्मित वस्तुओं की संख्या में भी भारी बढ़ोतरी हुई और कुल 4,651 नई वस्तुएं अंतरिक्ष में भेजी गईं। इसरो ने बताया कि पिछले वर्षों की तुलना में यह एक बड़ी वृद्धि है, क्योंकि 2024 में 254 प्रक्षेपणों के माध्यम से 2,963 वस्तुएं और 2023 में 212 प्रक्षेपणों के माध्यम से 3,135 वस्तुएं अंतरिक्ष में भेजी गई थीं। भारत की तरफ से 2025 के अंत तक निजी संचालकों और शैक्षणिक संस्थानों सहित कुल 144 अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किए गए। वर्तमान में भारत के पास निचली कक्षा (एलईओ) में 22 और भू-स्थैतिक कक्षा (जीईओ) में 31 सक्रिय उपग्रह हैं। वहीं, एनवीएस-02 उपग्रह एक अंडाकार कक्षा में अपना काम कर रहा है। इसके अलावा, भारत के दो दूरस्थ अंतरिक्ष मिशन चंद्रयान-2 और आदित्य-एल1 भी पूरी तरह सक्रिय हैं। साल 2025 की एक खास घटना चंद्रयान-3 के प्रोपल्शन मॉड्यूल का चंद्रमा के पास से गुजरना रहा। यह मॉड्यूल नवंबर 2023 में पृथ्वी की ऊंची कक्षा में भेजा गया था, जिसने नवंबर 2025 में चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में फिर से प्रवेश किया।

कचरामुक्त रखें अंतरिक्ष को

रिपोर्ट में अंतरिक्ष को साफ रखने के प्रयासों पर भी जोर दिया गया है। इसरो ने 2030 तक मलबे मुक्त अंतरिक्ष मिशन का लक्ष्य रखा है। इसके तहत अब उपग्रहों के डिजाइन और संचालन में ऐसे बदलाव किए जा रहे हैं जिससे मिशन खत्म होने के बाद वे अंतरिक्ष में कचरा न बनें।

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 17 अप्रैल 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026
आज के मुकाबले

गुजरात टाइटंस
बनाम
कोलकाता नाइट राइडर्स
समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- विराट कोहली बेंगलुरु–228 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद–224 रन
- रजत पाटीदार बेंगलुरु–222 रन

पर्पल कैप

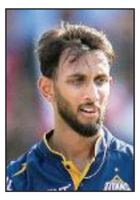

- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात – 10 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई – 10 विकेट
- प्रिंस यादव लखनऊ– 9 विकेट

प्रभसिमरन-श्रेयस ने पंजाब किंग्स के अजेय रथ को शीर्ष पर पहुंचाया

आईपीएल-2026 : डिकॉक के शतक पर फिरा पानी, मुंबई इंडियंस 7 विकेट से हारा

शॉट लगाते पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह। एजेंसी

मुंबई, एजेंसी

प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतक से सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक के तेजतर्रार शतक पर पानी फेरते हुए पंजाब किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बृहस्पतिवार को यहां मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंच गई।

पंजाब किंग्स की टीम मुंबई के 196 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन की 39 गेंद में 11 चौकों और दो छक्कों से नाबाद 80 रन की पारी की और कप्तान श्रेयस अय्यर (66 रन, 35 गेंद, पांच चौके, चार छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी बदौलत 16.3 ओवर में तीन विकेट पर 198 रन बनाकर आसान जीत दर्ज करने में सफल रही। इस जीत से टूर्नामेंट की एकमात्र अजेय टीम पंजाब किंग्स पांच मैच में नौ अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई। मुंबई की टीम इतने ही मैच में दो अंक के साथ नौवें स्थान पर है।

इससे पहले मौजूदा सत्र में अपना पहला मैच खेल रहे डिकॉक ने 60 गेंद में सात छक्कों और आठ चौकों से नाबाद 112 रन की पारी खेलने के अलावा नमन धीर (50 रन, 31 गेंद, तीन चौके, तीन छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की जिससे मुंबई इंडियन्स ने छह विकेट पर 195 रन बनाए। ये दोनों उस समय साथ आए जब टीम 12 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। पंजाब की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रियांश आर्य (15) ने दीपक चाहर के पहले ओवर में लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन स्पिनर अल्लाह गजनफर (31 रन पर दो विकेट) की गेंद पर चाहर को कैच थमा दिया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 11 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब कप्तान हार्दिक पंड्या की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर जसप्रीत बुमराह ने उनका कैच टपका दिया। कूपर कोनोली ने इसी ओवर में चौका और छक्का मारा। कोनोली (17) ने गजनफर पर भी छक्का जड़ा लेकिन एक गेंद बाद विकेटकीपर डिकॉक को कैच दे बैठे। पंजाब ने पावर प्ले में दो विकेट पर 61 रन बनाए। चाहर के पारी के पहले ओवर में दो चौकों के साथ शुरुआत करने वाले प्रभसिमरन ने आठवें ओवर में भी इस तेज गेंदबाज की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा।

प्रभसिमरन ने 10वें ओवर में पंड्या पर लगातार दो चौके मारे जिससे ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा हुआ। प्रभसिमरन ने अगले ओवर में शारदुल पर लगातार दो चौकों के साथ 23 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

मुंबई इंडियंस

195/6 (20 ओवर)

रेयान रिकेल्टन का शशांक बो अर्शदीप	02
क्विंटन डिकॉक नाबाद	112
सूर्यकुमार यादव का चहल बो अर्शदीप	00
नमन धीर का बार्टलेट बो शशांक	50
हार्दिक पंड्या का बार्टलेट बो यानसेन	14
शेरफेन रदरफोर्ड बो अर्शदीप	01
तिलक वर्मा रन आउट	08
मयंक रावत नाबाद	00

अतिरिक्त : 08, **विकेट पतन** : 1-12, 2-12, 3-134, 4-175, 5-185, 6-193

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-22-3, यानसेन 4-0-30-1, बार्टलेट 4-0-39-0, वैशाक 3-0-36-0, चहल 3-0-45-0, शशांक 2-0-19-1

पंजाब किंग्स

198/3 (16.3 ओवर)

प्रियांश आर्य का चाहर बो गजनफर	15
प्रभसिमरन सिंह नाबाद	80
कूपर कोनोली का डिकॉक बो गजनफर	17
श्रेयस अय्यर का नमन बो शारदुल	66
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	10

अतिरिक्त : 10, **विकेट पतन** : 1-27, 2-45, 3-184

गेंदबाजी : चाहर 2.3-0-45-0, बुमराह 4-0-41-0, गजनफर 4-0-31-2, पंड्या 3-0-39-0, शारदुल 3-0-42-1

80 रनों की नाबाद पारी के दौरान प्रभसिमरन सिंह ने 11 चौके व दो छक्के लगाए

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	5	4	0	1	9	1.067
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	5	4	1	0	8	1.503
3.	राजस्थान रॉयल्स	5	4	1	0	8	0.889
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	5	2	3	0	4	0.576
5.	दिल्ली कैपिटल्स	4	2	2	0	4	0.322
6.	गुजरात टाइटंस	4	2	2	0	4	-0.029
7.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	5	2	3	0	4	-0.804
8.	चेन्नई सुपर किंग्स	5	2	3	0	4	-0.846
9.	मुंबई इंडियंस	5	1	4	0	2	-1.076
10.	कोलकाता नाइट राइडर्स	5	0	4	1	1	-1.383

टी-20 प्रारूप में एक ही तरह से गेंदबाजी करके प्रासंगिक नहीं रह सकते : एंगिडी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को परेशान करने वाली लुंगी एंगिडी की नीचे की ओर गिरती हुई धीमी गेंद (डिपिंग स्लोअर बॉल) इंडियन प्रीमियर लीग में भी बल्लेबाजों के लिए उतनी ही घातक बनी हुई है। एनगिडी ने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स में ड्वेन ब्रावो के कहने पर अपनी धीमी गेंदों पर काम करना शुरू किया था और खेल के इस सबसे छोटे प्रारूप में इस अहम कला में महारत हासिल करने में उन्हें थोड़ा समय लगा। दक्षिण अफ्रीका और दिल्ली कैपिटल्स के इस तेज गेंदबाज को हैरानी है कि अब सभी उनकी गेंदबाजी विविधताओं के बारे में बात कर रहे हैं जबकि ये वर्षों से उनके खेल का हिस्सा रही हैं। बृहस्पतिवार को चुनिंदा संवाददाताओं से बात करते हुए एनगिडी ने अपनी हाल की सबसे असरदार गेंद के बारे में बात की। एक धीमी गेंद जो बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते नीचे की ओर गिरने लगती है। यह धीमी यॉर्कर, लेंथ गेंद या धीमी बाउंसर हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान कहा था यह एक ही गेंद के साथ तीन अलग-अलग लेंथ हैं और बल्लेबाज को यह अंदाजा लगाना होता है कि अगली गेंद कौन सी आने वाली है। बृहस्पतिवार को इस तेज गेंदबाजी से उनकी विविधताओं और टी20 प्रारूप में बल्लेबाजों से आगे रहने में वह कैसे कामयाब रहे इस बारे में कई सवाल पूछे गए। एनगिडी ने उन सभी का जवाब बहुत ही आसान शब्दों में दिया। एनगिडी ने कहा ऐसा लगता है कि हर कोई हैरान है लेकिन मैं तो वर्षों से धीमी गेंदें डाल रहा हूं। शायद मैं अब उन्हें थोड़ी अधिक फ्लाइट दे रहा हूं। मैं आईपीएल से जुड़े ट्रेंड पर नजर रख रहा हूं। हर कोई तेज गेंदबाजी करना चाहता है। उन्होंने कहा इन जैसी बल्लेबाजी के लिए मददगार पिचों पर आपको कुछ अलग करना पड़ता है। यही एकमात्र तरीका है जिससे आप प्रासंगिक बने रह सकते हैं। बहुत से लोग मेरे से इसके बारे (डिपिंग स्लोअर बॉल के बारे में) पूछते हैं। उन्हें लगता है कि यह आसान है। एनगिडी ने कहा इस गेंद को सही तरीके से डालने में मुझे लगभग एक साल का समय लगा। यह मेरे मुख्य हथियारों में से एक है।

हाईलाइट

फ्रेंच ओपन की इनामी राशि में इजाफा

पेरिस। फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की इनामी राशि में लगभग 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है जिससे कुल इनामी राशि छह करोड़ 17 लाख यूरो (सात करोड़ 21 लाख डॉलर) हो गई है। यह कुल राशि पिछले साल के मुकाबले 53 लाख यूरो अधिक है। प्रतियोगिता 24 मई को पश्चिमी पेरिस के रोलां गैरो में शुरू होगी। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उप विजेता को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों को सात लाख 50 हजार यूरो और पहले दौरे में हारने वाले खिलाड़ियों को 87 हजार यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल के विजेताओं को छह लाख यूरो और मिश्रित युगल की चैंपियन जोड़ी को एक लाख 22 हजार यूरो मिलेंगे।

खलील चोट के कारण आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज खलील अहमद कूल्हे में चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं, जो अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश में जुटी इस फ्रेंचाइजी टीम के लिए करारा झटका है। खलील ने सीएसके की तरफ से अभी तक सभी पांच मैच में हिस्सा लिया है। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 14 अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान अपने दाहिने कूल्हे में दर्द की शिकायत की थी।

एशियाई खेलों के पदक पर बरवाल की नजरें

नई दिल्ली। हाल में भारतीय एथलेटिक्स का सबसे पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद मैराथन धावक सावन बरवाल का लक्ष्य एशियाई खेलों में देश के लिए 1982 के बाद इस दूरी का पहला पदक जीतना है। मैराथन में भारत का आखिरी एशियाई खेल पदक होसुर कुक्कप्पा सीतारण ने 1982 में नयी दिल्ली में जीता था। उससे पहले छोटा सिंह ने राष्ट्रीय राजधानी में हुए शुरूआती 1951 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

तेज गेंदबाजी आक्रमण ने आरसीबी को बना दिया खतरनाक टीम

जोश हेजलवुड

भुवनेश्वर कुमार

रसिक सलाम

बेंगलुरु, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन मैच जीतकर इतिहास रच दिया है और इसमें उसके तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम रही।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के गेंदबाजों ने सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएके) और लखनऊ सुपर जाएंट्स जैसी टीमों पर हावी रहकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

बदलाव का पहला संकेत 28 मार्च को मिला जब जैकब डफी ने तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। जोश हेज़लवुड की शुरुआती मैचों में अनुपस्थिति में उन्होंने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई। हैदराबाद के खिलाफ मैच के बाद डफी ने कहा था मैं तो बस उस दिग्गज खिलाड़ी की जगह संभाल रहा हूं। जोश ने पिछले साल यहां बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए उसने जो अच्छा किया था, उसे मैं आगे बढ़ाने की कोशिश करूं।

हेजलवुड ने वापसी करने के बाद अपना जलवा दिखाया और लखनऊ की टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए चार ओवर में 21 रन देकर एक विकेट लिया। इसके लिए उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने मैच के बाद संवाददाताओं से हेजलवुड के बारे में कहा मुझे लगता है कि वह पहले से ज्यादा चुस्त-दुरुस्त दिख रहे हैं। चोट के बाद उन्हें काफी आराम मिला है। इसलिए वह पहले से ज्यादा तेज और फिट हो गए हैं और अब उन्हें अपने शरीर पर पूरा भरोसा है। यह उनकी गेंदबाजी में दिख रहा है। आरसीबी के पास भुवनेश्वर कुमार के रूप में एक नया अन्य उपयोगी तेज गेंदबाज है जिन्होंने हेज़लवुड का साथ देते हुए तीन विकेट लिए। वह अपनी धीमी बाउंसर, यॉर्कर और कम गति वाली गेंद करके बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं। यही नहीं आरसीबी को रसिक सलाम के रूप में एक उपयोगी तेज गेंदबाज मिला है जिन्होंने पिछले मैच में चार विकेट लिए। अपने इस तेज गेंदबाजी आक्रमण के कारण आरसीबी किसी भी मैदान पर जीत हासिल करने में सक्षम है।

पहली जीत के लिए बेताब केकेआर

अभ्यास सत्र के दौरान केकेआर के उपकप्तान रिंकू सिंह (दाएं से दूसरे), अंगकृष रघुवंशी (दाएं से तीसरे), वैभव अरोड़ा (बाएं से तीसरे) और अन्य। एजेंसी

- घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा गुजरात टाइटन्स

अहमदाबाद, एजेंसी

लगातार खराब प्रदर्शन के कारण दबाव में चल रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार फॉर्म में चल रही गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपनी लय में लौटकर पहली जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच अभिषेक नायर के नेतृत्व में केकेआर की स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आ रही है। उसे अब तक पांच मैच में से चार मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने तथा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किए जाने के बाद टूर्नामेंट से पहले उसकी गेंदबाजी काफी कमजोर हो गई थी। उसके लिए हालांकि सबसे बड़ी चिंता सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिन गेंदबाजों की खराब फॉर्म है। चक्रवर्ती इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं। केकेआर की समस्याएं मैदान के अंदर और बाहर के कुछ फैसलों के कारण बढ़ गई हैं। टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखने पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि टॉस जीतने के बाद उनके फैसले भी समझ से परे हैं। पंजाब के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए मैच में रहाणे ने बल्लेबाजी का फैसला करके सभी को चौंका दिया।

घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाया गुजरात

गुजरात टाइटन्स की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की। उसकी गेंदबाजी मजबूत नजर आ रही है जिसमें प्रसिद्ध कृष्णा अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और राशिद खान ने अपनी लय वापस हासिल कर ली है। शुभमन गिल और जोस बटलर जैसे बल्लेबाजों के फॉर्म में आने से गुजरात टाइटन्स मजबूत नजर आ रही है।

दिशाहीन नजर आ रही कोलकाता टीम

केकेआर दिशाहीन टीम नजर आ रही है। अभी तक सारा ध्यान कैमरन ग्रीन पर रहा है जिन्हें आंद्रे रसेल की जगह भरने के लिए रिकॉर्ड 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। ऑस्ट्रेलिया का यह ऑलराउंडर उस कीमत को सही ठहराने के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन वह पांच पारियों में केवल 56 रन ही बना पाए हैं और गेंदबाजी में भी खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। केकेआर के बल्लेबाजी क्रम में भी स्पष्टता नजर नहीं आती। पिछले मैच में सुनील नारायण को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया जबकि रहाणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे लेकिन यह दोनों ही बदलाव कारगर साबित नहीं हुए। मनीष पांडे, राहुल त्रिपाठी और सार्थक रंजन जैसे बल्लेबाजों को मौका नहीं मिला है। केकेआर को जीत हासिल करने के लिए रणनीति को बदलना होगा और तीनों विभाग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सफलता

वह यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

वैशाली ने फिडे महिला कैंडिडेट्स जीतकर रचा इतिहास

साइप्रस/ नयी दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली ने फिडे विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह खिताब को जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस उपलब्धि पर वैशाली को बधाई दी।

बुधवार को 14 राउंड के इस मुकाबले में आखिरी राउंड में कतेरीना लाग्नो को हराकर वैशाली ने खिताब अपने नाम किया। इस खिताबी जीत के साथ ही उन्होंने इस साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप का टिकट मिल गया है, जहां उनका सामना चीन की जू वेनजुन से होगा। केन्द्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए आर वैशाली को बधाई दी है। डॉ. मांडविया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा भारत की नारी शक्ति हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है। फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रचने पर आर वैशाली को बधाई। पूरे भारत को आप पर गर्व है।

वर्ष 2023 में तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर बनकर किया था कमाल

वैशाली दिसंबर 2023 में कोनेरू हम्पी और डी हरिका के बाद तीसरी भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर बनीं। इसके बाद वह गुपचुप अपने खेल को आगे बढ़ाती रहीं। उन्होंने आयु वर्ग के कई खिताब जीते और 2021 में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर का खिताब हासिल किया। इसके बाद 2022 में चेन्नई के मल्लापुरम में शतरंज ओलंपियाड में उन्होंने व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने टीम को भी कांस्य पदक दिलाने में मदद की। कैंडिडेट्स प्रतियोगिता में भी उन्होंने अपना शांत आत्मविश्वास बनाए रखा। उन्हें इस प्रतियोगिता में कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था लेकिन उन्होंने केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया और सभी धारणाओं को गलत साबित कर दिया। नॉर्वे की शतरंज चैंपियन अन्ना मुज़िचुक, महिला विश्व रैपिड चैंपियन एलेक्जेंड्रा गोरियाचकिना, विश्व ब्लिट्ज चैंपियन बिबिसारा असाउबायेवा और चीन की दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी झू जिनर और पूर्व कैंडिडेट्स विजेता टैन झोंगयी जैसी दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में उन्हें जीत का प्रबल दावेदार नहीं माना जा रहा था।

मां की उपस्थिति ही सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली। अपने शांत स्वभाव लेकिन मजबूत आत्मविश्वास वाली कैंडिडेट्स प्रतियोगिता की विजेता आर वैशाली अक्सर अपनी मां के साथ देखी जाती हैं और विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने से पहले यही उनकी ताकत हैं। वह एक ऐसी भारतीय खिलाड़ी हैं जो अपने खेल को ही अपनी पहचान बनने देती हैं। वैशाली के लिए जो चीज सबसे महत्वपूर्ण है वह है उनके घर का माहौल। वह एक ऐसे परिवार से हैं जो पूरी तरह से शतरंज के प्रति समर्पित है और जिसने बिना किसी दिखावे के महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। साइप्रस के पाफोस में खेले गए कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में आठ महिला खिलाड़ियों में सबसे कम रेटिंग वाली खिलाड़ी वैशाली ने अपने शांत खेल और आत्मविश्वास से ही जीत हासिल करके अपनी काबिलियत साबित कर दी।

मेसी पर अनुबंध के उल्लंघन का आरोप

मियामी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी पर मियामी स्थित एक 'इवेंट प्रमोटर' ने मुकदमा दायर किया है, जिसका कहना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अनुपस्थित रहकर 70 लाख डॉलर के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है।

अदालती रिकॉर्ड के अनुसार विड म्यूजिक ग्रुप ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था। मेसी और एएफए ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए भेजे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। मेसी को महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी व अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं।

बायर्न म्यूनिख चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

- क्वार्टर फाइनल में रियल मैड्रिड को 4-3 से हराया

म्यूनिख, एजेंसी

बायर्न म्यूनिख ने अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड को हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लुइस डियाज़ और माइकल ओलिस के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की मदद से बायर्न म्यूनिख ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में रियल मैड्रिड पर 4-3 से जीत दर्ज की।

बायर्न म्यूनिख ने पहला चरण 2-1 से जीता था। इस तरह से उसने कुल 6-4 के स्कोर से जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। डियाज ने 89वें मिनट और ओलिस ने स्टॉपेज टाइम के चौथे मिनट में गोल करके बायर्न म्यूनिख की जीत सुनिश्चित की। उसकी तरफ से अलेक्जेंडर पावलोविच (छठे) और हैरी केन (38वें) ने पहले हाफ में गोल किए थे। रियल मैड्रिड की तरफ से अर्डा गुलेर ने दो (पहले और 29वें मिनट) तथा किलियन एमबाप्पे (42वें) ने गोल किए। रियाल मैड्रिड के खिलाड़ी 86वें मिनट में एडुवार्डो कैमाविंगा को लाल कार्ड देने के रेफरी के फैसले से संतुष्ट नहीं थे और उन्होंने मैच खत्म होने के बाद उन्हें घेर लिया। जिसके कारण गुलेर को लाल कार्ड दिखाया गया। बायर्न म्यूनिख सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल आर्सेनल और एटलेटिको मैड्रिड के बीच खेला जाएगा।